THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 111 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.7 2082 गुरुवार, 17 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अदालतों में टॉयलेट की कमी पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश की अदालतों में टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधा की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को कोर्ट ने नाराजगी जताई कि देश के 25 में से 20 हाईकोर्ट ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने टॉयलेट की सुविधा सुधारने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी 2025 को सभी हाईकोर्ट, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया था कि हर अदालत में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडर्स के लिए अलग-अलग टॉयलेट होने चाहिए। उचित स्वच्छता पाना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन ने आज सुनवाई के दौरान सभी हाईकोर्ट को रिपोर्ट पेश करने के लिए 8 हफ्ते का समय दिया।

नाटो की 100% टैरिफ लगाने की धमकी

> इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति > रूस को जंग रोकने को कहें-वरना नतीजा भुगतना होगा

ब्रसेल्से, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए, ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100% सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

दो दिन पहले ट्रम्प ने रूस पर 100% टैरिफ की धमकी दी

ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था-मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100% टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा। भारत रूस से कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है। अगर सेकेंडरी प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत पर इसके बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं।

तेल आपूर्ति में रुकावट : भारत रूस से अपनी कुल तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा खरीदता है। प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की आपूर्ति रुक सकती है। इससे भारत को वैकल्पिक स्रोतों (जैसे सऊदी अरब, इराक) से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी।

> रूस बोला-अपनी नीतियां नहीं बदलेंगे

वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है, ताकि वह रूस के हमलों से बच सके।

'कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते'

> सीडीएस बोले-विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

"हाल के युद्धों ने सिखाया है कि ड्रोन कैसे रणनीतिक संतुलन को बदल सकते हैं। ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम में आत्मनिर्भरता रणनीतिक रूप से भारत के लिए जरूरी है।

जनरल अनिल चौहान
चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में यूएवी (अनमैंड एरियल व्हीकल) और सीयूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा-मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूश्नरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा-हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पार्ट्स की कमी होती है। सीडीएस जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में 'भविष्य के युद्ध और युद्ध' विषय पर लेक्चर में कहा था, '10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।'

जांच एजेंसियों द्वारा वकीलों को परेशान करने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: केंद्र सरकार को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश में वकीलों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार, जांच एजेंसियों द्वारा उन्हें परेशान करने और उनके विशेषाधिकारों में दखल की बढ़ती घटनाओं को लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर रुख अपनाया है।

अदालत ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और बार काउंसिल ऑफ इंडिया समेत अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। यह याचिका वकीलों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा और 'एडवोकेट्स प्रोटेक्शन बिल' को लेकर दाखिल की गई थी। बुधवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने वकील आदित्य गोरे की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र, बीसीआई और अन्य को नोटिस जारी किया।

'देश में विचारधारा की लड़ाई चल रही है, एक बांटती है और एक जोड़ती है'

गुवाहाटी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश में विचारधाराओं की जंग लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने असम के चायगांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ आरएसएस की विचारधारा है जो नफरत और हिंसा फैलाती है, और दूसरी तरफ कांग्रेस की विचारधारा है जो सत्य और अहिंसा पर आधारित है। राहुल गांधी ने कहा कि असम की जनता सच्चाई जानती है और आने वाले चुनावों में कांग्रेस भारी जीत दर्ज करेगी। उन्होंने चायगांव की सभा में कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि एक नई टीम बनाई गई है, काम शुरू हो चुका है और जनता जल्द ही इसके नतीजे देखेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए उन्हें शेर और शेरनियां कहा। अपने भाषण में राहुल गांधी ने देश में जारी वैचारिक संघर्ष की ओर इशारा करते हुए कहा, 'देश में एक विचारधारा विभाजन की है, वहीं दूसरी विचारधारा कांग्रेस की है, जो एकता और भाईचारे की बात करती है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच हर नागरिक को जोड़ने की है, जबकि आरएसएस और भाजपा की राजनीति समाज को बांटने की कोशिश करती है। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कांग्रेस पार्टी के शेर और शेरनियां हैं।

उद्धव को सीएम ने सत्ता में आने का आफर दिया

पुणे, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल मच गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा में बड़ा बयान देते हुए कहा कि 2029 तक भाजपा या उनका गठबंधन विपक्ष में जाने वाला नहीं है। उन्होंने शिवसेना (उद्धव गुट) प्रमुख उद्धव ठाकरे को इशारों में सत्ता पक्ष में शामिल होने का ऑफर भी दिया। यह बयान उस वक्त आया है जब बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव नजदीक हैं और राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। भाजपा की यह रणनीति बीएमसी चुनाव से पहले शिवसेना (उद्धव गुट) की स्थिति को कमजोर करने का प्रयास भी हो सकती है। विधान परिषद सत्र के दौरान बोलते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कम से कम 2029 तक हमारे विपक्ष में जाने की कोई संभावना नहीं है। यह बयान राजनीतिक आत्मविश्वास को दर्शाता है। भरी विधान परिषद में उन्होंने कि उद्धव जी चाहें तो इस तरफ आने के बारे में सोच सकते हैं। >14

कैबिनेट बैठक में शुभांशु के लिए प्रस्ताव पारित

कहा-विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी ऊर्जा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा की सराहना करते हुए प्रस्ताव पारित किया। कैबिनेट बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री वैष्णव ने कहा कि शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन ने भारत को अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के एक कदम और करीब पहुंचा दिया।

'पूरे देश के लिए गौरव और खुशी का अवसर'

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से वापसी पर एक प्रस्ताव पारित किया है। यह पूरे देश के लिए गौरव और खुशी का अवसर है। आज पूरे देश के साथ मंत्रिमंडल भी ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर बधाई देता है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिनों का ऐतिहासिक मिशन पूरा किया है। यह भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक नया अध्याय है। यह हमारे अंतरिक्ष कार्यक्रम के भविष्य की एक सुनहरी झलक पेश करता है। मंत्रिमंडल इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की पूरी टीम को बधाई देता है।' अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का मिशन केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, यह भारत की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का एक उदाहरण है। इससे हमारे बच्चों और युवाओं में जिज्ञासा बढ़ेगी और वैज्ञानिक सोच का विकास होगा। इससे प्रभावित होकर बड़ी संख्या में युवा विज्ञान और नवाचार को अपना करियर बनाएंगे। मंत्रिमंडल का दृढ़ विश्वास है कि यह मिशन विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देगा। भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 तक देश को नई ताकत मिलेगी।' इससे पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिनों के प्रवास के बाद शुभांशु शुक्ला मंगलवार को खुशी और मुस्कुराहट के साथ पृथ्वी पर लौट आए थे, लेकिन उनकी स्वदेश वापसी अभी करीब एक महीने दूर है।

'हमको जेल भेजने आए थे, भूल गए कि खुद जमानत पर हैं'

गुवाहाटी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। असम की राजनीति में गर्मी बढ़ गई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के असम दौरे पर दिए गए कथित बयान को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखा पलटवार किया है। सरमा ने एक्स पर राहुल गांधी के बंद कमरे में बोले गए कथित बयान का जिक्र करते हुए कहा कि जो खुद देशभर में कई मामलों में जमानत पर हैं, वो दूसरों को जेल भेजने की बात कर रहे हैं। यह टिप्पणी कांग्रेस की असम में रणनीतिक बैठक के बाद सामने आई है। राहुल गांधी असम दौरे पर थे, जहां उन्होंने कांग्रेस की राज्य स्तरीय राजनीतिक मामलों की समिति के साथ एक बंद बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कथित रूप से कहा कि लिख कर ले लीजिए, हिमंत बिस्वा सरमा को जेल जरूर भेजा जाएगा।

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह एलान किया है।

सरकार ने एनएलसीआईएल को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 7,000 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावे कैबिनेट ने एनटीपीसी को नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश के लिए 20,000 करोड़ रुपये की मंजूरी देने पर भी अपनी मुहर लगा दी है।

क्या है प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना?

मंत्रिमंडल ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत हर वर्ष 24,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और इसमें 100 जिले शामिल होंगे। केंद्रीय बजट में घोषित यह कार्यक्रम 36 मौजूदा योजनाओं को एकीकृत करेगा और फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने मदद देगा।

भंडारण और सिंचाई सुविधाओं में होगा सुधार

केंद्रीय मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी साझा करते हुए, सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम धन-धान्य कृषि योजना से फसल के बाद भंडारण में वृद्धि होगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार होगा और कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम से 1.7 करोड़ किसानों को लाभ मिलने की संभावना है। सरकार ने बुधवार को एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की ओर से लिया गया। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट देने को मंजूरी दे दी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'इस रणनीतिक निर्णय से एनएलसीआईएल को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (एनआईआरएल) में 7,000 करोड़ रुपये का निवेश करने में मदद मिलेगी। इसके तहत एनआईआरएल विभिन्न परियोजनाओं में सीधे या संयुक्त उद्यम का गठन कर निवेश कर सकेगी। इसके लिए पूर्व अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।'

कांग्रेस जाति जनगणना के लिए देशव्यापी अभियान चलाएगी : सीएम सिद्धारमैया

बंगलूरू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि बुधवार को कांग्रेस ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक में जाति जनगणना के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित राष्ट्रीय जातिगत जनगणना तेलंगाना राज्य की जाति सर्वेक्षण को मॉडल बनाकर की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन प्रस्तावों को 'बंगलूरू घोषणा' का नाम दिया और कहा, यह जनगणना प्रत्येक व्यक्ति और जाति के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक पहलुओं को शामिल करते हुए होनी चाहिए। दूसरा प्रस्ताव 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को समाप्त करने से जुड़ा है, ताकि ओबीसी वर्ग को शिक्षा, सेवा, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में समुचित आरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। तीसरे प्रस्ताव में निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी ओबीसी के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(4) के तहत आरक्षण की मांग की गई। सलाहकार परिषद ने सर्वसम्मति से न्याय योद्धा राहुल गांधी को समाज के वंचित वर्गों के लिए सामाजिक न्याय की आवाज उठाने के लिए धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी की अडिग प्रतिबद्धता ने मनुवादी मोदी सरकार को भारत में जातिगत जनगणना की न्यायपूर्ण और संवैधानिक मांग के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया। पूरे देश के पिछड़े वर्गों की ओर से परिषद राहुल गांधी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय देती है। केंद्र सरकार के जातिगत सर्वेक्षण के निर्णय को एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय की दिशा में केवल एक प्रारंभिक कदम है, जो भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप है।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। इस मानसून सत्र में सरकार आठ नए विधेयक पेश करेगी। इनमें मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा विधेयक भी शामिल है। सरकार मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने पर विचार कर रही है। इससे साफ है कि सरकार की इस उत्तर पूर्वी राज्य में फिलहाल राष्ट्रपति शासन हटाने की कोई योजना नहीं है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। राष्ट्रपति शासन के लिए सरकार को हर छह महीने में संसद की मंजूरी लेनी होती है। फिलहाल राज्य में राष्ट्रपति शासन की समयसीमा 13 अगस्त है। संसद के आगामी सत्र में सरकार मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025, जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय संस्थान प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2025, कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल एवं भू-अवशेष (संरक्षण एवं रखरखाव) विधेयक 2025, खान एवं खान (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को लोकसभा में पेश और पारित करा सकती है।

अकबर 'क्रूर लेकिन सहिष्णु' औरंगजेब 'कट्टर धार्मिक'

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अकबर का शासन क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण था, जबकि औरंगजेब एक सैन्य शासक था जिसने गैर-इस्लामी प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाया और गैर-मुसलमानों पर टैक्स लगाया।' मुगल काल की ये नई समीक्षा एनसीईआरटी की कक्षा 8 की किताब में शामिल की गई है। एनसीईआरटी कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की कताब में मुगल शासकों के धार्मिक फैसले, सांस्कृतिक योगदान और क्रूरता की नई व्याख्या की गई है। ये किताब 2025-26 एकेडमिक सेशन से ही स्कूलों में लागू होगी।

बाबर को बताया सैन्य रणनीतिकार

किताब में मुगल सल्तनत के पहले शासक बाबर को 'तुर्क-मंगोल शासक और सैन्य रणनीतिकार' लिखा गया है। इसके साथ बताया गया कि बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में बारूद और तोपखाने की मदद से इब्राहिम लोदी को हराया और दिल्ली सल्तनत का अंत कर दिया। बाबर का बेटा हुमायूं साम्राज्य को बचाए रखने के लिए संघर्ष करता रहा और एक समय के लिए उसने शेर शाह सूरी से हारकर साम्राज्य खो भी दिया था। किताब में बताया गया है कि कैसे शेर शाह सूरी के हिंदू सेनापति हेमू को अकबर की सेना ने पकड़ा और पानीपत की दूसरी लड़ाई के बाद सिर कलम कर दिया।

अकबर का शासन क्रूरता-सहिष्णुता का मिश्रण

अकबर के शासन को किताब में क्रूरता और सहिष्णुता का मिश्रण बताया गया है। लिखा गया है कि 1568 में चित्तौड़ के किले की घेराबंदी के दौरान अकबर ने लगभग 30,000 नागरिकों की हत्या और बचे हुए महिलाओं और बच्चों को गुलाम बनाने का आदेश दिया था।

इसकी जानकारी अकबर के इस विजय पत्र से मिली

इसके अलावा अकबर ने जजिया कर समाप्त किया, राजपूतों का स्वागत अपने दरबार में किया, और 'सुल्ह-ए-कुल' यानी सभी से शांति की नीति को बढ़ावा दिया। उसने फतेहपुर सीकरी में एक अनुवाद विभाग स्थापित किया और महाभारत (जिसे रज्मनामा कहा गया), रामायण, भगवद गीता और पंचतंत्र जैसी हिंदू कृतियों का फारसी में अनुवाद करवाया। >14

'महाराष्ट्र में नाम हटाकर जीती अब बिहार में भी वही कोशिश'

> रैली में सीएम ममता ने भाजपा पर साधा निशाना

कोलकाता, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से शुरू होकर धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक गई, जिसमें टीएमसी महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस रैली में शामिल हुए। लगभग तीन किलोमीटर लंबे इस मार्च के लिए पूरे इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। करीब 1,500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए और कई सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया।

भाजपा पर साधा निशाना

विरोध मार्च के दौरान सीएम ममता बनर्जी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। सीएम ने कहा कि मैंने अब से ज्यादा बांग्ला में बोलने का फैसला किया है, अब इसके लिए अगर हो सके तो मुझे हिरासत शिविरों में बंद कर दो।

महाराष्ट्र चुनाव में जीत पर भी कसा तंज

साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में चुनाव जीतने के लिए बीजेपी ने मतदाता सूची से नाम हटवाए और अब वही तरीका बिहार में अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के लगभग 22 लाख प्रवासी मजदूर देश के अलग-अलग हिस्सों में काम कर रहे हैं। उनके पास सभी वैध पहचान पत्र हैं। इसके बावजूद उन्हें शक की नजर से देखा जाता है।

भाजपा को दी चुनौती

सीमम ममता बनर्जी ने आगे कहा कि मैं चुनौती देती हूं कि कोई यह साबित करके दिखाए कि बंगाली भाषी प्रवासी रोहिंग्या मुसलमान हैं। यह सिर्फ बंगालियों को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों के खिलाफ हो रहे इस तरह के रवैये को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और टीएमसी इसके खिलाफ हर मंच पर आवाज उठाएगी।

'आपको डिक्शनरी की जरूरत है'

प्रोफेसर महमूदाबाद के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी की जांच पर क्यों उठाए सवाल?

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर पर विवादित सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर हरियाणा में मुकदमे का सामना कर रहे अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (16 जुलाई, 2025) को मामले में सुनवाई की और मामले की जांच कर रही एसआईटी टीम की इंवेस्टिगेशन को लेकर असंतोष जताया। कोर्ट ने एसआईटी से जांच को सिर्फ दो एफआईआर तक ही सीमित रखने को कहा और इसका दायरा न बढ़ाने का निर्देश दिया। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से 4 सप्ताह में जांच पूरी करने को कहा है। कोर्ट ने एसआईटी से कहा है कि अब उसे प्रोफेसर को पूछताछ के लिए फिर से बुलाने की जरूरत नहीं है। इस दौरान कोर्ट ने अहम टिप्पणी की और कहा, 'आपको प्रोफेसर की जरूरत नहीं है, आपको डिक्शनरी की जरूरत है।' अली खान महमूदाबाद की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि एसआईटी ने उनका लैपटॉप और दूसरे गैजेट जब्त किए हैं, जिस पर कोर्ट ने असंतोष जताया।

कोर्ट ने एसआईटी को जांच के संबंध में कुछ जरूरी दिशा-निर्देश दिए हैं-

याचिकाकर्ता प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद सोशल मीडिया पोस्ट करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन अपने ऊपर चल रहे केस या उसके विषय से जुड़ी बातें न लिखें। एसआईटी को अब पूछताछ के लिए प्रोफेसर को समन भेजकर बुलाने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता पहले ही जांच में शामिल हो चुके हैं और उनके गैजेट एसआईटी के पास हैं।

एसआईटी को चार हफ्ते के अंदर जांच पूरी करनी होगी और जांच ऑपरेशन सिंदूर को लेकर किए गए दो फेसबुक पोस्ट की भाषा और कंटेंट तक ही सीमित हो। कोर्ट ने जांच की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, 'एसआईटी जांच को किसी और दिशा में ले जाकर खुद को क्यों भटका रही है?'

कोर्ट ने एसआईटी को याद दिलाया कि उसका गठन इसकी जांच करने के लिए किया गया था कि अली खान महमूदाबाद ने सोशल मीडिया पोस्ट में जो बातें लिखीं हैं, क्या उनसे कोई अपराध बनता है।

कर्नल बाठ मारपीट मामलाः हाईकोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच

चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी जांच में लापरवाही पर नाराजगी

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नल पुष्पिंदर बाठ से मारपीट के मामले में चंडीगढ़ पुलिस की एसआईटी की जांच से असंतुष्ट पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने मामले को सीबीआई को सौंप दिया है।

सेना के कर्नल पुष्पिंदर सिंह बाठ ने याचिका में आरोप लगाया गया कि पटियाला पुलिस अधिकारियों की ओर से उन पर किए गए हमले की निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है और आरोपी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी में जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है। हाई कोर्ट ने इस मामले में दोषी अधिकारियों की गिरफ्तारी न होने पर भी पूरी तरह से असंतुष्टि जता दी। हाई कोर्ट ने कहा कि यह मामला एक बड़े अधिकारी से मारपीट का है जिसकी जांच में गंभीरता नहीं बरती जा रही है।

श्री हरिमंदिर साहिब को उड़ाने की धमकी लगातार तीसरे दिन आया ईमेल

अमृतसर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री हरिमंदिर साहिब को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल आया है। लगातार तीसरे दिन ऐसी धमकी आई है। यह ईमेल एसजीपीसी के प्रबंधकों को भेजा गया है। जिसके बाद श्री हरिमंदिर साहिब परिसर और उसके आसपास पुलिस की ओर से सुरक्षा को पहले से और ज्यादा बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही अर्धसैनिक बल भी तैनात कर दिए गए हैं। श्री हरिमंदिर साहिब को आने जाने वाले हर एक रास्ते पर सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है और लोगों पर नजर रखी जा रही है। इसके अलावा संदिग्ध लोगों के सामान आदि की भी जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एसजीपीसी को बुधवार को फिर से एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा हुआ था कि आसपास की पाइपों में आरडीएक्स भर दिया गया है और इसे के साथ धमाके किए जाएंगे। वहीं पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह ने कहा कि सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। साइबर सेल की ओर से ईमेल की जांच की जा रही है। जल्द ही इन शरारती तत्वों को दबोच लिया जाएगा।

अस्पताल में मरीज के साथ कर्मचारी ने किया रेप, आरोपी गिरफ्तार

धार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार के जिला भोज अस्पताल से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती एक 22 साल की महिला मरीज के साथ, अस्पताल में कार्यरत एक निजी (आउटसोर्स) कर्मचारी के रेप किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। घटना ने न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है, बल्कि अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी पर भी सवाल उठाए हैं। यह मामला शनिवार रात का बताया जा रहा है। पीड़िता, जिसका नाम गोपनीय रखा गया है, 12 जुलाई से जिला अस्पताल में संक्रमण के इलाज के लिए भर्ती थी। रात करीब 11 बजे जब महिला अस्पताल के गलियारे में टहल रही थी, तभी एक नर्स ने उसे ओपीडी की पर्ची बनवाने भेजा।

कमेंट करें, मैं बनूंगा आपकी आवाज', राघव चड्ढा की नई पहल, संसद में उठाएंगे आम जनता के मुद्दे

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इस बार संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में राज्यसभा सांसद और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले जनता से सीधा संवाद साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो संदेश जारी किया है, जिसमें उन्होंने देशवासियों से उन मुद्दों पर सुझाव मांगे हैं जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं।

यह एक अनोखी पहल है, जिसमें सांसद खुद आम जनता से उनके मुद्दे जानना चाहते हैं ताकि उन्हें संसद में उठाया जा सके। अपने वीडियो संदेश में राघव चड्ढा ने कहा, "एक सांसद होने के नाते मेरी जिम्मेदारी बनती है कि मैं आपके मुद्दों को संसद में उठाऊं। मैंने हमेशा कोशिश की है कि आपकी आवाज बनूं और वे मुद्दे सामने लाऊं जो आपको प्रतिदिन प्रभावित करते हैं। उन्होंने उदाहरण के तौर पर इनकम टैक्स की बढ़ती दरें, बैंकों के अत्यधिक चार्जेस, जीएसटी की जटिलताएं, एयरपोर्ट पर मिलने वाला महंगा खाना और रेल यात्रियों की परेशानियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें उन्होंने पहले भी संसद में उठाया है।

राघव चड्ढा ने अपने वीडियो में जनता से अनुरोध किया कि वे कमेंट के जरिए सुझाव दें कि इस बार संसद में किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि इस बार आपके द्वारा दिए गए अधिकतम मुद्दों को संसद में उठाऊं और आपकी आवाज बनूं। संसद का यह सत्र देश के लिए अहम है और इसमें आम जनता की बात रखना मेरा कर्तव्य है।

जम्मू-कश्मीर में उर्दू पर मचा हंगामा

महबूबा मुफ्ती बोलीं 'सांप्रदायिकता से कोई लेना-देना नहीं'

जम्मू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर में उर्दू भाषा पर सियासी हंगामा खड़ा हो गया है। नायब तहसीलदार के पद के लिए न्यूनतम योग्यता के रूप में उर्दू के ज्ञान के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अनिवार्य की गई थी। हालांकि बाद में इसपर रोक लगा दी गई। अब इसको लेकर पीडीपी की प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने बीजेपी को निशाने पर लिया है। उन्होंने एक्स पर बुधवार (16 जुलाई) को कहा, "यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारी न्यायपालिका पर अब विभाजनकारी राजनीति का असर होता दिख रहा है। उर्दू दशकों से एक मान्यता प्राप्त सरकारी भाषा रही है, उसे अब गलत तरीके से सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है।"

महबूबा मुफ्ती ने कहा, "हमारे राजस्व रिकॉर्ड और प्रशासनिक काम आज भी उर्दू में होते हैं। ऐसे में नायब तहसीलदार के पद के लिए उर्दू भाषा का सामान्य ज्ञान होना बिल्कुल स्वाभाविक और जरूरी है। यह शर्त केवल प्रशासनिक सुविधा के लिए रखी गई है, इसका किसी भी तरह से सांप्रदायिकता से कोई लेना-देना नहीं है।"

जम्मू कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (जेकेएसएसबी) ने केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) की तरफ से एक दिन पहले जारी आदेश का हवाला देते हुए राजस्व विभाग में नायब तहसीलदार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी। कैट की दो सदस्यीय पीठ ने जम्मू कश्मीर राजस्व (अधीनस्थ) सेवा भर्ती नियम 2009 के प्रावधानों पर रोक लगा दी है। कैट ने जेकेएसएसबी को नायब तहसीलदार के पद के लिए उन उम्मीदवारों से आवेदन स्वीकार करने का निर्देश दिया, जिनके पास जम्मू कश्मीर आधिकारिक भाषा अधिनियम, 2020 में पांच आधिकारिक भाषाओं में से किसी एक के ज्ञान के साथ स्नातक की डिग्री है। इन आधिकारिक भाषाओं में हिंदी, कश्मीरी, अंग्रेजी, डोगरी और उर्दू शामिल हैं। इस फैसले के बाद जेकेएसएसबी ने भर्ती प्रक्रिया स्थगित कर दी। जेकेएसएसबी ने एक नोटिस में कहा, "इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण जम्मू द्वारा पारित अंतरिम निर्देश के मद्देनजर।।। नायब तहसीलदार के पद के लिए आवेदन आमंत्रित करने की प्रक्रिया (नौ जून को जारी) को अगली सूचना/आदेश तक स्थगित कर दिया गया है।"

मुंबई से दिल्ली जा रही थी फ्लाइट अमृतसर एयरपोर्ट पर करवाई गई आपात लैंडिंग

चंडीगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। एयर इंडिया की मुंबई से दिल्ली जा रही फ्लाइट की अमृतसर में आपात लैंडिंग करवाई गई है। कम ईंधन के कारण फ्लाइट को अमृतसर डायवर्ट किया गया है। जानकारी के अनुसार, ए320 विमान ने मुंबई से सुबह 11 बजे उड़ान भरी थी, जबकि मूल समय सुबह 10:30 बजे था। मुंबई-दिल्ली के बीच पायलट ने पहली बार दोपहर 12:30 बजे सूचना दी कि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ज्यादा एयर ट्रैफिक के कारण उड़ान 35 मिनट लेट होगी। इसके बाद पायलट ने दोपहर 1:20 बजे फिर घोषणा की कि उड़ान में फिर से 35 मिनट की देरी होने की संभावना है लेकिन विमान में केवल 20 मिनट का ईंधन बचा है, इसलिए इसे अमृतसर हवाई अड्डे के लिए डायवर्ट कर दिया गया है। अब विमान अमृतसर हवाई अड्डे के पार्किंग क्षेत्र में है। एयर इंडिया की इस फ्लाइट को 12:30 बजे लैंड करना था। एक घंटे की देरी होने के बाद अमृतसर में लैंडिंग हुई।

माथे पर तिलक लगाया तो प्रिंसिपल ने लगाई फटकार टीसी की दी धमकी

कटनी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले के मुरवारी गांव स्थित एक सरकारी स्कूल में एक विवाद खड़ा हो गया है। यहां एक छात्रा को माथे पर चंदन का तिलक लगाकर स्कूल आने पर प्रिंसिपल ने डांट लगाई और तिलक मिटाने का दबाव बनाया। यह घटना अब स्थानीय लोगों के बीच नाराजगी का कारण बन गई है। छात्रा ने बताया कि वह रोज की तरह माथे पर चंदन तिलक लगाकर स्कूल पहुंची थी। जब स्कूल के प्रिंसिपल तरन भलावे ने उसे देखा तो नाराज हो गए। छात्रा के अनुसार, प्रिंसिपल ने कहा, यह धार्मिक स्थल नहीं है, यहां भगवान की बातें मत करो। इसके साथ ही उन्होंने छात्रा से तिलक मिटाने को कहा। छात्रा का आरोप है कि प्रिंसिपल ने उसे धमकी दी कि माता-पिता को लेकर आओ और टीसी ले जाओ।

दिल्ली के 4 नामी स्कूलों में बम की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक बार फिर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाली ईमेल्स ने हड़कंप मचा दिया है। बुधवार सुबह द्वारका, वसंत कुंज, पश्चिम विहार और हौज खास इलाके के 4 प्रतिष्ठित स्कूलों को मेल के जरिए बम होने की सूचना दी गई, जिसके बाद दिल्ली पुलिस और इमरजेंसी टीमें हरकत में आ गईं। सबसे पहले सुबह 5:22 बजे द्वारका के सेंट थॉमस स्कूल को धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद वसंत कुंज के वसंत वैली स्कूल, पश्चिम विहार के रिचमंड ग्लोबल स्कूल और हौज खास के मदर इंटरनेशनल स्कूल को भी इसी तरह के मेल मिले। सभी मेल में बम विस्फोट की चेतावनी दी गई थी। मेल मिलते ही स्कूल प्रशासन ने तुरंत स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, डॉग स्क्वॉड, बम डिस्पोजल यूनिट और अन्य इमरजेंसी टीमें इन सभी स्कूल परिसरों में पहुंच गईं। सुबह 5:30 बजे से लेकर 8:30 बजे तक दमकल विभाग को अलग-अलग समय पर चारों स्कूलों से कॉल्स प्राप्त हुईं। सुरक्षा एजेंसियों ने इन स्कूल परिसरों को खाली करवाकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक जांच में किसी भी प्रकार का कोई संदिग्ध पदार्थ या बम नहीं मिला है। हालांकि, एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और फोरेंसिक टीम को भी जांच में लगाया गया है। पुलिस इन मेल्स के स्रोत का पता लगाने की कोशिश कर रही है और साइबर सेल को भी सक्रिय किया गया है। गौरतलब है कि यह कोई पहली घटना नहीं है जब दिल्ली के स्कूलों को बम की झूठी धमकी दी गई हो। पिछले कुछ महीनों में कई बार इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें बाद में कोई भी खतरा नहीं पाया गया। इन घटनाओं से छात्रों और अभिभावकों के बीच डर का माहौल बन रहा है। फिलहाल पुलिस ने सभी से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है

विवाद सुलझाने की जगह जब पुलिस थाने में ही भिड़ गए दो गुट, हो गई जबरदस्त मारपीट

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आम तौर पर लोग पुलिस स्टेशन के भीतर शिकायत दर्ज कराने या फिर मामले को सुलझाने के लिए आते हैं। हालांकि, अब एक ऐसा मामला आया है जिसमें कई लोग पुलिस स्टेशन के भीतर मारपीट कर रहे हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से सटे विरार के तुलिंज पुलिस स्टेशन में दो गुटों के बीच जबरदस्त मारपीट हुई है। मारपीट की इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है। आइए जानते हैं इस पूरी घटना के बारे में। दरअसल, नालासोपारा पूर्व स्थित तुलिंज पुलिस स्टेशन में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना मंगलवार को घटी, जिसने पुलिस व्यवस्था की गंभीरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट का अहम आदेश

एससी में अपील लंबित होने पर कैदियों के पैरोल-फरलो पर विचार संभव

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक आदेश दिया है जिसमें कहा गया है कि यदि किसी दोषी की सजा के खिलाफ अपील या स्पेशल लीव पिटीशन सुप्रीम कोर्ट में लंबित है तब भी उसे पैरोल या फरलो पर विचार से रोका नहीं जा सकता। कोर्ट में जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की बेंच ने यह स साफ किया कि सजा को निलंबित करने और जमानत देने की शक्ति फरलो देने की शक्ति से अलग है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा इस प्रकार जब अपीलें हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में लंबित हो तब भी जेल प्रशासन संबंधित नियमों के अनुसार पैरोल और फरलो देने पर विचार कर सकता है। अदालत ने कहा कि पैरोल देना या न देना, हर मामले की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। कोर्ट ने कहा ऐसी स्थिति हो सकती है जहां सुप्रीम कोर्ट ने सजा निलंबन या जमानत देने से स्पष्ट रूप से इनकार किया हो। ऐसी स्थिति में जेल प्रशासन को और गहनता से यह देखना होगा कि पैरोल या फरलो देना उचित होगा या नहीं। दिल्ली कोर्ट का यह आदेश दिल्ली कारावास नियम, 2018 के तहत फरलो की मांग को लेकर दाखिल कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। यह मामला पहले सिंगल जज की बेंच के समक्ष था जिन्होंने इसे संवैधानिक सवाल मानते हुए बड़ी बड़ी बेंच को भेज दिया था।

आदालत की सिंगल जज की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए यह सवाल उठाया था कि क्या सुप्रीम कोर्ट में अपील लंबित होने की स्थिति में फरलो की अनुमति न देना कैदियों के मौलिक अधिकारों से संबंधित आर्टिकल 14 और 21 का उल्लंघन है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दिल्ली कारावास नियमों के 1224 के नोट 2 को इस प्रकार नहीं पढ़ा जा सकता कि वह सुप्रीम कोर्ट में अपील लंबित होने की स्थिति में फरलो के लिए आवेदन करने से प्रतिबंधित करे। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी माना कि पैरोल संबंधी सिद्धांतों को फरलो पर भी लागू किया जा सकता है।

लगातार तीसरे दिन मंत्रियों से मिल रहे सुरजेवाला

बीजेपी ने पूछा- कर्नाटक में 'रणदीप राज' चल रहा क्या

बंगलूरू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार में शीर्ष नेतृत्व में बदलाव और राज्य कांग्रेस में आंतरिक क्लेश की अटकलों के चलते सियासी गर्माहट अपने चरम पर है। इसी सिलसिले में कांग्रेस महासचिव और कर्नाटक कांग्रेस प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला लगातार तीसरे दिन राज्य के मंत्रियों से एक-एक करके मुलाकात कर रहे हैं।

ऐसे में अब राज्य में विपक्षी भाजपा और जेडीएस ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर। अशोक ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या कर्नाटक में 'रणदीप राज' लागू हो गया है? अशोक ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि क्या गुरुवार को कैबिनेट मीटिंग की अध्यक्षता भी अब सुरजेवाला करेंगे? उन्होंने कहा कि कांग्रेस हाईकमान को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर अब भरोसा नहीं रहा, इसलिए उन्होंने राज्य पर 'रणदीप राज' थोप दिया है। आर। अशोक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का प्रशासन पर कोई नियंत्रण नहीं है और डिप्टी सीएम डी। के। शिवकुमार को विधायकों का समर्थन नहीं मिल रहा। उन्होंने कहा कि ऐसे में कांग्रेस में अब कोई ऐसा नेता नहीं बचा जो मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी ठीक से संभाल सके।

भाजपा के बाद जेडीएस युवा इकाई के अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने भी सुरजेवाला पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक के 'सुपर सीएम' बनने की बधाई! उन्होंने दावा किया कि अब चुने हुए विधायक भी विकास के लिए सुरजेवाला के सामने झुकने को मजबूर हैं। निखिल ने कहा कि सिद्धारमैया अब जाने वाले सीएम हैं, डीके शिवकुमार आने वाले सीएम हैं, लेकिन सुरजेवाला पहले से ही राज कर रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों से कर्नाटक सरकार में आंतरिक क्लेश की खबरें आती रही हैं। दावा किया जा रहा है कि सुरजेवाला की ये मुलाकातें मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा, शिकायतों को सुनने और पार्टी विधायकों की नाराजगी को समझने के मकसद से हो रही हैं। इससे पहले उन्होंने विधायकों के साथ भी दो दौर की बैठकें की थीं।

ऐसे में विपक्ष का कहना है कि कांग्रेस ने कर्नाटक को कठपुतली राज्य बना दिया है और यह पूरे लोकतंत्र व संघीय व्यवस्था का मजाक है। हालांकि मामले में अब देखना होगा कि कांग्रेस इस आलोचना पर क्या प्रतिक्रिया देती है और पार्टी के अंदर चल रही हलचलों से सरकार पर क्या असर पड़ता है।

तीन करोड़ रुपये के हीरे और गहने चुराने वाले 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली। दो सप्ताह पहले मॉडल टाउन स्थित एक घर से तीन करोड़ रुपये के हीरे व सोने के आभूषण और 55 लाख रुपये घरेलू सहायक ने पार कर दिए। इस मामले में उत्तरी-पश्चिमी जिला एटीएस व माडल टाउन पुलिस ने तीन आरोपितों को बिहार के बांका जिला से गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से टीम ने 2.25 करोड़ रुपये के हीरे व सोने के आभूषण समेत 15.20 लाख नकद बरामद किए हैं। इस मामले में मुख्य आरोपित घरेलू सहायक समेत दो अन्य आरोपित अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं।

पुलिस इन्हें पकड़ने के लिए इनके संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस अधिकारी का दावा है कि जल्द ही पुलिस इन्हें भी गिरफ्तार कर लेगी। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 27 जून को पीड़िता अनीता झुनझुनवाला ने बताया कि वह अपने पति बाल मुकुंद झुनझुनवाला के साथ माडल टाउन-2 में रहती हैं।

सौम्याश्री सुसाइड केसः ओडिशा में बीजेडी कार्यकर्ताओं का हल्लाबोल, वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले दागे

भुवनेश्वर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जिंदगी एवं मौत से कड़े संघर्ष के बाद दुनिया को अलविदा कह देने वाली बालेश्वर एफएम कॉलेज की मृतक छात्रा को न्याय देने की मांग को लेकर बुधवार को बीजू जनता दल की तरफ से राजधानी भुवनेश्वर में विरोध प्रदर्शन करने के साथ ही लोक सेवा भवन (ओडिशा विधानसभा) का घेराव किया गया। वहीं, बालेश्वर में 8 घंटे का बंद पालन किया गया। बैरिकेड तोड़कर लोकसेवा भवन की तरफ बढ़ने का प्रयास कर रहे बीजद नेता एवं कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने बल प्रयोग किया है। बीजद कार्यकर्ताओं पर पहले पानी की बौछार किया गया इसके बाद आंसू गैस के गोले दागे। इस दौरान कई बीजद नेता कार्यकर्ताओं के घायल होने की भी सूचना मिली है।

राजधानी भुवनेश्वर में बीजद के प्रदर्शन को देखते हुए लोकसेवा भवन के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। बीजद ने कहा है कि पार्टी तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी जब तक कि पीड़ित परिवार को दो करोड़ रुपये की सहायता राशि की घोषणा नहीं की जाती एवं घटना की न्यायिक जांच की घोषणा नहीं की जाती। वहीं, बीजद के प्रदर्शन को देखते हुए लोकसेवा भवन के सामने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। ड्रोन से प्रदर्शनकारियों पर नजर रखी जा रही है।

बीजद का प्रदर्शन धीरे-धीरे उग्र होता जा रहा है। वहीं, बीजद के प्रदर्शन को देखते हुए लोकसेवा भवन के सामने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। ड्रोन से प्रदर्शनकारियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस आयुक्त एस। देवदत्त सिंह खुद लोकसेवा भवन की सुरक्षा की निगरानी कर रहे थे। वहीं लोकसेवा भवन में प्रवेश करने के दौरान पुलिस एवं बीजद नेता व कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की की स्थिति बन गई। पुलिस ने प्रदर्शन कारियों को हिरासत में लेने के बाद स्थिति सामान्य हुई।

बीजद ने कहा है कि सौम्यश्री ने आत्महत्या नहीं की है, उसकी हत्या की गई है। मानसिक उत्पीड़न से प्रताड़ित होकर उसने सभी को पत्र लिखा, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई। सरकार यदि मांग पर ध्यान नहीं देती हम पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के इस्तीफा की मांग कर रहे हैं। विभिन्न प्लाकार्ड लेकर भाजपा सरकार हाय-हाय के नारे लगाते रहे। बीजद ने कहा कि हमें पहले दिन सड़क पर उतरना चाहिए था।

सौम्यश्री की एक बार नहीं तीन-तीन बार हत्या की गई है। बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने फकीर मोहन स्वायत्त कॉलेज की सौम्यश्री बीसी की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्थागत विश्वासघात से कम नहीं है और एक पूर्वनियोजित अन्याय है। कई स्थानों पर युवाओं और बीजद की छात्र इकाई की ओर से प्रदर्शन किया जा रहा है। बीजद छात्र संगठन सड़क पर टायर जलाकर और तख्तियां दिखाकर विरोध कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि राज्य में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इसे भारत के इतिहास में एक काला दिन है।

सुविचार

सोच का ही फ़र्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमज़ोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं...

आंध्र प्रदेश और केंद्र के साथ जल वार्ता में मुख्यमंत्री रेवंत और उत्तम की बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ने कृष्णा नदी पर टेलीमेट्री उपकरण लगाने के लिए केंद्र को राजी करके और श्रीशैलम बांध के जीर्णोद्धार और मरम्मत के लिए आंध्र प्रदेश को सहमत करके एक बड़ी जीत हासिल की है। ये निर्णय बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा बुलाई गई तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ए. रेवंत रेड्डी और एन. चंद्रबाबू नायडू की बैठक के दौरान लिए गए। बाद में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बैठक के दौरान लिए गए चार प्रमुख निर्णयों के बारे में मीडिया को जानकारी दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिषेक मनु सिंघवी, डॉ. मल्लू रवि सहित कांग्रेस सांसद भी मौजूद थे। सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कृष्णा नदी और उसकी नहरों के प्रत्येक जलग्रहण बिंदु पर टेलीमेट्री उपकरण लगाने का एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, "कृष्णा नदी के पानी का उपयोग लंबे समय से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच विवाद का विषय रहा है। कौन ज़्यादा पानी इस्तेमाल कर रहा है, कौन कम, कौन सी नहर, कौन सा जलाशय, कौन सा आयाकट वगैरह। आज एक निर्णय लिया गया है – और यह तेलंगाना के मुख्यमंत्री और मेरे आग्रह पर है – कि कृष्णा नदी या नहरों के हर जलग्रहण बिंदु पर टेलीमेट्री उपकरण लगाए जाने चाहिए।" उन्होंने बताया कि हालाँकि कुछ उपकरण पहले ही लगाए जा चुके हैं, अब निर्णय लिया गया है कि सभी संबंधित बिंदुओं पर प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने आगे कहा, "हमने कहा था कि हम कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड को कृष्णा नदी के विभिन्न बिंदुओं पर टेलीमेट्री मापक उपकरण लगाने के लिए तुरंत धनराशि देंगे। यह आज लिया गया एक महत्वपूर्ण निर्णय था।" श्रीशैलम बाँध की सुरक्षा के बारे में, मंत्री ने कहा कि बाँध की संरचना, विशेष रूप से प्लंज पूल और अन्य हिस्सों में, चिंता के संकेत दे रही थी और इस पर ठीक से ध्यान नहीं दिया गया था। उन्होंने बताया कि रखरखाव कार्य करना आंध्र प्रदेश सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय बाँध सुरक्षा प्राधिकरण ने भी बाँध की स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की है। इसलिए आज यह निर्णय लिया गया है – भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार को निर्देश दिए हैं – कि श्रीशैलम बाँध रखरखाव के लिए उनके अधीन रहेगा और तत्काल, अत्यंत आवश्यक आधार पर, जो भी कार्य करने की आवश्यकता होगी, चाहे वह प्लंज पूल हो या बाँध के अन्य हिस्से जिनमें तत्काल कार्य की आवश्यकता है, तुरंत किया जाएगा।" नदी प्रबंधन बोर्डों के मुद्दे पर, उत्तम कुमार रेड्डी ने 2020 की सर्वोच्च परिषद की बैठक के एक पूर्व समझौते और आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लेख किया, जिसमें दोनों राज्यों के बीच दो नदी बोर्डों के विभाजन का प्रस्ताव था। उन्होंने कहा, "अंतिम निर्णय लिया गया कि नदी प्रबंधन बोर्डों में से एक – दो नदी प्रबंधन बोर्ड, कृष्णा और गोदावरी – तेलंगाना में और एक आंध्र में स्थित होगा। यह पहले के निर्णय का केवल एक अनुसमर्थन है। इसलिए गोदावरी प्रबंधन बोर्ड तेलंगाना में होगा और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड आंध्र में होगा।" उन्होंने यह भी कहा कि कृष्णा और गोदावरी नदियों से जुड़े अन्य सभी लंबित मुद्दों पर जल्द ही एक समिति गठित की जाएगी। उन्होंने बताया, "यह निर्णय लिया गया है कि अगले 3-4 दिनों या एक सप्ताह में दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों, इंजीनियरों और विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी, और वे अगले एक महीने या लगभग 30 दिनों में कृष्णा और गोदावरी नदियों से जुड़े दोनों राज्यों से संबंधित सभी मुद्दों पर आगे का रास्ता तय करेंगे।"

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस परिणाम को तेलंगाना के लिए एक बड़ी जीत बताया, खासकर कृष्णा नदी पर टेलीमेट्री उपकरणों की स्थापना के लिए समझौता हासिल करने में। उन्होंने कहा, "इसी तरह, श्रीशैलम बांध का पुनर्वास, जो तेलंगाना के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण है, केंद्र और आंध्र प्रदेश द्वारा किया जाएगा।" यह पूछे जाने पर कि क्या बैठक के दौरान बनकाचेरला मुद्दे पर चर्चा हुई, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस पर चर्चा नहीं हुई। हालाँकि, उन्होंने दृढ़ता से कहा कि तेलंगाना अपने अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, "अगर भविष्य में ऐसा कोई मुद्दा उठता है, तो तेलंगाना अपने अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।" रेवंत रेड्डी ने यह भी बताया कि प्रस्तावित समिति जल आवंटन जैसे मुद्दों की पहचान करेगी और उन पर विचार-विमर्श करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह बैठक कोई औपचारिक शीर्ष परिषद की बैठक नहीं थी, बल्कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा दोनों राज्यों के बीच लंबित कुछ मुद्दों पर सहमति बनाने के लिए आयोजित एक अनौपचारिक सत्र था।

50,000 रुपये की रिश्वत लेते पंचायत राज इंजीनियरिंग-इन-चीफ गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने पंचायत राज विभाग के इंजीनियरिंग-इन-चीफ को उस समय रंगे हाथों पकड़ लिया जब उन्होंने आधिकारिक काम के लिए 50,000 रुपये की रिश्वत मांगी और स्वीकार की। एसीबी अधिकारी ने बताया कि वीरवल्ली कनकरत्नम ने एक कर्मचारी से 'स्थानांतरण और पोस्टिंग देने के लिए' यह राशि मांगी थी। रिश्वत की रकम उसके पास से बरामद कर ली गई। अधिकारी के बाएं हाथ की उंगलियों की रासायनिक जांच में रिपोर्ट पॉजिटिव आई। अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे अदालत में पेश किया जा रहा है।

आर्थिक तंगी के चलते 26 वर्षीय व्यक्ति ने कर ली आत्महत्या

मंचेरियल, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कन्नेपल्ली मंडल के कोनमपेट गांव में बुधवार को एक 26 वर्षीय चालक ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली, क्योंकि वह जीप खरीदने के लिए लिए गए ऋण को चुकाने में असमर्थ होने के कारण अवसाद में था। पुलिस ने बताया कि दुर्गम राजेंद्र प्रसाद ने 10 जुलाई को कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था।

उन्हें तुरंत वारंगल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हैदराबाद को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में हर नागरिक का सहयोग जरूरी : मेयर

वन महोत्सव के तहत पौधे लगाए गए

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने ग्रेटर हैदराबाद को एक स्वच्छ और हरित शहर बनाने में सभी से अपना योगदान देने का आह्वान करते हुए कहा कि नगर निगम इसे एक स्वच्छ और हरित शहर बनाने के लिए योजनाबद्ध प्रयास कर रहा है।

बुधवार को, महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी और आयुक्त आर.वी. कर्णन ने ग्रेटर हैदराबाद के कुक्टपल्ली ज़ोन स्थित शिरडी हिल्स कॉलोनी में वन महोत्सव के तहत पौधे लगाए। पौधों की पानी की ज़रूरतों के लिए एक बोरहोल मोटर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि इस वर्ष ग्रेटर हैदराबाद में वन महोत्सव के तहत, सरकार ने जनभागीदारी से 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मौसम में पौधे लगाए जाएँगे। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शहर के हर घर में पौधे वितरित किए जाएँगे। उन्होंने कहा कि शहर के नागरिकों को पौधारोपण में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को अपनी माँ के नाम पर एक पौधा लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न केवल पौधे लगाने पर बल्कि उनकी देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने से बच्चों को स्वस्थ वातावरण मिलेगा।कमिश्नर आरवी कर्णन ने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वार्ड में वन महोत्सव के लक्ष्य निर्धारित करके सरकारी लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ पेड़ लगाने से ज़्यादा उनकी सुरक्षा को महत्व दिया जाएगा। कार्यक्रम में शामिल छात्रों ने "गो ग्रीन" के नारे लगाए और मेयर व कमिश्नर भी उनके साथ शामिल हुए। उन्होंने तस्वीरें खिंचवाईं और उन्हें बधाई दी। इस कार्यक्रम में कुक्टपल्ली जोनल कमिश्नर अपूर्व चौहान, यूबीडी अतिरिक्त आयुक्त सुभद्रा देवी, नगरसेवक रावुला शेषगिरी राव और अन्य ने भाग लिया।

पेद्दापल्ली में महिला शक्ति समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को पेद्दापल्ली ज़िला मुख्यालय में इंदिरा महिला शक्ति समारोह बड़े पैमाने पर आयोजित किया गया। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, श्रीधर बाबू, सीतक्का, विधायकों और अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह के दौरान, मंत्रियों ने महिला संघों द्वारा संचालित नई आरटीसी किराये की बसों का अनावरण किया और पहले महीने का किराया, कुल 3.47 लाख रुपये, प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने दुर्घटना और ऋण बीमा के लिए 1 करोड़ रुपये के चेक वितरित किए। पंचायत राज मंत्री सीतक्का ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तेलंगाना में एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने के विजन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कांग्रेस सरकार बनने के 48 घंटों के भीतर, महिलाओं के यात्रा खर्च को कम करने के लिए मुफ्त बस यात्रा का वादा पूरा किया गया। राज्य सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसे उन्हें बसें खरीदने की अनुमति देना और सरकारी स्कूलों में छात्रों के लिए यूनिफॉर्म सिलने का अवसर प्रदान करना। इसके परिणामस्वरूप, महिला समूहों ने 30 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में, महिलाएँ आईकेपी केंद्र चलाकर अच्छी-खासी कमाई कर रही हैं।

मंत्री ने फ्लाईओवर कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट ने बुधवार को सरकारी सचेतक बीरला ऐलैया ने उप्पल विधायक बंडारी लक्ष्मा रेड्डी के साथ फ्लाईओवर कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि उप्पल रिंग रोड से नारपल्ली तक 8 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य तेज़ी से चल रहा है। यादगिरिगुट्टा भुवनगिरी वारंगल राजमार्ग पर लगभग 8 साल पहले शुरू हुआ फ्लाईओवर का काम वित्तीय बाधाओं और अन्य कारणों से काफी विलंबित हो गया था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने फ्लाईओवर पर विशेष ध्यान दिया और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ चर्चा भी की और कार्यों की गति बढ़ाई। उन्होंने केंद्र सरकार को आश्वस्त कर लिया है और अब तक काम कर रहे ठेकेदार को बदलकर नए लोगों को काम सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि वे काम की गति पर विशेष ध्यान देंगे और इसे समय पर पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि उप्पल फ्लाईओवर पीवी एक्सप्रेस हाईवे के बाद शहर का सबसे बड़ा फ्लाईओवर है। उन्होंने कहा कि अगले दशहरे तक फ्लाईओवर का काम पूरा करके जनता के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मंत्री ने दिया मानवता का परिचय, सड़क दुर्घटना में घायल युवक को अस्पताल पहुंचवाया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी एवं उद्योग मंत्री, श्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने अनुकरणीय करुणा और मानवता का परिचय दिया। एक मार्मिक दयालुतापूर्ण कार्य करते हुए, एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक युवक को तत्काल सहायता प्रदान की। पीड़ित को घबराने की ज़रूरत नहीं है, इसका आश्वासन देते हुए, उन्होंने स्वयं हस्तक्षेप किया और सुनिश्चित किया कि घायल को समय पर चिकित्सा सुविधा के लिए तुरंत अस्पताल पहुँचाया जाए। यह घटना मंगलवार रात केबल ब्रिज के पास हुई, जब मंत्री आधिकारिक कार्यक्रम समाप्त करके लौट रहे थे। सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल पड़े युवक को देखकर, उन्होंने अपना वाहन रुकवाया, नीचे उतरे और पीड़ित को सांत्वना दी। उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया और स्थिति को संभाला। मंत्री ने पीड़ित को एक ऑटो-रिक्शा में निम्स अस्पताल पहुँचाने की व्यवस्था की, यहाँ तक कि उसके साथ एक कांस्टेबल भी तैनात किया। उन्होंने अपने निजी सहायक का फ़ोन नंबर भी दिया और पीड़ित से आगे की ज़रूरत पड़ने पर संपर्क करने का अनुरोध किया। पीड़िता के अस्पताल पहुँचने पर, श्रीधर बाबू ने व्यक्तिगत रूप से निम्स के डॉक्टरों से फ़ोन पर संपर्क किया और सुनिश्चित किया कि उन्हें सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान किया जाए। बाद में, उन्होंने पीड़िता की स्थिति की जाँच के लिए उनसे संपर्क किया। पीड़ित परिवार ने मंत्री के समय पर हस्तक्षेप और मानवीय व्यवहार के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बंजारा हिल्स में अग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आग से संबंधित घटनाओं से निपटने के लिए आपातकालीन तैयारी प्रोटोकॉल के तहत, तेलंगाना एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (टीजीआईसीसीसी), बंजारा हिल्स, हैदराबाद में बुधवार को एक अग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस इमारत में अत्याधुनिक अग्निशमन प्रणाली के साथ उन्नत भवन प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) है, जिसमें स्वचालित लिफ्ट सर्किट ब्रेकिंग सिस्टम आदि मौजूद हैं। यह अभ्यास इमारत के सभी टावरों की सभी मंजिलों पर फायर अलार्म सिस्टम को सक्रिय करने और पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीएएस) पर घोषणाओं के साथ शुरू हुआ। टावर-ए की 1%वीं मंजिल पर अपराह्न लगभग 3:00 बजे एक नकली आग की घटना की सूचना मिली। तदनुसार, मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार, सभी लिफ्टों को निष्क्रिय कर दिया गया और टीजीआईसीसीसी टावर्स (830) के सभी निवासियों को प्रत्येक मंजिल पर नामित फायर मार्शल और सहायक फायर मार्शल द्वारा सीढ़ियों का उपयोग करके तुरंत बाहर निकाला गया और ग्राउंड फ्लोर (राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ के पास टीजीआईसीसीसी लॉन) में नामित सभा स्थल पर इकट्ठा किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान, अग्निशमन सेवा, पुलिस (एल एंड ओ, यातायात), राजस्व, हाइड्रा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, टीजीएसपीडीसीएल, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, आदि जैसे आपातकालीन विभागों ने अल्प सूचना के भीतर तुरंत प्रतिक्रिया दी और मौके पर पहुंच गए। अभ्यास ने आपात स्थिति के दौरान जोखिमों को कम करने में अंतर-एजेंसी समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला। सफल निकासी के बाद, सभा स्थल पर एक डी-ब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया। श्री वी.बी. कमलासन रेड्डी, आईपीएस (सेवानिवृत्त), निदेशक, टीजीआईसीसीसी ने भवन के सभी भाग लेने वाले आपातकालीन विभागों और कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों की सराहना की। निदेशक ने प्रत्येक मंजिल के फायर मार्शल और सहायक फायर मार्शल को भी जानकारी दी और उन्हें आपात स्थिति के दौरान सभी अग्नि सुरक्षा उपकरणों का उचित उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने भवनों में उपलब्ध अग्नि सुरक्षा प्रणालियों पर प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों को इन प्रणालियों, जैसे कि शरणार्थी क्षेत्र का महत्व, आदि के बारे में जागरूक रहने की सलाह दी। मॉक ड्रिल की एक समेकित प्रदर्शन रिपोर्ट, फोटोग्राफिक और वीडियो दस्तावेज़ीकरण के साथ, टीजीआईसीसीसी द्वारा संकलित की गई है। प्राप्त जानकारी का उपयोग मानक संचालन प्रक्रियाओं को परिष्कृत करने, प्रशिक्षण को बढ़ाने और राज्य भर में मजबूत आपदा प्रतिक्रिया तंत्र सुनिश्चित करने के लिए किया जाएगा। यह ड्रिल 09.06.2025 को आयोजित पिछली मॉक ड्रिल और 20.06.2025 को फायर मार्शल और सहायक फायर मार्शल के लिए व्यापक प्रशिक्षण के बाद आयोजित की गई थी।

मुगलपुरा अपार्टमेंट में लगी आग में फंसे 5 लोगों को दमकलकर्मियों ने बचाया

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुगलपुरा स्थित एक इमारत में मंगलवार रात आग लगने से फंसे 5 लोगों को अग्निशमन कर्मियों ने बचा लिया। आग लगने के समय पांच लोग इमारत में मौजूद थे जिनमें शारीरिक रूप से विकलांग सैयद अब्दुल करीम, लकवाग्रस्त मरीज मोहम्मद रिजवानुद्दीन, अतिया बेगम, फरहीन बेगम और सैयद इमाम जाफर।

मुगलपुरा स्थित गौहर फंक्शन हॉल के पास एक अपार्टमेंट बिल्डिंग के एक फ्लैट में आधी रात के आसपास आग लग गई। सूचना मिलने पर मुगलपुरा फायर स्टेशन से दमकलकर्मी मौके पर पहुँचे। फ्लैट में एक परिवार के फंसे होने की सूचना मिलने पर बचावकर्मी तुरंत बिल्डिंग के अंदर गए और पाँच लोगों को बाहर निकाला। बाद में आग बुझा दी गई। आग लगने के वास्तविक कारण का पता लगाया जा रहा है।

नशेड़ी वाहन चालकों की आकस्मिक जाँच जारी रहेगी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के पुलिस महानिदेशक एवं आयुक्त, सी.वी. आनंद के निर्देश पर, हैदराबाद यातायात पुलिस ने विभिन्न प्रमुख स्थानों पर दिन के समय अचानक जाँच शुरू करके नशे में गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज़ कर दी है। इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा जागरूकता को मज़बूत करना और दिन के समय, विशेष रूप से दोपहिया, चार पहिया और परिवहन वाहनों के चालकों द्वारा, शराब पीने की बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना है। आम धारणा के विपरीत कि नशे में गाड़ी चलाना मुख्यतः रात में होता है, हाल के आँकड़ों और घटनाओं से पता चला है कि बड़ी संख्या में दुर्घटनाएँ दिन में नशे में गाड़ी चलाने से जुड़ी हैं। ये जाँचें शहर भर में दुर्घटना-प्रवण और हॉटस्पॉट स्थानों पर की जा रही हैं। ये जाँचें यातायात की भीड़भाड़ पैदा किए बिना, यातायात के सुचारू और निर्बाध प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक रूप से व्यवस्थित की गई थीं। ट्रैफिक पुलिस के अधिकारियों का कहना है कि नशे की हालत में वाहन चलाते पाए जाने वाले अपराधियों पर मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और उन्हें न्यायालयों में पेश किया जाएगा, जिसके तहत भारी जुर्माना, कारावास और उनके ड्राइविंग लाइसेंस को अस्थायी या स्थायी रूप से निलंबित किया जा सकता है। हैदराबाद यातायात पुलिस दोहराती है कि नशे में गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है और इससे न केवल अपराधी की जान को खतरा होता है, बल्कि निर्दोष सड़क उपयोगकर्ताओं की जान को भी खतरा होता है। जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिन और रात दोनों समय नियमित जाँच जारी रहेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे शराब के नशे में वाहन चलाने से बचें और हैदराबाद यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें।

भाकृ अनुप - केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान

ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture

संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद - ५०००५९, Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059

Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336

www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida@icar.gov.in

विज्ञापन सं.09/2025

वॉक -इन-इंटरव्यू के माध्यम से दि.24-07-2025 के 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-।। (1 पद) की भर्ती की जा रही है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता. /-सहायक प्रशासकीय अधिकारी

पूर्वोत्तर रेलवे — निविदा सूचना संख्या: 34 दिनांक 15-07-2025

Website: www.ner.indianrailways.gov.in, Email: cos@ner.railnet.gov.in

ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012 कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	Qty.
1	26250665	06-10-2025	पीवीसी फ्लोरिंग रोल 2X1850X14000 एमएम कलर ईटीसी	907 Nos.
2	35250962	09-09-2025	लोको साइड बफर असेम्बली ईटीसी	121 Nos.
3	22251099	25-08-2025	लैटरल बम्प स्टाप फार फिएट बोगीज ईटीसी	7339 Nos.
4	26255144	18-08-2025	सीएमएस क्रासिंग फार बीजी 60 केजी (यूआईसी) आन पीएससी ईटीसी	50 Sets.
5	24250293	13-08-2025	आईओएच किट फार आरआर 20100 सीजी (एम) एलगी कम्प्रेस ईटीसी	25 Sets.
6	22252084	11-08-2025	साइलेंट ब्लाक टाईप बी (बोल्टेड डिजाइन) ईटीसी	677 Nos.
7	22251097	09-08-2025	नान एस्बेस्टस बेस्ड आर्गेनिक ब्रेक पैड 400 ईटीसी	31132 Sets.
8	22250745	08-08-2025	हैंगर फार बोगी बोल्स्टर सस्पेंशन ईटीसी	14029 Nos.
9	22251415A	08-08-2025	बोगी सेन्टर पीवट टाप फार कैनसब बोगी ईटीसी	2292 Nos.
10	24251020	08-08-2025	मेटालाइज्ड कार्बन स्ट्रीप सुटेबुल फार ईटीसी	460 Nos.
11	22241148A	05-08-2025	फेस प्लेट फार बफर प्लंजर ईटीसी	4443 Nos.
12	22250735	04-08-2025	रिवाईज्ड आईआरएस साइड बफर केसिंग फार बीजी ईटीसी	1489 Nos.
13	22252048A	04-08-2025	एअर स्प्रिंग असेम्बली कैपेसीटी 160 केएन टू ईटीसी	537 Nos.
14	22251216	02-08-2025	सेकेण्डरी वर्टिकल डैम्पर फार नान एसी ईटीसी	2319 Nos.
15	22251810A	01-08-2025	मेन्टेनेन्स किट 02 फार अर्थिंग इक्यूपमेंट ईटीसी	2735 Nos.
16	26255084	31-07-2025	मैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई आफ सीआई ब्रैकेट ईटीसी	16670 Nos.
17	26255086A	31-07-2025	मैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई आफ जागल्ड फिश ईटीसी	13264 Sets.
18	26255140	31-07-2025	मैन्यूफैक्चर एण्ड सप्लाई आफ सीएमएस क्रासिंग ईटीसी	224 Sets.

मुजाधि/एस-25 — प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

बिहार में जल्द होगी शिक्षकों की नियुक्ति के लिए टीआरई 4 परीक्षा

नीतीश कुमार ने दिया आदेश

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पूरे एक्शन मोड में हैं। बिहार में इस साल होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार के लोगों को रोजगार की बड़ी सौगात दी है। सीएम नीतीश ने शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जल्द से जल्द परीक्षा आयोजित कराने का आदेश जारी कर दिया है। मुख्यमंत्री ने बिहार लोक सेवा आयोग को जल्द से जल्द शिक्षक नियुक्ति को लेकर टीआरई 4 की परीक्षा लेने का आदेश दिया है। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लिखा है, "हमने शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत कर ली जाए।

इस पर नियुक्ति के लिए टीआरई 4 की परीक्षा शीघ्र लेने की कार्रवाई की जाए।" राज्य सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि नियुक्तियों में 35 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षण का लाभ बिहार की निवासी महिलाओं को ही दिया जाएगा। इसी साल जनवरी के महीने में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने एक एक्स पोस्ट में बताया था कि चौथे चरण में 80 हजार से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति होनेवाली है। उन्होंने बताया था कि यह नियुक्ति चुनाव से पहले कर ली जाएगी।

इसके पहले राज्य सरकार ने टीआरई-1,2 और 3 की परीक्षा ले चुकी है। हाल के दिनों में बिहार में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की नियुक्ति की गई है। नीतीश सरकार ने स्पष्ट किया है कि 35 फीसदी आरक्षण में अब बाहरी महिलाओं को लाभ नहीं मिलेगा, बल्कि बिहार की महिलाओं को ही 35 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। सरकार के इस निर्णय से बिहार की महिलाओं-लड़कियों को सरकारी नौकरी में काफी फायदा होगा।

यह भी जानकारी सामने आई थी कि टीआरई-3 में करीब 20 हजार से ज्यादा पद खाली रह गए थे। इन रिक्त पदों को भी टीआरई-4 में शामिल कर लिया जाएगा। बीपीएससी टीआरआई-4 में टीआरआई 1,2 और 3 जैसी ही योग्यता जरुरी मापदंड होगी। इसके तहत प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए 12वीं पास होने के साथ डीएलडी होना जरूरी है।

इसी तरह मिडिल स्कूल के लिए ग्रेजुएट होनेके साथ-साथ उम्मीदवार का डीएलडी होना चाहिए। माध्यमिक शिक्षक के लिए ग्रेजुएशन के साथ-साथ डीएलडी/बीएड जरुरी है।

दिल्ली एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, 3 कावड़ियों की मौत

मेरठ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ से दिल्ली एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार बाइक के डिवाइडर से टकराने से हुए हादसे में बाइक पर सवार तीन कांवड़िये में से एक की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ा। थाना सेक्टर-58 पुलिस ने तीनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेरठ से दिल्ली की तरफ बाइक से आ रहे तीन कांवड़िये 24 वर्षीय जीवन ज्योति, 25 वर्षीय सुमित और 23 वर्षीय आदित्य राज की तेज रफ्तार बाइक गौर ग्रीन सिटी के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने से हुए हादसे में इसमें जीवन ज्योति की मौके पर मौत हो गई सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल हो गए हैं गंभीर रूप से घायल सुमित और आदित्य को गाजियाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां दोनों की देर रात मौत हो गई।

हादसे के समय तीनों ने हेलमेट नहीं पहना था और प्रतिबंधित लेन से तेज रफ्तार में जा रहे थे। पुलिस यह पता लगा रही है कि तीनों कांवड़ लेकर आ रहे थे या कांवड़ियों के कपड़े पहनकर कहीं जा रहे थे। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख रही है। पुलिस का कहना है कि घटना के वक्त बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। सूचना मृतकों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

बिहार में पूर्व विधायक के बेटे को मिली हत्या की धमकी, पिस्तौल सटाकर मांगी रंगदारी

बांका, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के गयाजी जिले के गोरुआ विधान सभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सच्चिदानंद सिंह के पुत्र मनीष कुमार को जान से मारने की धमकी दी गई है। साथ ही रंगदारी मांगी गई है। इस बाबत पंचकुटी वेस्ट चर्च रोड निवासी मनीष ने थाना में आवेदन देकर गोरगामा गांव के बिरल मियां, अफतरिया खातून, टुधरा मियां, नौसाद मियां, मुन्नी खातून सहित कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। सूचक के अनुसार वे मुंगेर जिले के संग्रामपुर थाना मुख्यालय का मूल निवासी हैं। गोरगामा गांव में करीब 15 एकड़ पैतृक भूमि है। जिसके कुछ हिस्से पर बालू भंडारण के लिए दिया गया था। पर पूर्व में बालू भंडारण के समय जेसीबी मशीन को भी कार्य करने से रोक दिया था। कुछ हरे पेड़ उखाड़कर फेंक दिया था। उन्होंने बताया कि 10 जुलाई को उक्त भूमि का जोत आबाद करने के लिए कुछ लोगों के साथ हम वहां गए थे। सभी आरोपित फरसा, भाला, अवैध हथियार आदि से लैस होकर आये और मारपीट करते हुए पिस्तौल सटाकर पांच लाख रूपये की रंगदारी मांगी गई। नहीं देने की स्थिति में अपहरण कर हत्या कर शव को फेंक देने की धमकी दी गई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद ने बताया मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

अखिलेश के करीबी पप्पू यादव के खिलाफ केस, गणेश मंत्र से कथित छेड़छाड़ का मामला

आजमगढ़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। आजमगढ़ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी नेता पर भगवान गणेश के आह्वान मंत्र को गलत तरीके से बोलने और हिंदू भावनाओं को आहत के आरोप में मुकदमा पंजीकृत हुआ है। जिले के थाना कंधरापुर क्षेत्र के हरिहरपुर निवासी समाजवादी पार्टी के नेता जिला पंचायत सदस्य और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष पप्पू यादव के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने का गंभीर आरोप लगा है। भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष हरिबंश मिश्रा की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया गया।

हरिबंश मिश्रा ने थानाध्यक्ष कंधरापुर को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि पप्पू यादव ने भगवान गणेश जी के आह्वान मंत्र को गलत ढंग से बोलते हुए गाली-गलौज का प्रयोग किया, जिससे हिंदू समाज की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने यह अमर्यादित कृत्य सोशल मीडिया के माध्यम से किया है। भाजपा नेता के अनुसार यह कोई पहली घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी पप्पू यादव धार्मिक रीति-रिवाजों और पूजा-पद्धतियों पर अभद्र टिप्पणियां कर चुके हैं, जिसके कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। हरिबंश मिश्रा ने अपने पत्र में कहा कि ऐसी आपत्तिजनक हरकत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि हिंदू धर्म, संस्कृति और पूजा-पद्धति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों पर लगाम लगाई जा सके।

चंबल नदी में उफान, खतरे के निशान के पास पहुंचा जलस्तर; 38 गांवों में जारी किया अलर्ट

आगरा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कोटा बैराज से छोड़े गए 2 लाख क्यूसेक पानी के चलते चंबल नदी में आए उफान से क्षेत्र के 38 गांवों को अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को नदी किनारे न जाने की हिदायत के साथ बचाव और राहत के लिए 8 बाढ़ चौकियां बनाई गईं हैं। वहीं, चंबल नदी में आए उफान के मद्देनजर प्रशासन ने पिनाहट और कैंजरा घाट पर मोटरबोट का संचालन बंद करा दिया है। नदी से जुड़ने वाले कच्चे रास्ते और खादरों में नदी का पानी भर गया है। 24 घंटे में नदी का जलस्तर 7 मीटर बढ़कर 114 मीटर से 121 मीटर पर पहुंच गया, जो चेतावनी स्तर 127 मीटर से 6 मीटर नीचे है।

चर्चित गोपाल खेमका हत्याकांड

लापरवाही बरतने के आरोप में गांधी मैदान थाने के एसएचओ निलंबित

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड मामले में गांधी मैदान थाना के एसएचओ राजेश कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। राजेश कुमार को लापरवाही बरतने के आरोप में सस्पेंड कर दिया गया है। ये कार्रवाई पटना आईजी जितेंद्र राणा ने एसएसपी कार्तिके शर्मा की अनुशंसा पर की है। एसएचओ पर हाई प्रोफाइल मर्डर केस में घटनास्थल पर देरी से पहुंचने का आरोप था। पटना एसएसपी ने अपने हालिया निरीक्षण में गांधी मैदान थाना के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की थी। इस दौरान उन्हें कई ऐसे बिंदु मिले, जिनमें एसएचओ राजेश कुमार की लापरवाही सामने आई है। एसएसपी की रिपोर्ट पर थानेदार पर कार्रवाई हुई है। गांधी मैदान थाना क्षेत्र के रामगुलाम चौक के पास गोपाल खेमका के आवास के बाहर ही अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी और फरार हो गया था।

उनका घर गांधी मैदान थाने से महज 250 मीटर की दूरी पर था। इस हत्याकांड के बाद गोपाल खेमका के परिजनों ने आरोप लगाया था कि पुलिस घटनास्थल पर करीब डेढ़ से दो घंटे की देर पर पहुंची थी। इस पर वरीय अधिकारियों ने कहा था की जांच होगी। पुलिसकर्मी लापरवाही बरतने के दोषी पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी। अब इस मामले में एक्शन हुआ है। खाकी पर गाज गिरी है।

सीएमओ डॉ. उदयनाथ वापस भेजे गए श्रावस्ती, हाईकोर्ट के आदेश पर हुआ फैसला

कानपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित कानपुर नगर में मुख्य चिकित्साधिकारी रहे डॉक्टर उदयनाथ को वापस उनकी पूर्व पोस्टिंग पर भेज दिया गया है। कानपुर नगर में तैनाती से पहले वह श्रावस्ती जनपद में एसीएमओ यानी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी थे। अब, 16 जुलाई बुधवार को विशेष सचिव आर्यका अखौरी द्वारा जारी एक कार्यालय ज्ञाप में कहा गया है कि न्यायालय में पारित आदेश के संदर्भ में यह निर्णय लिया गया है।

उत्तर प्रदेश शासन के चिकित्सा अनुभाग 2 द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शासन के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-5-2001(010)/1/2022-1/998830/2025, दिनांक 19.6.2025 द्वारा डॉ। उदय नाथ (वक-10724), अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, श्रावस्ती को मुख्य चिकित्साधिकारी, कानपुर नगर के पद पर तैनात किये जाने का आदेश निर्गत किया गया है। आदेश में कहा गया है कि उक्त तैनाती आदेश के विरूद्ध डॉ। हरिदत्त नेमी, तत्कालीन मुख्य चिकित्साधिकारी, कानपुर नगर द्वारा उच्च न्यायालय, लखनऊ बेंच, लखनऊ में योजित रिट याचिका संख्या-7173/2025 डॉ। हरिदत्त नेमी बनाम उ०प्र० राज्य व अन्य में न्यायालय में पारित आदेश दिनांक 07.07.2025 के समादर में सम्यक विचारोपरान्त डॉ। उदय नाथ (वक-10724), अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, श्रावस्ती की मुख्य चिकित्साधिकारी, कानपुर नगर के पद पर की गयी तैनाती आदेश दिनांक 19.06.2025 को एतद्वारा स्थगित किया जाता है। बता दें हरिदत्त नेमी के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने बीते दिनों दो आदेश जारी किए थे।

दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से होगी विधानसभा में विधायकों की निगरानी

शीतकालीन सत्र तक लग जाएगा एआई सिस्टम

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा जल्द ही दुनिया के सबसे एडवांस कैमरों से लैस होगी। ये कैमरे न केवल चेहरों की पहचान करेंगे बल्कि एक-एक विधायक के क्रियाकलापों की निगरानी भी रखेंगे। इन कैमरों की खासियत दर्जनों की भीड़ में भी चेहरे पहचानने, उनके कामकाज से लेकर गतिविधियों की ऑटोमेटिक रिपोर्ट तैयार करने की होगी। इस काम के लिए विधानसभा सचिवालय ने ई टेंडर जारी किया है।

इसके फाइनल होने के 45 दिन के अंदर कैमरे लगाने होंगे। विधानसभा के बजट सत्र में अध्यक्ष सतीश महाना ने इस पहल की जानकारी दी थी। उम्मीद की जा रही है कि शीतकालीन सत्र नए एआई सिस्टम की निगरानी में होगा। विधानसभा के चप्पे-चप्पे को एआई आधारित चेहरा पहचानने के सिस्टम में वीडियो, फोटो और आवाज रिकॉर्ड करने की तकनीक होगी।

इस सिस्टम में चेहरा देखकर व्यक्ति की नाम के साथ गणना, समय और तारीख भी प्राप्त की जा सकेगी। विधानसभा क्राउड एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर के दायरे में भी रहेगी। इसके तहत भीड़ में एक-एक चेहरे को पहचानकर उनका नाम सहित रिकॉर्ड सेकेंडों में देखा जा सकेगा। सिस्टम छिपे या अधखुले चेहरों को भी पहचान लेगा। इतना ही नहीं अलग-अलग रंग-रूप में ढले एक व्यक्ति को भी पकड़ लेगा। चाहे इसमें दाढ़ी, मूंछ, चश्मा, हेयरस्टाइल सहित अन्य बदलाव होंगे।

काली सूची में दर्ज नाम और चेहरों को पहचान कर अलर्ट करने की तकनीक भी नए सिस्टम में होगी। डीप लर्निंग डाटा के जरिये सभी विधायकों का पूरा ब्योरा सिस्टम में दर्ज होगा। डिवाइस नाम, वाचलिस्ट, लिंग, तारीख, समय और लोकेशन से भी चेहरों को ढूंढ निकालेगी।

पूरा एआई सिस्टम करीब 42 डिवाइस से लैस होगा। नए एआई सिस्टम को विधानसभा मंडप में पहले से स्थापित ऑडियो-वीडियो सिस्टम के साथ तालमेल बैठाना भी आवश्यक होगा। जिस कंपनी का चयन किया जाएगा, उसे पहले से स्थापित उपकरणों के साथ सामंजस्यता का प्रमाण पत्र लेना होगा।

'सुना है ट्रेन से कटकर मर जाते हैं' 7 साल की बच्ची की बातें सुन पुलिस भी सन्न

औरैया, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के औरैया से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक सात साल की मासूम बच्ची सुबह लगभग साढ़े पांच बजे मरने के इरादे से रेलवे ट्रैक के पास पहुंच गई। लोगों ने बच्ची को बचाया। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और फिर बच्ची को अपने साथ थाने ले गई। बच्ची का नाम रौशनी है। ये पूरी घटना जिले के अछल्दा थाना इलाके के खुजरियन का पूर्वा की है। अछाल्दा की डीएफसी लाइन पर ट्रेन से कटने जा रही बच्ची को जब लोगों ने बचाया और पूछताछ की तो उसने दर्द भरी हैरान कर देने वाली वाली बातें बताई। बच्ची ने बताया कि उसके पिता उसे रोजाना बहुत मारते हैं। उसके हाथ-पैर बांधकर खेत चले जाते हैं। पढ़ाई के स्कूल भी नहीं भेजते।

पटना में लैंड करते ही फिर से उड़ी इंडिगो की फ्लाइट

हवा में चार राउंड मंडराया विमान, डरते रहे 173 यात्री

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना में स्थित जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे बड़ा विमान हादसा टल गया है। पायलट की सूझबूझ के कारण विमान में बैठे हुए 173 यात्रियों की जान बच गई है। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट रनवे को टच करते हुए लैंडिंग के लिए तय टच पॉइंट से थोड़ा आगे निकल गई।

इस वजह से बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन पायलट ने समझदारी दिखाते हुए लोगों की जान बचा ली। दिल्ली से पटना आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2482 रात पटना एयरपोर्ट पर हादसे का शिकार होने से बाल बाल बची। दरअसल, विमान ने रनवे पर उतरने के दौरान रनवे को टच किया लेकिन लैंडिंग के लिए तय टच पॉइंट से थोड़ा आगे निकल गया। पायलट को लगा कि बची हुई रन वे की लंबाई मे वो विमान को रोक नहीं सकेगा। ऐसे मे पायलट ने सूझ बूझ दिखाते हुए रनवे को टच करने के तुरंत बाद विमान को ऊपर उठा लिया। फिर हवा में दो-तीन चक्कर लगाने के बाद रात 9 बजे वापस की सुरक्षित लैंडिंग करा ली। इस दौरान विमान में 173 यात्री सवार थे।

क्यों हुई ऐसी घटना?

पटना एयरपोर्ट का रनवे अपेक्षाकृत छोटा है। इसलिए विमान की गति रनवे पर नियंत्रित नहीं रह पाती। रनवे लंबा करने के लिए आसपास की सरकारी जमीन को लेने की कवायद पिछले कुछ दिनों से चल भी रही है।

घंटाघर भी बड़ी समस्या

पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सचिवालय के घंटाघर की वजह से भी विमानों को लैंड करने में परेशानी होती है। हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार, घंटाघर की ऊंचाई अधिक होने के कारण विमानों को 3 डिग्री के बजाय 3.25 से 3.5 डिग्री के कोण पर उतरना पड़ता है, जिससे लैंडिंग में जोखिम बढ़ जाता है। विमानों की सुरक्षित लैंडिंग के लिए, हवाई अड्डे के अधिकारियों ने घंटाघर की ऊंचाई को 17.5 मीटर कम करने का प्रस्ताव दिया है।

आगरा डबल मर्डर, भाई- बेटा और दोस्त की खौफनाक साजिश का पर्दाफाश

आगरा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में दो दिन पहले दो दोस्तों की बेहरमी से हत्या से सनसनी मच गयी थी। महज 24 घंटे में आगरा पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। जिसमें भाई ने ही सम्पत्ति बंटवारे के विवाद में भाई और उसके दोस्त की हत्या की थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद किए हैं। बता दें कि आगरा के थाना किरावली क्षेत्र के गांव अरदाया के पास नहर किनारे 14 जुलाई को दो शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थल का निरीक्षण किया तो दो शव बरामद हुए,

'कार्यालय से बाहर जाइए'

सपा सांसद इकरा हसन के साथ एडीएम का अभद्र व्यवहार, आरोप पर बैठी जांच

सहारनपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कैराना सांसद इकरा हसन इस समय सुर्खियों में बनी हुई हैं। सांसद ने अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि एडीएम ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। एडीएम ने कथित तौर पर इकरा हसन से कहा, कार्यालय से बाहर जाइए। इसी के बाद एडीएम पर आरोप लगाते हुए सांसद ने सहारनपुर के मंडलायुक्त को इसकी शिकायत की है। पूरा मामला बीती 1 जुलाई का है। जानकारी के अनुसार, कैराना सांसद इकरा हसन सहारनपुर की छुटमलपुर से नगर पंचायत अध्यक्ष शमा परवीन के साथ क्षेत्र की समस्याओं को लेकर एडीएम से मिलने गई थीं। तभी दोपहर 1 बजे एडीएम से संपर्क करने पर पता चला की वो अभी लंच के लिए गए हुए हैं। लंच के बाद इकरा हसन करीब 3 बजे एडीएम के कार्यालय पहुंचीं।

इकरा के साथ मौजूद छुटमलपुर की नगर पंचायत अध्यक्ष को एडीएम ने किसी मामले में डांट दिया था। इकरा हसन ने जब बीच में हस्तक्षेप किया तो एडीएम संतोष बहादुर ने इकरा हसन को कथित रूप से अपने कार्यालय से बाहर निकलने के लिए कह दिया। साथ ही यह भी कहा कि ये उनका दफ्तर है और वो कुछ भी कहने ओर करने के लिए स्वतंत्र है।

सपा सांसद इकरा हसन ने एडीएम की एक लिखित शिकायत सहारनपुर के मंडलायुक्त अटल राय के साथ-साथ प्रमुख सचिव नियुक्ति से भी की है। इसके अलावा एक शिकायत पत्र लखनऊ भी भेजा गया है। सपा सांसद की ओर से की गई शिकायत के बाद मंडलायुक्त ने पूरे मामले की जांच के आदेश डीएम सहारनपुर मनीष बंसल को दिए हैं।

इकरा हसन की तरफ से मामले को उठाए जाने के बाद एडीएम संतोष बहादुर ने भी अपना पक्ष रखा है। एडीएम ने अपनी सफाई पेश करते हुए कहा, उन्होंने सांसद के साथ कोई भी अभद्रता नहीं की है, जो आरोप लग रहे हैं वो निराधार है। मामले के सामने आने के बाद डीएम सहारनपुर मनीष बंसल ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। साथ ही सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी जन प्रतिनिधि के साथ सभ्यता से पेश आया जाए। वहीं, दूसरी तरफ मंडलायुक्त ने कहा, कैराना सांसद की तरफ से अभद्र व्यवहार की शिकायत की गई है। इस पर जिलाधिकारी को जांच के आदेश दिए गए हैं।

जीवेश मिश्रा को है बिहार को गिरवी रखे जाने का डर, कहा- तेजस्वी यादव को सत्ता की लालच

पटना, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए शासित बिहार में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी हुई है। नीतीश कैबिनेट ने रोजगार को लेकर अहम फैसला लिया, जिसके बाद राजनीतिक बयानबाजी और तीखी हो गई। तेजस्वी यादव के रोजगार पर सवाल करने पर नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर तेजस्वी का बस चले तो वह सत्ता के लालच में बिहार को गिरवी रख देंगे। दरअसल, बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले नीतीश कैबिनेट ने प्रदेश में 2025 से 2030 के बीच एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। अब विपक्ष ने इस पर सवाल खड़ा करना शुरू कर दिया है। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि इसके लिए पैसे कहां से आएंगे?

तेजस्वी के जुबानी हमले के बाद भाजपा नेता भी मैदान में कूद गए हैं। मोतिहारी पहुंचे नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने कहा, तेजस्वी यादव को यह पता होना चाहिए कि अब तक नीतीश कुमार ने 50 लाख युवाओं को रोजगार देने का काम किया है। इसलिए जो लक्ष्य रखा गया है, उसे समय अनुरूप हर हाल में पूरा कर लिया जाएगा।

वहीं, राजधानी में बढ़ते अपराध पर तेजस्वी यादव की हालिया टिप्पणी को लेकर उन्होंने कहा, तेजस्वी को अगर हिम्मत है तो विकास पर चर्चा करें।

थाने में नहीं हुई सुनवाई तो एसएसपी दफ्तर पहुंची महिला ने खाया जहर

बदायूं, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बदायूं में एसएसपी कार्यालय के बाहर एक महिला ने बुधवार को जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। महिला हालत में सुधार है। उसने अपने पति व ससुरालवालों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। एसपी देहात ने आरोपियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मूसाझाग थाना क्षेत्र के हारनाथ तालगांव निवासी निशा बुधवार सुबह 11 बजे एसएसपी कार्यालय परिसर पहुंची। यहां उसने जहरीला पदार्थ खा लिया।

7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में रिटायर्ड पीसीएस गिरफ्तार

लखनऊ, 16 जुलाई (एजेंसियां)। 7.95 करोड़ के छात्रवृत्ति घोटाले में समाज कल्याण विभाग के पूर्व निदेशक मिश्रीलाल पासवान को महानगर इलाके से गिरफ्तार किया गया है। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने यह कार्रवाई रुड़की की गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट को नियम विरुद्ध छात्रवृत्ति देने के मामले में की है। वर्ष 2010 से 2012 के बीच हुए इस घोटाले में ईओडब्ल्यू की ओर से यह पहली गिरफ्तारी है। पीसीएस अधिकारी मिश्रीलाल वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त हो गए थे।

2010 से 2012 के बीच समाज कल्याण निदेशालय में तैनात निदेशक मिश्रीलाल और अन्य कार्मिकों ने गुरु नानक एजूकेशन ट्रस्ट के तत्कालीन ट्रस्टी के साथ मिलीभगत कर छात्रवृत्ति घोटाला किया था। पीजीडीएम कर रहे 336 छात्रों को निर्धारित राशि से अधिक छात्रवृत्ति दी थी। ट्रस्ट द्वारा कई छात्रों का फर्जी प्रवेश दिखाकर छात्रवृत्ति ली गई। इस संबंध में 2019 को थाना एसआईटी, लखनऊ में 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

फर्जी दस्तावेजों के जरिये छात्रवृत्ति के रुपये हड़पे

छात्रवृत्ति घोटाले में शासन के निर्देश पर एसआईटी ने केस दर्ज किया था, जिसमें तत्कालीन समाज कल्याण निदेशक मिश्रीलाल पासवान के साथ तत्कालीन पटल सहायक शिक्षा अनुभाग धर्मेंद्र सिंह, अधीक्षक शिक्षा अनुभाग डीके गुप्ता व अनिल उपाध्याय (अब मृत), योजना अधिकारी डॉ। मंजूश्री श्रीवास्तव व गुरुनानक एजूकेशन ट्रस्ट के ट्रस्टी गुरु सिमरन सिंह चड्ढा को नामजद किया था।

जांच में सामने आया था कि ट्रस्ट में पढ़ रहे अनुसूचित जाति के यूपी के मूल निवासी छात्र-छात्राओं के लिए अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की राशि वर्ष 2010-11 व वर्ष 2011-12 में समाज कल्याण निदेशालय से ली गई थी।

उत्तराखंड के राज्यपाल/कुलाधिपति के सचिव के जिस पत्र में शैक्षणिक वर्ष 2010-11 और 2012-13 के लिए अस्थायी संबद्धता की स्वीकृति व पीजीडीएम पाठ्यक्रम की 180 सीटों का उल्लेख किया था, उसमें संस्था का नाम हरमिश कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट अंकित था। छात्रवृत्ति के निर्धारित 91,200 रुपये के स्थान पर 2.30 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया गया। ट्रस्ट के साथ मिलीभगत करके फर्जी दस्तावेजों के जरिये छात्रवृत्ति के करीब 7.95 रुपये हड़पे गए थे।

कांवड़ यात्रा को लेकर दिग्विजय सिंह ने खड़े किए सवाल, भाजपा नेता ने बता दिया मौलाना

भोपाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के महीने की शुरुआत के साथ ही देशभर में कांवड़ यात्रा की जा रही है। कांवड़ यात्रा को लेकर अलग-अलग राज्यों में सरकार द्वारा कई प्रबंध किए गए हैं। इस बीच कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने एक फेसबुक पोस्ट शेयर करते हुए कांवड़ यात्रा को लेकर बयान जारी किया है। दरअसल दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा में सड़क पर कांवड़ से सड़क को घेरने पर सवाल उठाए हैं। दिग्विजय सिंह ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'एक देश, दो कानून।' बता दें कि दिग्विजय सिंह ने जिस तस्वीर को शेयर किया है, उसमें एक सड़क पर कांवड़ रखी हुई है, जिससे सड़क का एक बड़ा हिस्सा घिरा हुआ है। वहीं दूसरी तस्वीर में नमाज पढ़ते शख्स को पुलिस को लात मारते दिखाया गया है। दिग्विजय सिंह के इस बयान पर अब भाजपा नेता विश्वास सारंग ने पलटवार किया है।

मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने दिग्विजय सिंह को मौलाना बताया है। उन्होंने कहा, मौलाना दिग्विजय सिंह केवल सनातन का विरोध करते हैं। कांवड़ यात्रा जैसे पावन पर्व को विवादास्पद करना चाहते हैं। उनसे कोई अपेक्षा नहीं है। जाकिर नायक का महिमामंडन करने वाले, आतंकवादियों को संरक्षण देने वाले, सेना के ऑपरेशन पर विवाद खड़ा करने वाले, 'पाकिस्तान परस्ती की बात करने वाले, तुष्टिकरण को आगे बढ़कर राजनीति करने वाले दिग्विजय सिंह से और कुछ अपेक्षा नहीं है।

दिग्विजय सिंह हर समय हिंदू धर्म का, हिंदू धर्मावलंबियों का और हिंदू साधु संतों का और हिंदू त्योहारों का अपमान करते आए हैं। इसलिए उन्हें मौलाना दिग्विजय सिंह कहा जाता है।' विश्वास सारंग ने आगे कहा, 'भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों को आजाद करके, उन्होंने ही सनातन को इस दुनिया में बदनाम करने का काम किया है। मैं दिग्विजय सिंह से कहना चाहता हूं कि हिंदू और सनातन धर्म के किसी भी त्यौहार पर इस तरीके की टिप्पणी होगी तो यह सहन नहीं किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह को चाहिए कि वो इसपर माफी मांगे।' बता दें कि देशभर में इन दिनों कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। अलग-अलग राज्यों में कांवड़िए नदी का जल लेकर अपने गांव या आसपास के मंदिरों में पहुंच रहे हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक कर रहे हैं।

बस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म, फिर कपड़े में लपेटकर खिड़की से फेंका बाहर

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के परभणी में एक चलती बस में 19 वर्षीय महिला ने स्लीपर कोच में एक बच्चे को जन्म दिया। इस दौरान उसने और उसका पति होने का दावा करने वाले एक व्यक्ति ने नवजात बच्चे को खिड़की से बाहर फेंक दिया, जिस कारण बच्चे की मौत हो गई। एक अधिकारी ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि सुबह करीब 6.30 बजे पाथरी-सेलु रोड पर यह घटना घटी और जब इसका पता तब चला जब एक नागरिक ने यह देखा कि कपड़े में लपेटकर कुछ फेंका गया है। उन्होंने बताया कि रितिका ढेरे नाम की एक महिला, संत प्रयाग ट्रैवल्स की स्लीपर बस में अल्ताफ शेख (जो खुद को उसका पति कह रहा था) उसके साथ पुणे जा रही थी। यात्रा के दौरान गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी।

पुनीत गोयल बने मणिपुर के नए मुख्य सचिव

सुरक्षा बलों ने 100 विस्थापितों को गांव लौटने से रोका

इंफाल, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में शांति कायम करने की कवायद तेज हो गई है। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा है। केंद्र ने कानून व्यवस्था बेहतर करने और शांति कायम रखने के लिए वरिष्ठ आईएएस पुनीत गोयल को मणिपुर का नया मुख्य सचिव बनाया है। वहीं यहां सुरक्षा बलों ने भी अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सुरक्षा बलों ने बुधवार को आंतरिक रूप से विस्थापित करीब 100 लोगों को इंफाल पूर्वी जिले के दोलाईथाबी में अपने गांवों में लौटने से रोक दिया।

एजीएमयूटी कैडर के 1991 बैच के अधिकारी पुनीत गोयल मौजूदा मुख्य सचिव प्रशांत कुमार सिंह की जगह लेंगे। प्रशांत सिंह को राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग का सचिव नियुक्त किया गया है। 15 जुलाई की अधिसूचना में कहा गया है, कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने पुनीत कुमार गोयल की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति अवधि में कटौती करते हुए एजीएमयूटी से मणिपुर कैडर में अंतर-कैडर प्रतिनियुक्ति के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह अवधि 31 अगस्त 2025 तक यानी उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक रहेगी।

सुरक्षा बलों ने विस्थापित करीब 100 लोगों को अपने गांवों की ओर लौटने से रोक दिया। अफसरों ने बताया कि शांति बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। पूर्वी इंफाल जिले में साजिवा के निकट राहत शिविर में रह रहे आईडीपी अपने पैतृक गांवों में लौटने के लिए दोइलैथाबी की ओर बढ़ गए थे। उनको दोइलाथाबी से लगभग 2.5 किमी दूर युखाओ तेजपुर के पास रोक दिया गया। पुलिस ने कहा कि पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं और सीआरपीएफ की महिला कर्मियों की एक कंपनी भी तैनात की गई है। जिला प्रशासन और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इस मुद्दे का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने के लिए स्थानीय नेताओं के साथ बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। उन्होंने कहा कि निरंतर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कानून एवं व्यवस्था की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। डोलाईथाबी संवेदनशील सीमांत क्षेत्र में है।

रूसी महिला ने गोवा की गुफा में दिया बच्चे को जन्म इजरायली बिजनेसमैन है पिता, रिपोर्ट में दावा

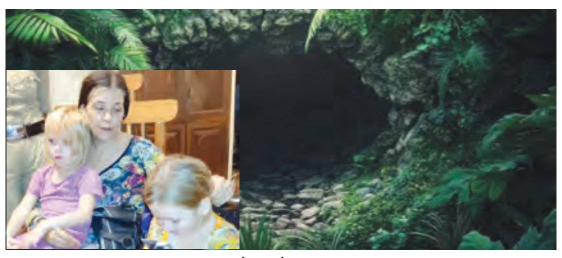

बेंगलूरु, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गोकर्ण में हाल ही में एक रूसी महिला को दो बच्चियों के साथ एक गुफा में पाया गया था। गुफा से विदेशी महिला और बच्चों के मिलने से हर कोई हैरान था। अब जानकारी सामने आई है कि इन बच्चों का पिता कथित तौर पर एक इजरायली नागरिक है। रूसी महिला नीना कुटीना ने कथित तौर पर ये दावा किया है कि उसने गोवा की एक गुफा में रहते हुए एक बच्चे को जन्म दिया था, और उसके पिता एक इजरायली बिजनेसमैन हैं। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि रूसी महिला ने जिस इजरायली बिजनेसमैन के बारे में बताया है वह बिजनेस वीजा पर भारत में है और विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने उसे खोज निकाला है। आपको बता दें कि पहले जानकारी सामने आई थी कि रूसी महिला नीना का वीजा साल 2017 में खत्म हो गया था। हालांकि, नीना ने इसे नकार दिया। एनआईए को नीना ने बताया है कि हमारे पास वैध वीजा नहीं है, यह खत्म हो गया है। लेकिन यह कुछ समय पहले की बात है, और 2017 के बाद, हम पहले ही चार देशों में जा चुके थे और फिर वापस आ गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि रूसी महिला नीना कुटीना शुरू में बच्चों के पिता के बारे में बात करने को तैयार नहीं थी। हालांकि, बाद में उसने बताया कि बच्चों के पिता एक इजरायली नागरिक हैं और वह भी नीना की तरह 40 साल के हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नीना और इजरायली नागरिक की मुलाकात कुछ साल पहले हुई थी और दोनों में प्यार हो गया। अधिकारियों ने उस व्यक्ति से संपर्क किया है। नीना और उनके बच्चों को रूस वापस भेजने के प्रयास चल रहे हैं। हालांकि, इस प्रक्रिया में लगभग एक महीने का समय लगेगा।

मवेशी तस्करों के हमले में दो बीएसएफ जवान घायल मेघालय में भारत-बांग्लादेश सीमा पर हुई घटना

शिलॉन्ग, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर संदिग्ध मवेशी तस्करों ने बीएसएफ जवानों पर हमला कर दिया। इसमें दो जवान घायल हो गए। पुलिस ने तस्करों की तलाश तेज कर दी है। मेघालय पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार बीएसएफ जवानों ने सीमा के बांग्लादेशी हिस्से में लगभग 20 लोगों के साथ 30 से 40 मवेशियों की गतिविधियां देखीं।

12 जुलाई की सुबह खासिमारा नदी के पास जब बीएसएफ जवानों ने इन लोगों को रोका। इस दौरान बांग्लादेश सीमा पार से 40 से 50 व्यक्तियों के एक अन्य समूह की सहायता से आए बदमाशों ने भारतीय क्षेत्र में घुसने का प्रयास किया

विधायक और पुलिस के बीच जोरदार बहस का वीडियो आया सामने, दिग्विजय सिंह के बेटे ने किया बीच-बचाव

हरदा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में हरदा लाठी चार्ज कांड में समर्थन देने पहुंचे कांग्रेस विधायक और पुलिस के बीच जोरदार बहस देखने को मिली। दरअसल विधायक अभिजीत शाह और हरदा पुलिस के बीच हुई जोरदार बहस का वीडियो वायरल हुआ है। इसमें कांग्रेस विधायक पुलिसकर्मी से कहते दिखाई दिए, 'अबे ओए तूने हाथ कैसे पकड़ा।' दरअसल हरदा लाठी चार्ज की घटना के दूसरे दिन पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, उनके बेटे विधायक जयवर्धन सिंह और टिमरनी विधायक अभिजीत शाह हरदा पहुंचे थे। राजपूत समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ जब अभिजीत शाह कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन देने जा रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें रोक लिया और दोनों के बीच जमकर बहस हुई। इस दौरान जयवर्धन सिंह कहते दिखाई दिए रोको मत विधायक हैं। वहीं गुस्से में दिखाई दे रहे विधायक अभिजीत शाह पुलिस से कहते हैं कि तूने हाथ कैसे पकड़ा। प्रोटोकॉल नहीं मालूम क्या। इसे लेकर विधायक अभिजीत शाह ने कहा, पुलिस के साथ वही हुआ जो कल राजपूत समाज के साथ हुआ था। पुलिस ने शायद मुझे राजपूत समझ लिया होगा और दुर्व्यवहार कर रही थी। कलेक्टर साहब से पहले ही बात हो चुकी थी कि राजपूत समाज के 5 प्रतिनिधि जाकर ज्ञापन देंगे। राजपूत समाज के अध्यक्ष भी उसमें होंगे। लेकिन उन्हें गेट पर रोक दिया गया। हमने कहा कि आप चेक कर लीजिए वो अध्यक्ष हैं राजपूत समाज के फिर भी वो नहीं मानें। उन्हें ऐसा लगा होगा कि मैं भी राजपूत हूं इसलिए मेरा साथ ऐसा किया। मेरा हाथ पकड़ के खींच रहे थे।

विधायक ने कहा कि मुझे विधायक मत मानें, एक सामान्य नागरिक तो मानें। विधानसभा सत्र शुरू होगा फिर आगे देखते हैं। दरअसल इंदौर के एक व्यापारी द्वारा हीरा बेचने के मामले से असंतुष्ट श्री करणी राजपूत सेना के लोगों ने शनिवार को हरदा शहर के खंडवा बायपास पर धरना दिया और रास्ता जाम कर दिया। इस दौरान करीब 16 घंटे बाद पुलिस ने रविवार सुबह 10 बजे बल का प्रयोग कर इस धरने को खत्म करा दिया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वॉटर कैनन से पानी की बौछार की, वहीं आंसू गैस के गोले छोड़े गए।

जब बात इससे भी नहीं बनी तो प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज हुआ। इस मामले में पुलिस ने 60 लोगों को हिरासत में लिया था। इसी मामले में कांग्रेस नेता व राजपूत समाज के लोग आज कलेक्टर को ज्ञापन देने गएं थे, जिसके बाद विधायक और पुलिसकर्मी के बीच बहस हुई।

ओवैसी की एआईएमआईएम से चुनी गई मप्र की एकमात्र हिंदू महिला पार्षद ने दिया इस्तीफा

खरगोन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश खरगोन नगर पालिका परिषद में वार्ड क्रमांक 2 की एआईएमआईएम की एकमात्र गैर मुस्लिम पार्षद ने धर्म परिवर्तन के आरोपों को लेकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। खरगोन की वार्ड क्रमांक 2 से एआईएमआईएम के टिकट से चुनाव जीतने वाली पार्षद अरुणा उपाध्याय ने राष्ट्रीय कार्यालय हैदराबाद को भेजे अपने इस्तीफे में कहा कि वह निजी कारणों के चलते प्रदेश कोर कमेटी के पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रही हैं।

फंड लेकर धर्म परिवर्तन का आरोप

उन्होंने आज पत्रकारों से इस्तीफा के कारण पर चर्चा करते हुए कहा कि उनके पति श्यामलाल उपाध्याय 2022 में चुनाव जीतने के बाद से पार्षद पद छोड़ने का दबाव बना रहे थे। पद छोड़ने से मना करने के बाद उन्होंने विगत दो वर्षों से उन पर फंड लेकर धर्म परिवर्तन करवाने का आरोप लगा कर विभिन्न फोरमों पर शिकायत भी की है। उन्होंने बताया कि वह जान से मारने की भी धमकी देते हैं, इसलिए अलग होकर उनके विरुद्ध तलाक का केस भी दायर किया है। इसके अलावा उन्होंने 15 दिन पहले पति के खिलाफ पुलिस अधीक्षक से शिकायत भी की है।

एआईएमआईएम की पहली हिंदू महिला पार्षद

2022 के निकाय चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी से प्रदेश में करीब आधा दर्जन पार्षद जीते थे। इनमें खरगोन की हिन्दू महिला अरुणा उपाध्याय सहित तीन पार्षद भी शामिल थे। वे एआईएमआईएम से प्रदेश की पहली हिंदू पार्षद बनकर चर्चा में रहीं। वार्ड 2 से अरुणा के सामने भाजपा प्रत्याशी सुनीता गांगले और कांग्रेस की शिल्पा सोनी मैदान में थीं। उन्होंने 643 वोट हासिल किए थे। भाजपा प्रत्याशी सुनीता को 612, कांग्रेस की शिल्पा को 498 मत मिले थे। अरुणा 31 वोट से जीती थीं। खरगोन के वार्ड -2 में निकाय चुनाव के दौरान कुल 2915 मतदाता थे। वार्ड में 70% मुस्लिम आबादी होने के बावजूद उन्होंने जीत हासिल की थी।

मसाज के नाम पर देह व्यापार: स्पा सेंटर पर क्राइम ब्रांच की टीम ने मारा छापा, आरोपी महिला गिरफ्तार

नागपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नागपुर में क्राइम ब्रांच की टीम ने रात स्पा सेंटरों में चल रहे देह व्यापार के अड्डों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में क्राइम ब्रांच की टीम ने स्पा चलाने वाली महिला को गिरफ्तार किया है, साथ ही स्पा में काम कर रही 4 युवतियों को भी पुलिस ने मुक्त कराया है। दरअसल नागपुर की क्राइम ब्रांच की सामाजिक सुरक्षा शाखा ने गोपनीय जानकारी के आधार पर एक स्पा सेंटर पर देर रात छापेमारी कर सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया। बता दें कि यह स्पा सेंटर नागपुर के सीताबर्डी के मुंजे चौक पर बने मेट्रो स्टेशन के पास स्थित है। यहां स्ट्रीट टूरिस्ट प्लाजा बिल्डिंग में मेट्रो स्पा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर फॉर यूनीसेक्स की आड़ में रैकेट चलाया जा रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकांश ग्राहक नियमित होते थे। इसके अलावा नए ग्राहकों को भी केबिन में जाने के बाद ऑफर दिया जाता था। इस गिरोह में गरीब लड़कियों को कमाई का लालच देकर शामिल किया गया था। लड़कियों को वेतन के साथ-साथ कमीशन दिया जाता था। धड़ल्ले से चल रहे इस सेक्स रैकेट परिसर की जानकारी किसी ने पुलिस को दी। इसी आधार पर पुलिस ने डमी ग्राहक भेजकर ढाई हजार रुपये में सौदा तय किया। इसके बाद जैसे ही पुलिस को संकेत मिला, पुलिस ने रुपये लेते हुए लड़की को पकड़ लिया। बता दें कि रैकेट चला रही आरोपी महिला की पहचान आरती अक्षय मरस्कोल्हे के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि इस छापेमारी में पुलिस को स्पा सेंटर में 4 युवतियां मिलीं, जिन्हें देह व्यापार में झोंका गया था।

जानकारी के मुताबिक, चारों लड़कियां गरीब परिवार से हैं और उन्हें पैसे का लालच देकर देह व्यापार में शामिल कराया गया था। पुलिस ने चारों पीड़िताओं को कब्जे में ले लिया है और आरोपी महिला के खिलाफ पिटा एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बता दें कि पुलिस ने घटनास्थल से दो मोबाइल, सीसीटीवी का डीवीआर और अन्य सामान सहित हजारों रुपये का माल जब्त किया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ पर बन रही फिल्म का मामला पहुंचा हाईकोर्ट

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन पर आधारित फिल्म 'अजयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' के निर्माताओं ने सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म को प्रमाणपत्र देने में हो रही देरी को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि सीबीएफसी फिल्म के सर्टिफिकेशन के आवेदन को लेकर मनमाना और विलंबपूर्ण रवैया अपना रहा है। फिल्म के निर्माता चाहते हैं कि इसे 1 अगस्त 2025 को रिलीज किया जाए, लेकिन प्रमाणपत्र न मिलने से रिलीज़ पर संकट मंडरा रहा है।

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर मामले में महिला का दावा- मेरी बहन का किया ब्रेनवॉश, गाजियाबाद से भी है कनेक्शन न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति डॉ. नीला गोखले की पीठ ने सम्राट सिनेमैटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सीबीएफसी को नोटिस जारी किया है। याचिका में सीबीएफसी को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह फिल्म के प्रमाणन पर जल्द निर्णय ले। सीबीएफसी की ओर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लाने की मांग की गई है, जिससे निर्माताओं को आपत्ति है। यह फिल्म लेखक शांतनु गुप्ता की चर्चित पुस्तक 'द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर' से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म योगी आदित्यनाथ के जीवन के अनछुए पहलुओं और संत से मुख्यमंत्री बनने तक के सफर को दर्शाती है।

गमछा-बनियान पहनकर एमवीए के विधायकों ने किया प्रदर्शन, इन 3 मामलों ने बढ़ाई एकनाथ शिंदे की टेंशन

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में शिंदे गुट के शिवसेना के विधायक संजय गायकवाड़, मंत्री संजय शिरसाट और भरत गोगावाले को लेकर विवाद जारी है। बुधवार (16 जुलाई) को विपक्षी दलों के विधायकों ने बनियान और गमछा पहनकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने ड्रेस के ऊपर बनियान और गमछा पहने थे। इस दौरान इन नेताओं ने गुंडा राज के नारे लगाए। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना (यूबीटी) के विधायक और नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे ने कहा कि विधानसभा की कैंटीन में संजय गायकवाड़ ने हमला किया। हमला यह दिखाता है कि सरकार ऐसे तत्वों का भी समर्थन कर रही है।

संजय गायकवाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद सरकार और विपक्ष दोनों ने उनकी आलोचना की। गायकवाड़ ने बासी भोजन परोसने पर 8 जुलाई को 'आकाशवाणी एमएलए' हॉस्टल के कैंटीन के एक कर्मचारी को थप्पड़ मारा था। इसके बाद सफाई में भी शिवसेना यूबीटी के विधायक ने मारपीट को सही बताया और कहा कि खराब खाना देने के कारण पिटाई की। वीडियो में देखा जा सकता है कि गायकवाड़ बनियान और कमर में तौलिया लपेटे हुए कैंटीन ठेकेदार से भिड़ते हैं। वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी नेताओं की तरफ से शिवसेना के विधायकों को चड्डी बनियान गैंग कहा जा रहा है।

संजय शिरसाट घिरे

इसके साथ ही शिंदे गुट के मंत्री संजय शिरसाट एक बेड पर बनियान पहने सिगरेट पी रहे हैं और पास में एक पैसे से भरा बैग वीडियो में दिख रहा है। इसको लेकर शिरसाट का कहना है कि वीडियो से छेड़छाड़ किया गया है और गलत संदर्भ में दिखाया गया है। इससे पहले भरत गोगावाले का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो बनियान पहने तांत्रिक पूजा में बैठे थे।

विपक्षी दलों के निशाने पर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की पार्टी है। तीनों नेताओं के विवाद ने विपक्ष को शिंदे के को घेरने का मौका दे दिया है। इसी को देखते हुए पिछले दिनों उप-मुख्यमंत्री और शिवसेना के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने नेताओं को चेतावनी दी। उन्होंने बिना नाम लिए कहा, ''सार्वजनिक जीवन अनुशासन की मांग करता है और हमें इसे बनाए रखना चाहिए।''

नई बीमारियों की चपेट में सेब बगीचे दवाओं की लागत भी बढ़ी

शिमला, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सेब बगीचे नई-नई बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। इन दिनों सेब के बगीचों में अल्टरनेरिया लीफ फॉल की तरह का नया पतझड़ रोग लगा है। यह रोग फफूंदनाशी दवाओं के छिड़काव के बावजूद नियंत्रित नहीं हो रहा है। इसके अलावा सेब की टाइडमैन या समर क्वीन जैसी फसलों पर भृंग कीटों ने हमले शुरू कर दिए हैं। ये भी प्रचलित कीटनाशकों से नियंत्रित नहीं हो रहे हैं। इससे सेब के फल खराब हो रहे हैं या उनकी गुणवत्ता खराब हो रही है। यह तो महज दो उदाहरण हैं। इसी तरह न जाने कितनी ही तरह की बीमारियों, कीट या वायरस सेब बगीचों पर हमला कर रहे हैं। बागवानों के लिए बीमारियों और कीटों से मुकाबला करना अब महंगा सौदा बनता जा रहा है। दवाओं की लागत भी पिछले एक दशक में बहुत ज्यादा बढ़ गई है। अब दवाओं पर पहले की तरह उपदान भी नहीं मिलता है। इसके कारण दवाइयों पर ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है।

हिमाचल प्रदेश में सेब उगाने की लागत बहुत अधिक बढ़ गई है। 200 लीटर के एक ड्रम का छिड़काव करना हो तो इसकी दवा 1700 से 2000 रुपये तक पड़ रही है। छिड़काव शेड्यूल के अनुसार आम स्प्रे 20 से 25 दिनों के बाद करने की संस्तुति हो तो भी इसे 10 से 15 दिनों के अंतराल में करने की होड़ मची है। इससे भी दवाएं अपना असर कम करने लगी हैं। सेब पर वूली एफिड, मार्सोनिना ब्लॉच, अल्टरनेरिया लीफ फॉल, स्कैब, थ्रिप्स, स्केल, माइट जैसी बीमारियों, कीटों या फफूंदों के लिए, तो आम तौर पर छिड़काव करना ही होता है,

'मदरसा में जाओ, सिखाओ ना मराठी'

नितेश राणे पर अबू आजमी भड़के, इंसान बनाते हैं मदरसे

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मत्स्य पालन और बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के बयान ने फिर से सियासी बखेड़ा खड़ा कर दिया है। नितेश राणे ने शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे पर हमला करते हुए कहा कि मदरसा में जाओ, सिखाओ ना मराठी। 5 वक्त की अजान बोलो मराठी में करने। उन्होंने कहा, "इतना ही मराठी की पाठशाला करनी है तो राज्य में बहुत सारे मदरसे हैं, उसमें सिखाओ मराठी में पढ़ाई। नहीं तो मदरसे में सिर्फ बंदूक ही तो मिलती है उनको मुफ्त में।"

अबू आजमी का नितेश राणे पर निशाना

राणे के बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक अबू आजमी ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नितेश राणे जाए किसी मदरसे के विजिट पर, जो यह आदमी मुसलमानों से नफरत करता है, उसको मैं एक कमरा दिला देता हूं, वो सीसीटीवी लगाकर देख ले कि मदरसों में सिर्फ प्यार मोहब्बत ही सिखाते हैं। अबू आजमी ने कहा, "देश के लिए जान देना सिखाते हैं, मदरसे वालों ने ही आजादी की लड़ाई में मुंबई में गांधी जी को मदद की थी। मदरसों ने देश की कुर्बानी में साथ दिया है।" मानखुर्द शिवाजीनगर से विधायक आजमी ने कहा, "मदरसों में मराठी भी पढ़ाई जाती है, कुरान भी मराठी में है। गरीबों को पढ़ाते हैं, इंसान बनाते है मदरसे वाले।"

खुलताबाद का नाम बदलने की मांग पर क्या बोले अबू आजमी?

साथ ही अबू आजमी ने कहा कि खुलताबाद का नाम बदलने के लिए लेटर के दिखावे की जरूरत नहीं है, सरकार ही इनकी ही इनकी है जो करना है कर सकते हैं दिखावा क्यों? पिछले कुछ दिनों में कई ऐसी घटना सामने आई है जब, मराठी नहीं बोलने पर राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के कार्यकर्ताओं ने पिटाई कर दी। इसी को लेकर बीजेपी का कहना है कि वो ऐसा मुस्लिम बहुल इलाकों में जाकर करके देखें।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 17 जुलाई - 2025

रूढ़िवादी वर्जनाओं से टकराव का नतीजा है राधिका हत्याकांड

मनोज अग्रवाल

गुरुग्राम में रहने वाली 25 वर्षीय टेनिस खिलाड़ी और कोच राधिका यादव की गुरुवार को हत्या कर दी गई है। राधिका एकेडमी चलाकर आत्मनिर्भर बनना और सोशल मीडिया पर अपनी पहचान बनाना चाहती थी। लेकिन यह उनके पिता दीपक यादव को पसंद नहीं आया। उन्होंने अपनी बेटी को गोलियों से छलनी कर डाला। राधिका यादव की मौत को लेकर कई प्रकार के कयास लगाए जा रह है। पुलिस भी सभी एंगल से जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि राधिका के पिता को उसका रील बनना अच्छा नहीं लगता है। वह एक मुस्लिम युवक के साथ वीडियो बनाया करती थी।

बताया जा रहा है कि मुस्लिम युवक के साथ वीडियो और बढती देख कर राधिका यादव का पिता नाराज थे। हालांकि अभी तक जांच के अनुसार राधिका यादव हत्याकांड में दो कारण सामने आए है। बताया जा रहा है कि इन दो वजह से उनके पिता दीपक नाराज थे। दीपक नहीं चाहते थे कि राधिका टेनिस एकादमी चलाए। दूसरा उनके इंस्टाग्राम पर रील और वीडियो बनाने खिलाफ थे। राधिका काफी दिनों से मुसलिम युवक के साथ एक वीडियो पर काम कर रही थी। एक साल पहले उसका गाना रिलीज हुआ था। बताया जा रहा है कि इसको मुसलिम दोस्त ने ही प्रोड्यूस किया था।

बेटी के कत्ल के आरोपी दीपक यादव ने पुलिस को बताया कि उसपर राधिका के काम बंद करवाने का सामाजिक दबाव था। दरअसल बेटी की हत्या से पहले दीपक यादव अपने गांव गया था। गांव के लोगों ने उसपर बेटी की कमाई खाने का तंज कसा। गांव के लोगों ने दीपक से कहा था कि वो एक अच्छा पिता नहीं है, क्योंकि उसकी बेटी मनमर्जी करती है। सूत्रों के मुताबिक दीपक को उसकी बेटी के चरित्र को लेकर कई झूठ भी बोले गए। जिससे दीपक को समाज में बदनामी होने का डर था।चार लोग क्या कहेंगे'।

यही वो डर है, जिसकी वजह से हमारे देश के कई लोग कभी आगे नहीं बढ़ पाते। राधिका के पिता दीपक को भी उनके समाज के इन्हीं "चार लोगों" ने इतना भड़का दिया कि वो एकेडमी बंद करने के लिए राधिका पर दबाव डालने लगे। जब राधिका ने एकेडमी बंद करने से साफ इनकार कर दिया, तब दीपक ने गुस्से में आकर अपनी बेटी की हत्या कर दी। पुलिस को दिए अपने बयान में राधिका के पिता ने हत्या की वजह समाज से मिले रहे तानों को बताया है। दीपक का कहना है कि उसे बेटी की कमाई खाने वाला व्यक्ति कहकर ताने दिए गए थे, और इस बात से वो परेशान रहता था।

दीपक के दावे से ऐसा लगता है कि जैसे राधिका की कमाई, दीपक के लिए मजबूरी हो और इसी वजह से वो समाज के तानों से तंग आने लगा हो। लेकिन सच ये है कि राधिका का कमाना, दीपक के लिए मजबूरी नहीं थी, क्योंकि दीपक खुद भी एक पैसे वाला आदमी था। उसने प्रॉपर्टी डीलिंग के बिजनेस से अच्छा खासा पैसा कमाया था। दीपक को प्रॉपर्टी के बिजनेस से 15 लाख रुपये सालाना की कमाई होती थी, और किराए के तौर पर उसे सालाना 1 करोड़ रुपये से ऊपर की रकम मिलती थी। यानी की राधिका के कमाई से दीपक के खास लेना देना नहीं था। इसीलिए दीपक के बयान से पुलिस संतुष्ट नहीं लग रही है। पुलिस के मुताबिक इस केस में कई पेच हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक राधिका की एकेडमी बंद करवाना हत्या की वजह शायद ना हो।

पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि दीपक ने ही अपनी बेटी राधिका की टेनिस एकेडमी खुलवाई थी। राधिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर का टेनिस प्लेयर बनाने के लिए दीपक ढाई करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुका था। राधिका के टेनिस करियर के लिए दीपक ने उसके लिए महंगे टेनिस रैकेट और स्पोर्ट्स गियर भी खरीदे थे। जो पिता अपनी बेटी के टेनिस करियर के लिए जी-जान से लगा हो, वो अचानक टेनिस अकेडमी को लेकर उसकी हत्या क्यों करेगा? ये सवाल आज हर कोई जानना चाहता है।

पुलिस को शक है कि दीपक ने समाज के तानों की वजह से बेटी की हत्या नहीं की है, बल्कि हत्या की वजह कुछ और भी हो सकती है। इसीलिए पुलिस इस मामले में कुछ और एंगल से भी जांच कर रही हैराधिका की हत्या के बाद उसका एक म्यूजिक वीडियो चर्चा में आ गया है। दावा है कि इस म्यूजिक वीडियो को लेकर राधिका के पिता, उससे नाराज थे। हमें अभी तक जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक ये वीडियो करीब 2 साल पुराना है। इस वीडियो में राधिका ने एक्टिंग की है और इसमें प्रेम संबंधों के बारे में दिखाया गया है।

राधिका के साथ इस वीडियो में इनामुल नाम का एक एक्टर है, जो इस तरह के म्यूजिक वीडियोज़ में एक्टिंग करता है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद ये दावा किया गया कि राधिका के पिता इस वीडियो और रील्स को लेकर नाराज चल रहे थे। ये भी दावा किया गया है कि इनामुल और राधिका के बीच दोस्ती थी और इस दोस्ती से पिता दीपक नाराज थे। दरअसल इन दिनों भारतीय समाज प्रगति और वर्जनाओं के खंडित होने से पैदा संक्रमण के दौर से जूझ रहा है इस में एक ओर लड़कियों को तमाम तरह की आजादी शिक्षा खेल व्यवसाय के चयन में स्वतंत्रता और दूसरी ओर परम्परागत रूढ़िवादी सोच और वर्जनाओं की पाबंदी के बीच टकराव है।

युवा पीढ़ी की लडकियां तमाम सामाजिक वर्जनाओं को तोड़कर अपने जीवन के सबसे बड़े फैसले भी खुद लेना चाहती हैं इससे आम मध्यम वर्गीय परिवारों में कई बार अभिभावकों और बेटियों के बीच वैचारिक व रिश्ते में टकराव की स्थिति बन जाती है। और अगर इस में तीसरा कोण दूसरे समुदाय खासकर मुस्लिम समुदाय का जुडाव हो तो हालात और भी अधिक टकराव के बन जाते हैं। विशेषकर उन परिस्थितियों में जब आए दिन एक समुदाय विशेष के झांगुर बाबा जैसे षडयंत्र कारी लोगों द्वारा सैकड़ों हजारों हिन्दू लड़कियों को जाल में फंसा कर धर्मांतरण कराने के खुलासे हो रहे हैं ऐसे संक्रमित माहौल में एक बेटी के पिता के अंतस के उस मर्म को भी समझना होगा। एक पिता लाखों करोड़ों खर्च कर अपनी इकलौती बेटी को अपने पैरों पर खड़ा कर उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखना चाहते हैं लेकिन जब वही जिगर का टुकड़ा बेटी पिता के अरमान का कत्ल कर किसी विधर्मी के कथित लगाव या प्यार को महत्व देकर पिता की अवज्ञा करे तो स्थिति की बार बेहद दुखद बन जाती है। हालांकि अभी इस मामले की जांच जारी है और किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी है लेकिन हालात और परिस्थितियां कुछ ऐसा ही घटनाक्रम पार्श्व में छिपे होने का संकेत दे रहे हैं।

अब जरा उन परिस्थितियों पर भी गौर कीजिए जब एक हर तरह से संपन्न पिता बेटी की हत्या जैसा अधम क्रूरता भरा अपराध करने के बाद भी सारे इल्जाम अपने सिर ले रहा है लेकिन दुनिया से बिदा हो चुकी बेटी पर कोई इल्ज़ाम आने से बचाव कर रहा है। क्या स्वयं भारी खर्च कर बेटी को राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बनाने और उस के लिए ट्रेनिंग अकादमी खुलवा कर देने वाला पिता अकादमी बंद कराने के लिए बेटी को गोली से उड़ा देगा? नहीं इस बेहद हैवानियत भरे कत्ल के पीछे कोई बेहद मर्माहत करने वाली वजह छिपी है जिसे एक पिता अपनी ही बेटी के कत्ल के कलंक को माथे पर लगा कर फांसी के फंदे के नजदीक पहुंच कर भी ईजजत और समाज के नाम पर जगजाहिर करने से बचने की कोशिश कर रहा है। यह दिल दहलाने वाली घटना हर बेटी और पिता के लिए भी एक सबक है कि वह लाड प्यार के साथ परवरिश करें लेकिन बच्चों को अपनी सामाजिक मान्यताओं वर्जनाओं के प्रति भी आगाह और सचेत करते रहे ताकि फिर कोई दीपक यादव और राधिका सामने न आए।

जान के बदले जान!

केरल के पलक्कड़ जिले की रहने वाली निमिषा एक साधारण परिवार से आती हैं और उनकी मां प्रेमा कुमारी कोच्चि में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करती हैं। भारत के केरल से यमन गई नर्स निमिषा प्रिया को एक केस में मौत की सजा दी गई है। 16 जुलाई को उन्हें सजा दी जानी थी लेकिन समय रहते विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी है कि फिलहाल उसकी मौत की सजा को टाल दिया गया है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि आखिर यमन में मृत्युदंड के प्रावधान और मौत की सजा इतनी खौफनाक क्यों है, जो सुनने वालों की रूह तक कंपा देती है। बता दें कि केरल की उसी नर्स निमिषा प्रिया को मौत की सजा 16 जुलाई को मुकर्रर की गई थी। लेकिन सना (यमन की राजधानी) की एक जेल में बैठी 40 वर्षीय निमिषा प्रिया की जिंदगी पर आया ये संकट फिलहाल कुछ समय के लिए टल गया है। बहरहाल अपने परिवार की आर्थिक हालत को देखते हुए रोजी-रोटी की तलाश में निमिषा यमन गई थीं, जहां वह मौत की सजा का सामना करने के लिए घुट रही है। सवाल है कि आखिर निमिषा ने ऐसा क्या किया था, जो उसे मौत की सजा मिली है। तो बात है साल 2017 की। निमिषा को यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। खबरों के अनुसार महदी और निमिषा एक प्राइवेट क्लिनिक के बिजनेस पार्टनर थे। लेकिन एक दिन अचानक महदी की मौत हो जाती है। आरोप ये है कि निमिषा ने उसे ड्रग्स का ओवरडोज देकर मार डाला और तलाल अब्दो महदी का शव पानी की टंकी में डाल दिया। लेकिन निमिषा का पक्ष बिल्कुल अलग है। उनका कहना है कि तलाल महदी ने उनका पासपोर्ट छीन कर उसे यहां जबरदस्ती रोका और लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया गया। अब जेल में बंद निमिषा 7 साल बाद मौत की सजा के करीब है। बता दें कि भारत की तरह यमन में मौत की सजा के लिए फांसी नहीं दी जाती, बल्कि सजा-ए-मौत में दिल पर गोली मारी जाती है। इस प्रक्रिया में मौत की सजा पाए दोषी को चेहरे के बल किसी गलीचे या कंबल पर लिटाया जाता है। एक डॉक्टर उसकी पीठ पर दिल के स्थान पर निशान बनाता है और जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से सीधा उस निशान पर गोली चलाता है। हालांकि यमन में कुछ मामलों में अपराधी को मौत की सजा के लिए गोली मारने से पहले कोड़े भी मारे जाने की सजा है। इसके अलावा पत्थर मारकर भी मौत की सजा देने, सिर कलम करने या फिर खुलेआम फांसी देने की सजाएं भी दी जाती हैं लेकिन इन तरीकों का इस्तेमाल आम तौर पर अब नहीं किया जाता है। बता दें कि मुख्य तौर पर यमन पीनल कोड के तहत मौत की सजा के प्रावधान को लेकर तीन श्रेणियां हैं। इसमें डकैती, व्याभिचार, धर्मत्याग, समलैंगिकता जैसे अपराध आते हैं और शरिया कानून को मानते हुए मौत की सजा दी जाती है, जिसे हदूद अपराध कहते हैं। किसास अपराध के तहत 'आंख के बदले आंख' और 'जान के बदले जान' जैसे प्रावधान रखे गए हैं। ऐसे मामलों में पैसे लेकर पीड़ित का परिवार दोषी को माफ भी कर सकता है और इस रकम को 'ब्लड मनी' कहा जाता है। ताजीर अपराध में मुल्क के खिलाफ किए गए देशद्रोह, आतंकवाद और जासूसी जैसे अपराध आते हैं, जिसमें मृत्युदंड की सजा दिए जाने का प्रावधान है।

कचरे से सोना बनाने का गडकरी फार्मूला

अशोक भाटिया

किसी समय कांग्रेस नेता राहुल गाँधी का एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा था जिसमें वह कहते सुने जा रहे थे कि वे एक ऐसी मशीन लाऊंगा जिसमें एक तरफ आलू डालेंगे तो दूसरी तरफ सोना निकलेगा . अब पता नहीं वह बात हकीकत थी या मजाक . पर अब केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत का कचरा एक बड़ा मौका है। उन्होंने कहा कि अगर ठोस और तरल कचरे को उपयोगी चीजों में बदल दिया जाए तो यह 5 लाख करोड़ रुपये का कारोबार बन सकता है। मुंबई में टाइम्स ऑफ इंडिया सोशल इम्पैक्ट समिट में गडकरी ने कहा कि कचरे से ऊर्जा बनाकर देश में रोजगार बढ़ाया जा सकता है। इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा।इसके लिए गडकरी ने अपने क्षेत्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे कचरे से पैसा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'पिछले नौ सालों से मैं अपने क्षेत्र से ट्रीट किए हुए टॉयलेट के पानी को बेच रहा हूं, जिससे हर साल 300 करोड़ रुपये कमा रहा हूं।' उन्होंने मथुरा में चल रहे एक कचरा ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वहां कचरे को ऑर्गेनिक तरीके से ट्रीट किया जाता है। इससे निकलने वाले कीचड़ को बायो-फ्लोकुलेंट्स में बदला जाता है। गडकरी ने बताया कि पहले यह गंदा पानी यमुना नदी में जाता था। अब इंडियन ऑयल रिफाइनरी इसे इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा, 'अगर हम इसे पूरे देश में लागू करें तो इसमें बहुत संभावनाएं हैं।'

गडकरी ने कहा कि हम सही तरीके से हम कचरे को धन में बदल सकते हैं, नौकरियां पैदा कर सकते हैं और पर्यावरण की समस्याओं को हल कर सकते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि प्लास्टिक से ईंधन बनाया जा सकता है, सीवेज के पानी को इंडस्ट्रियल पानी में बदला जा सकता है और कचरे से ऐसी चीजें बनाई जा सकती हैं जिन्हें बेचा जा सके।उन्होंने बिजली बनाने के लिए बायोमास (जैविक कचरा) के इस्तेमाल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि पहले थर्मल प्लांट कोयले से बिजली बनाते थे। अब एनटीपीसी और महाराष्ट्र सरकार बायोमास का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे 'वाइट कोल' भी कहते हैं। उन्होंने बताया कि इससे बिजली बनाने में 7 रुपये प्रति यूनिट का खर्च आता है, लेकिन यह कोयले से ज्यादा साफ है।

गडकरी ने जमीन को फिर से उपजाऊ बनाने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'हमने 1.5 लाख हेक्टेयर जमीन को विकसित करने के लिए 5 करोड़ रुपये का निवेश किया है।' उनके अनुसार भारत की 17 प्रतिशत जमीन बंजर है। उन्होंने सुझाव दिया कि बायोमास बनाने के लिए बांस के पेड़ लगाए जा सकते हैं। खनन क्षेत्रों के पास पेड़ लगाकर कार्बन क्रेडिट कमाया जा सकता है। कार्बन क्रेडिट यानी पर्यावरण को बचाने के लिए मिलने वाला इनाम।

ठीक है गडकरी आज यह बात कह रहे है इसके पूर्व मेरठ में भाजपा नेता धर्मपाल सिंह ने एक अनोखा बयान दिया था कि "कचरे से बनेंगे कंचन"। धर्मपाल सिंह कूड़े से सोना बनाने की मशीन के बारे में ऐलान किया, और बताया कि यह मशीन जल्द ही मेरठ में तैयार की जाएगी। मंत्री का कहना था कि यह एक सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा, जिससे कचरे का सही तरीके से निस्तारण किया जा सकेगा और नई ऊर्जा और संसाधनों का निर्माण किया जा सकेगा। उन्होंने आगे कहा कि कचरा प्रबंधन के तहत यह मशीन कूड़े से सोना बनाने का काम करेगी, जिससे शहर को स्वच्छ रखने में मदद मिलेगी और साथ ही यह आर्थिक रूप से भी लाभकारी साबित होगा।

बताया जाता है कि ई-कचरे को 550 से 700 डिग्री सेल्सियस तक दो से तीन घंटे तक गरम किया जाता है। इसके बाद इससे सोना चांदी तांबा समेत अन्य विभिन्न प्रकार की धातुएं बाहर निकलती हैं।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर केके पंत के नेतृत्व में छात्रों द्वारा ही एक ऐसी तकनीक को विकसित किया गया है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) को रिसाइकिल करके सोना एवं चांदी समेत कई अन्य धातुओं को निकाला जा सकेगा।जानकारी के मुताबिक, केंद्र सरकार के विज्ञान एवं तकनीक विभाग के कचरा प्रबंधन कार्यक्रम के अधीन इस तकनीक को विकसित किया है।

उन्होंने एक संवाददाता सम्मलेन में सिंगापुर से बातचीत में बताया कि यह एक तरह की मशीन है, जिससे हर दिन 50 किलो के ई-वेस्ट को रिसाइकिल किया जा सकता है। इस मशीन के अंदर ई-वेस्ट जैसे मोबाइल, लैपटॉप, बैटरी आदि को डालकर उसे 550 से 700 डिग्री सेल्सियस तक दो से तीन घंटे तक गरम किया जाता है। इसके बाद इससे सोना, चांदी, तांबा समेत अन्य विभिन्न प्रकार की धातुएं बाहर निकलती हैं।

बताया जा रहा है कि ऐसे में अगर एक टन ई-वेस्ट को रिसाइकिल किया जाए तो इससे 300 ग्राम सोना, 650 ग्राम चांदी एवं 200 ग्राम तक तांबा निकलेगा। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता की दृष्टि से अच्छे मोबाइल फोन से ज्यादा मात्रा में सोना-चांदी निकलता है। इन मोबाइल फोन को अगर रिसाइकिल किया जाए तो सोना-चांदी निकलने की मात्रा में और इजाफा हो सकता है।

प्रो. केके पंत ने बताया कि तीन साल की कड़ी मेहनत के बाद इस तकनीक को विकसित किया है। अभी इस पर और भी काम चल रहे हैं। संस्थान की लैब के अंदर इसे तैयार किया गया है। इसमें संस्थान के केमिकल इंजीनियरिंग से पीएचडी कर रहे छात्र प्रशांत यादव ने भी काम किया है।

प्रशांत ने छात्रों का नेतृत्व किया है।पंत ने बताया है कि भविष्य में इस मशीन के जरिये प्लास्टिक को भी रिसाइकिल किया जा सकेगा। जिसका उपयोग ईंधन के रूप में किया जा सकेगा। इस तकनीक को निजी क्षेत्र में भी पहुंचाने के लिए बातचीत की जा रही है। साथ ही सरकार के साथ मिलकर भी कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में इस पर काम किया जाएगा। यह तकनीक कचरा प्रबंधन क्षेत्र, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग एवं धातुएं बनाने वाले उद्योग के लिए भी लाभदायक होगी।

यहां पर बता दें कि ई-कचरा सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन चुका है, क्योंकि इसे नष्ट करना बेहद दूभर होता है। खासकर प्लास्टिक और धातु से बने सामान को नष्ट करना काफी लंबी प्रक्रिया है। भारत समेत दुनिया के तमाम बड़े देश ई-कचरा के प्रबंधन पर तेजी से काम कर रहे हैं, जिससे आने वाले कुछ सालों में इस पर लगाम लगाई जा सके और ई-कचरा को उचित तरीके से ठिकाने लगाया जा सके।

एआई भारत के सफेदपोश नौकरी बाजार को कैसे प्रभावित करेगा?

विजय गर्ग

एआई भारत के सफेदपोश नौकरी बाजार में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने के लिए तैयार है, जिसमें चुनौतियों और अवसरों दोनों की विशेषता है। यहाँ प्रमुख प्रभावों का टूटना है: 1.। नौकरी विस्थापन और पुनर्जीवनः

दोहराए जाने वाले कार्यों का स्वचालनः एआई नियमों-आधारित, दोहराव और प्रक्रियात्मक कार्यों को स्वचालित करने में उत्कृष्टता देता है। यह आंशिक या पूर्ण स्वचालन के उच्च जोखिम पर डेटा प्रविष्टि, गुणवत्ता निरीक्षण, मांग पूर्वानुमान, भाषा अनुवाद और कुछ प्रशासनिक और लिपिक भूमिकाओं (जैसे चालान प्रसंस्करण और शेड्यूलिंग) को शामिल करता है।

एंट्री-लेवल रोल्स पर प्रभावः कई एंट्री-लेवल व्हाइट-कॉलर जॉब्स, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी (कोडिंग), ग्राहक सहायता, तकनीकी सहायता और सामग्री निर्माण जैसे क्षेत्रों में, एआई स्वचालन के लिए अतिसंवेदनशील के रूप में देखे जाते हैं। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले पांच वर्षों के भीतर वर्तमान प्रवेश स्तर की कार्यालय भूमिकाओं का 50% तक समाप्त किया जा सकता है। मौजूदा नौकरियों की बदलती प्रकृतिः एकमुश्त प्रतिस्थापन के बजाय, एआई कई मौजूदा व्यवसायों को बढ़ाएगा। उदाहरण के लिए, कॉपीराइटर एआई का उपयोग पहले ड्राफ्ट उत्पन्न करने के लिए कर सकते हैं, जिससे वे गहरे कथा विकास और रणनीतिक सामग्री योजना पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इसी तरह, एनालिटिक्स में एआई की सहायता से लेखा परीक्षा, अनुपालन और वित्तीय रणनीति के लिए एकाउंटेंट महत्वपूर्ण रहेंगे।

पर्यवेक्षी और अनुपालन भूमिकाएंः एआई उपकरण पर्यवेक्षी भूमिकाओं (निगरानी और प्रबंधन प्रणालियों द्वारा) और अनुपालन भूमिकाओं (जैसे गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षकों और आईटी समर्थन) को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं। 2.। नई नौकरी भूमिकाओं का निर्माणः

विशिष्ट एआई-संबंधित नौकरियांः एआई का उदय एक साथ नई, विशेष भूमिकाएं बना रहा है। इनमें प्रॉम्प्ट इंजीनियर, एआई सपोर्ट इंजीनियर, डेटा एनोटेशन स्पेशलिस्ट, साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट, एआई एथिक्स असिस्टेंट, विज़ुअलाइज़ेशन एक्सपर्ट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) एक्सपर्ट्स जैसे पोजिशन शामिल हैं।

मानव-केंद्रित कौशल की आवश्यकता वाली भूमिकाएंः नौकरियां जो मानव निर्णय, सहानुभूति, महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता, रणनीतिक संचार और भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर बहुत अधिक भरोसा करती हैं, एआई की पहुंच के लिए अधिक लचीला साबित हो रही हैं। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, नेतृत्व और परामर्श में पेशे शामिल हैं। 3। अपस्किलिंग और रिस्किलिंग इम्पीरेटिवः

कौशल अतिरेकः भारतीय श्वेत-कॉलर कर्मचारियों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत (2024 के आईआईएम अहमदाबाद अध्ययन में लगभग 40%) का अनुभव है कि एआई के कारण उनके वर्तमान कौशल बेमानी हो जाएंगे।

डिमांड-सप्लाई गैपः भारत को 2027 तक एक मिलियन से अधिक कुशल एआई पेशेवरों की अनुमानित कमी के साथ बड़े पैमाने पर अपस्किलिंग की तत्काल आवश्यकता का सामना करना पड़ता है। एआई से संबंधित नौकरियों की मांग उपलब्ध प्रतिभा का 1.52 गुना होने का अनुमान है।

फ्यूचर-रेडी स्किल्स पर ध्यान देंः एआई-संचालित अर्थव्यवस्था में पनपने के लिए, व्यक्तियों और संगठनों को निरंतर सीखने को प्राथमिकता देनी चाहिए और उन कौशलों को विकसित करना चाहिए जिन्हें एआई दोहरा नहीं सकता है। इसमें एआई और मशीन लर्निंग में तकनीकी कौशल, साथ ही समस्या-समाधान, अनुकूलनशीलता और महत्वपूर्ण सोच जैसे नरम कौशल शामिल हैं।

सरकार और उद्योग पहलः एआई प्रतिभा अंतर को पाटने के लिए शैक्षिक संस्थानों और उद्योग के बीच स्किल इंडिया डिजिटल हब और सहयोग जैसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। 4। उद्योग-विशिष्ट प्रभावः आईटी सेक्टरः आईटी सेक्टर, कभी भारत में व्हाइट-कॉलर नौकरियों के लिए एक प्रमुख इंजन, पहले से ही बदलाव देख रहा है। जबकि AI नए अवसर बनाता है, स्वचालन के रूप में कुछ पारंपरिक आईटी भूमिकाओं में गिरावट का भी चलन है।

वित्तीय सेवाएँः AI- संचालित धोखाधड़ी का पता लगाना, एल्गोरिथम ट्रेडिंग, और जोखिम मूल्यांकन वित्तीय सेवाओं को बदल रहे हैं, जिससे लेनदेन सुरक्षित और अधिक कुशल हो रहे हैं।

विनिर्माणः एआई उत्पादन योजना, स्मार्ट स्वचालन और विनिर्माण में अनुसंधान और विकास का अनुकूलन कर रहा है, जिससे दक्षता में वृद्धि और लागत में कमी आई है।

छांगुर को पहचानने में 8 वर्षों तक कैसे चूकी सरकार?

कमलेश पांडेय

हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में एटीएस के शिकंजे में आए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर के मंसूबे कहीं ज्यादा घातक थे, ऐसा उसकी अलग-अलग गतिविधियों से पता चलता है। इसलिए सवाल है कि उत्तरप्रदेश में पिछले 8 सालों से योगी सरकार होने के बावजूद जिस तरह से हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराया गया, यह प्रशासन और खुफिया इकाई के मुंह पर किसी तमाचे से कम नहीं है। सच कहूं तो यह उनकी विफलता का द्योतक है। इसलिए आशंका तो यह है कि इस पूरे खेल में योगी सरकार के ही कुछ मंत्री और उनके भरोसेमंद अधिकारी भी शामिल रहे होंगे, अन्यथा इस बात के खुलासे में इतना विलंब नहीं होता।

दबी जुबान में लोगों के इशारे हैं कि यदि केंद्रीय गृह मंत्रालय इस एंगल से भी जांच करवाए तो योगी प्रशासन के दूरगामी हित के लिए बेहतर रहेगा। यहां के सियासी हल्के में जो लोग बार-बार मुख्यमंत्री बदलने की मांग कर रहे थे, संभव है कि उनके तार भी ऐसे गिरोह से जुड़े हों। ऐसा इसलिए कि अमेरिका-चीन के इशारे पर और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से भारत के इस्लामीकरण की जो देशव्यापी साजिश कुछ भारतीय राजनीति दलों के परोक्ष समर्थन से जारी है, उसका बहुत छोटा सा इलाकाई प्यादा जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा है जो कि धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार हुआ है।

इसलिए अब आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में इस प्रकरण की गम्भीर जांच हो और कुछ बड़ी मछलियों के साथ साथ उन छोटी मछलियों को भी पकड़ा जाए, जो हिंदुओं के धर्मांतरण के खेल में शामिल हैं। यही नहीं, वहां के राज्य प्रशासन के कुछ अधिकारियों की चुप्पी को भी टटोला जाए ताकि बड़े-बड़े खुलासे हो सकें। खासकर महानगरों व बड़े नगरों पर भी इसी दृष्टि से नजर दौड़ाई जाए। विशेष तौर पर एक धर्मांतरण जांच प्रकोष्ठ बने, जो सतत निगाह रखे।

ऐसा इसलिए कि जमालुद्दीन उर्फ छांगुर को लेकर जो नए नए खुलासे हो रहे हैं, उसमें गम्भीर खुलासा यह हुआ है कि छांगुर ने जमीनों में भी खूब पैसा लगाया था। तभी तो हर खरीद व बिक्री पर मुनाफे की रकम छांगुर तक पहुंचती थी जो धर्म परिवर्तन कराने में खर्च होता था। स्पष्ट है कि उत्तरप्रदेश के बलरामपुर जनपद में अवैध धर्मांतरण को आगे बढ़ाने के लिए छांगुर ने कई दांव-प्रतिदाँव चले थे। वह इतना शातिर है कि लोकल अधिकारियों को मैनेज करके व लोगों को अनुचित लाभ देकर खुद की टीम से जोड़ने के लिए प्रॉपर्टी का कार्य भी करा रहा था।

बताया गया है कि उसके इस काम को महबूब और नवीन रोहरा देखते थे जिससे अच्छी आमदनी होती थी और पूरा का पूरा मुनाफा धर्म परिवर्तन कराने में खर्च होता था। वहीं यह भी पता चला है कि पहले लोगों को प्रभावित करने के लिए छांगुर उन्हें रुपये बांटता था और फिर इस्लाम धर्म कबूल करने का दबाव बनाता-बनवाता था। उदाहरणतया, उत्तरौला में ही छांगुर ने छह स्थानों पर बेशकीमती जमीन खरीदी है। इसके अलावा, शहर में दो कॉम्प्लेक्स भी बनवाए हैं।

इसके साथ ही साथ प्लॉटिंग भी कर रहा था। इस बारे में छांगुर के राजदार रहे एक व्यक्ति ने एक मीडिया से बातचीत करते हुए बताया है कि छांगुर धर्म परिवर्तन कराने के लिए कई तरह से रुपये बांटता था।

क्या इंडिया में टिक पाएगी टेस्ला ?

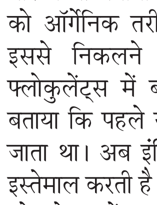

अजय कुमार

मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की चमचमाती सड़कें, शीशे के भव्य शोरूम में खड़ी एक कार और बाहर भीड़ का उत्साह 15 जुलाई की सुबह कुछ ऐसी ही थी, जब भारत में टेस्ला ने आधिकारिक तौर पर कदम रखा। टेस्ला यानी उस सपने का नाम, जो अमेरिका में नवाचार की पहचान बन चुका है। लेकिन भारत में यह सपना साकार होगा या फिर वही हश्र होगा जो पहले भी कई विदेशी कंपनियों का हुआ, यही सवाल आज देश का हर गंभीर ऑटो विशेषज्ञ पूछ रहा है।टेस्ला की Model Y भारत में लॉन्च हुई है, जिसकी कीमत 60 लाख से 70 लाख के बीच है। यह गाड़ी आम आदमी के सपनों से कहीं दूर है, और इसीलिए यह चर्चा का विषय बन गई है। भारत में जहां कारों की औसत कीमत 11.5 लाख है, वहीं टेस्ला की शुरुआती कीमत छह गुना अधिक है। सवाल यह नहीं कि टेस्ला महंगी क्यों है, सवाल यह है कि भारत जैसे मूल्य-संवेदनशील बाजार में क्या वह टिक पाएगी?

भारत में गाड़ी खरीदना केवल यात्रा का जरिया नहीं, यह स्टेटस सिंबल भी है। लेकिन स्टेटस के साथ-साथ भारतीय ग्राहक "वैल्यू फॉर मनी" भी चाहता है। भारत में आज भी SUV सेक्टर में 20-30 लाख की रेंज में टाटा, महिंद्रा और हुंडई जैसी कंपनियों का बोलबाला है। टेस्ला अगर इस रेंज में आती तो शायद बड़ी हलचल मचती, लेकिन 60 लाख से ऊपर की रेंज में वो खरीदारों का एक सीमित तबका ही पकड़ सकती है। और यह सीमित तबका भी टेस्ला के लिए आसान नहीं होगा। भारत में मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और पोर्शे पहले से इस प्रीमियम सेगमेंट में मौजूद हैं। साल 2024 में भारत में 50 लाख से ऊपर की गाड़ियों की हिस्सेदारी मात्र 1 से 1.5% थी। यानी 100 में से सिर्फ एक या दो खरीदार ही इस रेंज में खर्च करते हैं। टेस्ला को इन्हीं के बीच अपनी जगह बनानी होगी।

यही नहीं, भारत की EV नीति और इंपोर्ट टैक्स भी टेस्ला के लिए बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल जो मॉडल लॉन्च किए गए हैं, वे चीन की शंघाई फैक्ट्री से आयातित हैं। और भारत में इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70% से ज्यादा इंपोर्ट ड्यूटी लगती है। यही कारण है कि टेस्ला की कीमतें भारत में दो गुना हो जाती हैं। अगर कंपनी भारत में मैन्युफैक्चरिंग शुरू करती है और सरकार की नई EV नीति के तहत 4,150 करोड़ का निवेश करती है, तो उसे इंपोर्ट ड्यूटी में राहत मिल सकती है। लेकिन मस्क इस पर अब तक कोई साफ संकेत नहीं दे पाए हैं।अब बात करें ब्रांड के भावनात्मक पक्ष की। भारत में आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स की भी सीमित पहुंच है। आज भी भारत में एप्पल की बाजार हिस्सेदारी केवल 7–12% है, जबकि अमेरिका में यह 40% के आसपास है। इसका सीधा अर्थ है कि भारत के मध्यम वर्ग में महंगे ब्रांड्स का क्रेज तो है, लेकिन जेब उतनी मजबूत नहीं। ऐसे में टेस्ला को भी वही चुनौती झेलनी होगी, जो एप्पल झेल रही है "ब्रांड दिखे, पर बिके नहीं।"

उद्योग जगत भी इस एंट्री को लेकर सतर्क है। एक प्रमुख भारतीय ऑटोमोबाइल ग्रुप के अध्यक्ष ने तो एलन मस्क को सोशल मीडिया पर चुनौती देते हुए लिखा ₹चार्जिंग स्टेशन पर मिलते हैं!₹ यह सिर्फ एक मजाक नहीं, बल्कि एक सीधा संदेश है कि टेस्ला को भारतीय ब्रांड्स हल्के में नहीं लेने वाले। टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी कंपनियां पहले ही 10 से 25 लाख की रेंज में EV गाड़ियाँ उपलब्ध करा रही हैं, जो आम भारतीयों की जरूरत और बजट दोनों से मेल खाती हैं।

दुनिया का एकमात्र ओडिशा का शिव मंदिर जहां महादेव को चढ़ता है तुलसी का पत्ता

सावन का पावन महीनाचल रहा है। ऐसे में देवों के देव महादेव का आशीर्वाद पाने के लिए शिवालयों में भक्तों की रोज लंबी कतार लग रही है। वहीं, शिव के प्रमुख धाम, जिन्हें ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजा जाता है, यहां पहुंचने वाले शिवभक्तों की संख्या में भी खासी वृद्धि है। ऐसे में इस पावन महीने में हम आपको शिव के एक ऐसे धाम के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें ज्योतिर्लिंगों के राजा के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जहां महादेव को तुलसी दल अर्पित किया जाता है।

बारह ज्योतिर्लिंग के राजा भगवान लिंगराज

वैसे आपको बता दें कि महादेव की पूजा में तुलसी दल का प्रयोग वर्जित है। लेकिन, यह मात्र एक ऐसा मंदिर है, जहां महादेव को तुलसी दल का भी भोग लगाया जाता है। ज्योतिर्लिंग के राजा के रूप में पूजे जाने वाले महादेव का यह मंदिर ओडिशा में स्थित है और इसे भगवान लिंगराज का मंदिर कहा जाता है। लिंगराज शब्द का अर्थ है "लिंगम के राजा", जो द्वादश ज्योतिर्लिंग के राजा हैं। ऐसे में ज्योतिर्लिंग के राजा के रूप में यहां इनकी पूजा भी होती है, इन्हें 'त्रिभुवनेश्वर' भी कहा जाता है और इसी से इस शहर का नाम भुवनेश्वर पड़ा, ऐसा माना जाता है। इस मंदिर का प्रांगण इतना विशाल है कि इसमें छोटे-बड़े 150 मंदिर हैं। लिंगराज मंदिर के इस विशाल प्रांगण में भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंग के मंदिर के साथ ही भगवान शिव के कुल 108 मंदिर स्थित हैं।

भुवनेश्वर, जिसे "भारत का मंदिर शहर" भी कहा जाता है, में स्थित लिंगराज मंदिर यहां का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। इस मंदिर की स्थापना के बारे में कहा जाता है कि 10वीं और 11वीं शताब्दी के बीच इसका निर्माण कराया गया था। यहां लिंग रूप में भगवान हरिहर विराजते हैं। हरि का मतलब है विष्णु और हर का मतलब शिव, ऐसे में यहां महादेव के साथ ही भगवान विष्णु की भी पूजा होती है।मरीची कुंड में स्नान से मिलता संतान सुख

मंदिर के प्रांगण में एक छोटा सा कुआं है, जिसे मरीची कुंड कहा जाता है। इसको लेकर मान्यता है कि जिस महिला को संतान से जुड़ी परेशानियां हैं, वह यहां स्नान करे तो उन्हें परेशानियों से मुक्ति मिलती है और संतान की प्राप्ति होती है।

स्वयंभू हैं लिंगराज

इस मंदिर के बारे में इतिहास में वर्णित है कि इसका निर्माण सोमवंशी राजा ययाति प्रथम ने करवाया था। इस लिंगराज मंदिर की महत्ता के पीछे की वजह है कि यहां विराजे लिंगराज स्वयंभू हैं। यह दुनिया का अकेला मंदिर है, जहां भगवान शिव को बेलपत्र के साथ तुलसी दल भी अर्पित किया जाता है। इसका कारण यह है कि यहां भगवान शिव और विष्णु एक साथ विराजते हैं।

मंदिर में लिंगराज के रूप में विराजित स्वयंभू शिवलिंग का आकार बेहद खास है। इसका व्यास 8 फुट और ऊंचाई 8 इंच है। इस मंदिर में गैर हिंदुओं का गर्भगृह में प्रवेश वर्जित है। इस भव्य प्राचीन संरचना की झलक पाने हेतु परिसर के बाहर एक मंच बनाया गया है।

शैव और वैष्णव के मिलन का प्रतीक

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर का वर्णन ब्रह्म पुराण के साथ स्कंद पुराण और कपिला संहिता में मिलता है। इस मंदिर का एक रोचक पहलू यह है कि यह हिंदू धर्म के दो प्रमुख संप्रदायों शैव और वैष्णव के मिलन का प्रतीक है।

लिंगराज मंदिर के पास प्रसिद्ध मुक्तेश्वर मंदिर, राजरानी मंदिर, अनंत वासुदेव मंदिर, ब्रह्मेश्वर मंदिर और परशुरामेश्वर मंदिर स्थित हैं। ये सभी मंदिर हिंदू धर्म के लिए पवित्र हैं और अपनी मनमोहक वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। लिंगराज मंदिर की ऊंचाई 180 फीट है, जो भगवान जगन्नाथ के मंदिर से भी ज्यादा ऊंचा है। इसे 1984 से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

राहु के साथ केतु का भी नक्षत्र परिवर्तन

केतु 20 जुलाई को पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं और इसी दिन राहु भी पूर्वभाद्रपद नक्षत्र गोचर करेंगे। राहु और केतु को छाया ग्रह माना गया है और दोनों साथ साथ राशि और नक्षत्र परिवर्तन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, केतु के नक्षत्र परिवर्तन करने से 5 राशियों को जीवन के हर क्षेत्र में लाभ मिलेगा और धर्म कर्म के कार्यों में मन लगेगा। आइए जानते हैं केतु के नक्षत्र परिवर्तन करने से किन किन राशियों को फायदा होगा।

राहु पूर्वभाद्रपद नक्षत्र में तो केतु 20 जुलाई को पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करने वाले हैं। वैदिक ज्योतिष में केतु को राहु का दूसरा भाग माना गया है और यह कोई भौतिक ग्रह नहीं है बल्कि यह एक छाया ग्रह है। केतु मोक्ष, पिछले जन्म के कर्म, अध्यात्म, वैराग्य आदि का प्रतिनिधित्व करते हैं। राहु और केतु हमेशा वक्री यानी उल्टी दिशा में चलते हुए प्रतीत होते हैं और जब ये राशि या नक्षत्र परिवर्तन करते हैं, तब इसका प्रभाव देश दुनिया समेत मेष से मीन तक सभी 12 राशियों पर पड़ता है। आज हम आपको 5 ऐसी राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको केतु के नक्षत्र गोचर से लाभ होने वाला है। इन राशइ के लोग आइए जानते हैं केतु के पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में गोचर किन किन राशियों को लाभ मिलने वाला है।

केतु के नक्षत्र गोचर से वृषभ राशि वालों को अच्छा फायदा होगा और पारिवारिक समस्याएं कम होती जाएंगी। वैवाहिक जीवन में अगर समस्या चल रही है तो वह दूर हो जाएगी और जीवनसाथी का भी कदम कदम पर सहयोग मिलेगा। केतु के शुभ प्रभाव से आप हर काम को ईमानदारी और मेहनत से पूरा करेंगे और सफल भी होंगे। धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने से आपकी आंतरिक इच्छाएं जागृत होंगी। आप छोटी धार्मिक यात्राएं करेंगे और अपने दोस्तों, परिवार और भाई-बहनों के साथ पूजा स्थलों पर जाने पर अधिक जोर देंगे।

केतु का पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में गोचर करना कन्या राशि वालों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होने वाला है। इस समय कन्या राशि वाले वाहन या संपत्ति खरीद सकते हैं और परिजनों के साथ किसी तीर्थयात्रा पर भी जा सकते हैं। आप अपनी मां और सास के साथ अच्छे संबंध बनाए रख सकते हैं। सरल कार्यों से आपकी सभी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं और योजनाएं सफल होंगी। उनका स्वास्थ्य सुरक्षित रहेगा और वे सफल गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। इस राशि के नौकरी पेशा जातकों के अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छे होंगे और अपने सभी टारगेट आसानी से पूरे करेंगे।

केतु का पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में गोचर तुला राशि वालों के लिए बहुत शुभ साबित होने वाला है।

केतु के शुभ प्रभाव से तुला राशि वालों की सुख सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और घर की मरम्मत या साज सजावट का कार्य भी करवा सकते हैं। बिजनस में आपके द्वारा की गई मेहनत सफल होगी और आप हर कार्य में सफल होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। यह समय सामाजिक नेटवर्किंग को मजबूत करने के लिए अनुकूल है और विभिन्न सौदों के माध्यम से लाभ कमाने के अवसर होंगे।

केतु का नक्षत्र गोचर मकर राशि वालों के लिए अलग-अलग तरीकों से लाभकारी होगा। केतु के शुभ प्रभाव से मकर राशि वालों का भाग्योदय होगा, जिससे अधूरे कार्य पूरे होंगे और धन प्राप्ति के नए नए अवसर मिलेंगे।

करियर में उन्नति और उच्च पद प्राप्त करने के अवसर मिल सकते हैं और आप अपने ऑफिस में बड़े प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे। मकर राशि वालों की केतु की वजह से धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी और वे विभिन्न सौदों से लाभ कमा सकते हैं। इस अवधि के दौरान संपत्ति और निवेश से भी लाभ मिलने की संभावना है।

केतु का नक्षत्र गोचर मीन राशि वालों के लिए फायदेमंद रहने वाला है। मीन राशि वालों की किस्मत जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उनका साथ देगी।

साथ ही करियर में अप्रत्याशित प्रगति के अवसर मिल सकते हैं और परिवारिक जीवन में खुशियां बनी रहेंगी। इस समयावधि में उनकी व्यक्तित्व में सुधार होगा और कई खास लोगों से आपकी जान-पहचान भी बढ़ेगी। लव लाइफ में सकारात्मकता आएगी और आपसी समझ मजबूत होगी। इस समय विवाहित जीवन बहुत अच्छा रहेगा और आपके काम और व्यवसाय में सफलता मिलेगी।

खाना खाने और दवाइयां रखने की सही दिशा दिलाएगी राहत

हमारे जीवन में जब भी कोई समस्या आती है, तो हम सबसे पहले उस कारण की तलाश करते हैं। यह देखा गया है कि घर के वास्तु दोष अक्सर बीमारियों को बढ़ावा देते हैं। किसी घर में वास्तु दोष होने पर घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे मानसिक और शारीरिक समस्याएं पैदा हो सकती हैं। खासकर, जब किसी घर के लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं, तो यह संकेत हो सकता है कि घर में कुछ वास्तु संबंधी समस्याएं हैं।

खाना खाने की दिशा में बदलाव करें

आपके भोजन करने की दिशा का आपकी सेहत पर गहरा असर पड़ता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि यदि आप भोजन करते समय सही दिशा का ध्यान नहीं रखते हैं, तो इससे पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है, और जीवन में तनाव भी बढ़ सकता है।आपको यह ध्यान रखना चाहिए कि भोजन करते वक्त आपका मुंह पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए। इन दिशाओं में भोजन करने से आपका पाचन तंत्र मजबूत रहेगा और आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। यदि आप गलत दिशा में बैठकर खाना खाते हैं, तो इससे पेट की समस्याएं हो सकती हैं और शरीर में कमजोरी आ सकती है।

दवाइयों को रखने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि दवाइयों को सही दिशा में रखना बहुत जरूरी है। दवाइयों को घर के उत्तर-पूर्व दिशा में रखना सबसे अच्छा माना जाता है। यह दिशा बृहस्पति ग्रह से जुड़ी हुई है, जो आपकी सेहत और जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।अगर दवाइयां गलत दिशा में रखी जाती हैं, तो यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकती है और आपकी बीमारी को बढ़ा सकती है। इसलिए दवाइयों को सही दिशा में रखना आपके लिए एक सरल और प्रभावी उपाय हो सकता है।

वास्तु के अन्य जरूरी उपाय

-सकारात्मकता के लिए प्लांट लगाएं: घर में ऐसे पौधे लगाएं, जो सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा दे सकें। जैसे तुलसी का पौधा, आंवला, एलोवेरा आदि, जो न सिर्फ वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं।

-दवाइयों को घर के किसी अन्य स्थान पर न रखें: घर के किसी भी अन्य स्थान पर दवाइयां न रखें, क्योंकि इससे घर में नकारात्मकता फैल सकती है। दवाइयां हमेशा उचित स्थान पर रखें, जैसे उत्तर-पूर्व दिशा में।

अगर कुंडली में है पितृ दोष तो सावन में जरूर करें ये 5 उपाय

हिन्दू धर्म में सावन के महीने का शिव भक्तो को बेसब्री से इंतज़ार रहता है। शिव शंकर के प्रिय महीने की शुरुआत 11 जुलाई से शुरू हो गईं है। शास्त्रों के अनुसार, इस महीने में भगवान शिव अपने परिवार के साथ पृथ्वी पर विचरण करने आते हैं।

इसी वजह से इस पूरे महीने भगवान शिव से जुड़ी तमाम धार्मिक यात्राएं होती हैं। लोग पूरे माह मंदिर में शिवलिंग पर जल अर्पित कर भोलेनाथ का नाम स्मरण करते हैं। ज्योतिष के अनुसार, सावन का महीना पितृ दोष से मुक्ति के लिए सबसे उत्तम माना गया है। इस महीने में कुछ विशेष उपाय करके आप महादेव और पितरों का भी आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

सावन में जरूर करें यह उपाय पितृ दोष होगा दूर

– सावन में भोलेनाथ को गंगाजल अर्पित करना सबसे शुभ माना गया है। मां गंगा, भगवान शिव की जटाओं से निकली हैं, इसलिए उनका जल शिवजी को बेहद प्रिय होता है। पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाएं। ऐसा करने से जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

– भगवान शिव शंकर की कृपा से पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए सावन में मां गंगा के 108 नामों का जप करने से कई प्रकार के दोष मिटते हैं। सावन सोमवार को मां गंगा के 108 नामों का पाठ करके शिवलिंग पर जल अर्पित करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

– सावन में शिवलिंग पर जल अर्पित करते समय 'ॐ नमः शिवायः' मंत्र का जाप करें। यह मंत्र जल की पवित्रता के लिए बेहद जरूरी है और इस मंत्र का जाप करने से भगवान शिव के साथ पितरों की भी कृपा बनती है।

– सावन के दौरान पितरों का आशीर्वाद पाने के लिए उनकी तस्वीर के आगे दीपक जलाकर 'ॐ पितृभ्य नमः' और 'ॐ पितृदेवतायै नमः' मंत्र का जाप सुबह शाम करना चाहिए। मान्यता है कि इन मंत्रों का जाप करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है और कुंडली में मौजूद पितृदोष भी दूर होता है।

राजस्थान का ऐसा मंदिर, जिसे औरंगज़ेब भी मिटा नहीं पाया आज भी गूंजता है 'हर हर शंभू'!

सीकर जिले में स्थित हर्ष पर्वत को राजस्थान का केदारनाथ कहा जाता है। यहां भगवान शिव की हजारों साल पुरानी मूर्ति स्थापित है। चारों ओर पहाड़ों से घिरे इस पर्वत की ऊंचाई 3100 फीट है। इस ऊंचाई पर स्थित शिव मंदिर की यात्रा भक्तों के लिए बेहद खास होती है। खड़ी चढ़ाई, गहरी घाटियां और ऊंचाई पर भगवान शिव का चमत्कारी मंदिर लोगों को केदारनाथ जैसा अनुभव देता है। पूजा के साथ-साथ यह स्थान पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

हर्ष पर्वत, खाटूश्यामजी से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए खाटू के दर्शन के बाद श्रद्धालु आसानी से यहां पहुंच सकते हैं। माउंट आबू के बाद इसे राजस्थान का दूसरा सबसे बड़ा पर्वत माना जाता है। यहां स्थित शिव मंदिर को मुगल शासक औरंगजेब की सेना ने तहस-नहस कर दिया था, जिसके प्रमाण आज भी यहां देखे जा सकते हैं। इस पर्वत पर भगवान गणेश की विश्व की एकमात्र अर्द्धनारीश्वर रूप वाली मूर्ति भी है, जिसे गणेशी अवतार कहा जाता है। इसके अलावा यहां सफेद शिवलिंग, पंचमुखी शिवलिंग और हजार साल से भी ज्यादा पुरानी मूर्तियां मौजूद हैं।

प्राकृतिक नजारों और आध्यात्म का संगम है हर्षनाथ मंदिर

हर्ष पर्वत की ऊंचाई पर स्थापित पवन चक्कियां दूर से बेहद आकर्षक दिखाई देती हैं। जैसे-जैसे इनके पास पहुंचते हैं, दृश्य और भी सुंदर होता चला जाता है। हर्षनाथ मंदिर प्रकृति की गोद में बसा एक शांत और दिव्य स्थल है। 3100 फीट की ऊंचाई से सूर्योदय और सूर्यास्त देखना अपने आप में एक अविस्मरणीय अनुभव होता है। यहां की लहरदार सड़कें लॉन्ग ड्राइव के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं। बरसात के मौसम में यहां की हरियाली और नमी इस स्थान को और भी अधिक आकर्षक बना देती है।

सावन में उमड़ती है भक्तों की भीड़

सावन के महीने में इस स्थान पर श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि होती है। देश के अलग-अलग हिस्सों जैसे दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और हरियाणा से लोग यहां शिव दर्शन को पहुंचते हैं। हर्ष पर्वत राजस्थान के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में से एक बन चुका है। प्राचीन मंदिर, विशाल पवन चक्कियां, गहरी घाटियां और प्रकृति की सुंदरता यहां के अनुभव को अद्वितीय

'हमारा दिल खुशियों से भर गया' सिड-कियारा ने दी बेटी के जन्म की जानकारी

बॉलीवुड के लवली कपल में शामिल सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के घर नन्ही परी आई है। कपल ने अब एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर इस बात की जानकारी दी है। इसके बाद फैंस दोनों को बधाइयां दे रहे हैं।

सिद्धार्थ-कियारा ने की ऑफिशियल पोस्ट

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के बेटी होने की खबर कल रात सामने आई थी। अब आज कपल ने खुद इस बात की जानकारी दी है कि वो एक प्यारी सी बेटी के पैरेंट्स बन गए हैं। सिद्धार्थ और कियारा ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में लिखा है, 'हमारे दिल खुशियों से भरे हैं और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी की प्राप्ति हुई है।' पोस्ट में नीचे सिद्धार्थ और कियारा के नाम लिखे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में सिद्धार्थ ने सिर्फ दिल, नजर और हाथ जोड़े वाले इमोजी का इस्तेमाल किया है।

फरवरी में अनाउंस की थी प्रेग्नेंसी

इसी साल फरवरी में कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने फैंस को ये खुशखबरी दी थी कि दोनों जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए फैंस को इस बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद कियारा बेबी बंप के साथ मेट गाला में रेट कार्पेट पर उतरी थीं।

फरवरी 2023 में हुई थी दोनों की शादी

सिद्धार्थ और कियारा की लव स्टोरी 'शेरशाह' फिल्म की शूटिंग के दौरान चर्चा में आई थी। दोनों को इसके बाद कई मौकों पर साथ देखा गया था। हालांकि, दोनों ने अपने अफेयर को लेकर कभी खुलकर कोई बात नहीं की थी। इसके बाद फरवरी 2023 में दोनों शादी के बंधन में बंधे थे।

'वॉर 2' में नजर आएंगी कियारा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आडवाणी जल्द ही 'वॉर 2' में नजर आएंगी। ये यशराज के स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के टीजर में ही कियारा बिकनी लुक काफी वायरल हुआ था।

'परम सुंदरी' में दिखाई देंगे सिद्धार्थ

वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्टर जल्द ही दिनेश विजन की फिल्म 'परम सुंदरी' में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के अगस्त में रिलीज होने की उम्मीद है। इसके अलावा वो 'वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' फिल्म में भी नजर आएंगे।

'किसी दिन यह वापस आकर आपको ही सताएगा..' फिल्म 'अबीर गुलाल' विवाद पर बोलीं वाणी कपूर!

बॉलीवुड अभिनेत्री इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' से चर्चा में हैं, जिसका ट्रेलर रिलीज हुआ। बहुत जल्द यह ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री ने अपनी पिछली फिल्म 'अबीर गुलाल' को लेकर हुई आलोचनाओं पर भी प्रतिक्रिया दी, जिसमें पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान नजर आए थे। हालांकि, आपको बताते चलें कि उन्होंने किसी फिल्म का नाम नहीं लिया। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस ने क्या कहा।

क्या बोलीं वाणी कपूर?

अपने आगामी वेब सीरीज 'मंडाला मर्डर्स' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में वाणी कपूर ने अपनी पिछली फिल्म विवाद का नाम लिए, बिना प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में सोशल मीडिया पर सब कुछ बड़ा अजीब हो गया था। इसलिए, मुझे उम्मीद है कि कोई नफरत को शांत कर सकता है, प्यार और दया के लिए जगह बना सकता है। मुझे पता है कि यह बहुत दिलचस्प नहीं लगता है, लेकिन आप जो करते हैं वह आपके पास वापस जरूर आता है। यदि आप किसी से नफरत करते हैं या उसे ट्रोल करते हैं, तो यह किसी दिन आपके पास वापस आ जाएगा और यह आपको बहुत सताने वाला होगा।'

इंसान की तरह रहने की कोशिश करें

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'बस अच्छे और दयालु बनें और इंसान की तरह रहने की कोशिश करें। मैं चाहती हूं कि हम एक खुशहाल जगह पर रहें और एक-दूसरे के प्रति और खुद के प्रति दयालु बनें।'

'मंडाला मर्डर्स' के बारे में

वाणी कपूर की यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर 25 जुलाई को स्ट्रीम होगी। 'मंडला मर्डर्स' के जरिए वाणी कपूर ओटीटी सीरीज की दुनिया में डेब्यू कर रही हैं। इस सीरीज में सुरवीन चावला और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा 'पंचायत' फेम प्रधानजी यानी एक्टर रघुबीर यादव भी इस सीरीज में दिखाई देंगे। इस सीरीज के निर्देशन की कमान गोपी पुरथन ने संभाली है।

जरीन ने आखिर क्यों ठुकरा दिया सलमान खान का शो 'बिग बॉस', बोलीं- 'मेरा हाथ उठ जाएगा.'

अभिनेता सलमान खान के साथ बॉलीवुड में करियर की शुरू करने वाली एक्ट्रेस जरीन खान ने हाल ही में 'बिग बॉस' शो को लेकर अपनी राय दी है। इसक अलावा उन्होंने बताया कि आखिर क्यों उन्होंने इस शो में शामिल होने के ऑफर को ठुकरा दिया था। चलिए, जानते हैं एक्ट्रेस जरीन खान ने क्या बताया।

'बिग बॉस' को लेकर जरीन खान की क्या है राय?

अभिनेत्री जरीन ने बिग बॉस के बारे में कहा, 'मुझे वो शो बहुत पसंद है। बीच में मैंने शायद सिर्फ दो-तीन सीजन ही मिस किए हों, लेकिन मैं उसे देखती हूं।' आगे उन्होंने शो को ठुकराने को लेकर बताया, 'सबसे पहले तो मेरे ऊपर बहुत सारी जिम्मेदारियां हैं, इसलिए मैं खुद को तीन महीने के लिए कहीं अलग करके रहने के बारे में सोच भी नहीं सकती। मुझे नहीं लगता कि मेरा घर मेरे बिना चल पाएगा, मैं आर्थिक रूप से बात नहीं कर रही हूं। मुझे 10 हजार चीजों का ध्यान रखना पड़ता है। अगर मैं एक दिन के लिए भी बाहर जाती हूं, तो मैं अपनी मां को पांच-सात बार फोन करके उनकी सेहत और दूसरी चीजों के बारे में पूछती हूं। तो, यही सबसे पहला फैक्टर है।'

मेरा हाथ उठ जाएगा

आगे बातचीत के दौरान जरीन खान ने कहा, 'दूसरी बात, मुझे नहीं लगता कि मैं इतने सारे लोगों के साथ एक घर में रह सकती हूं जिन्हें मैं नहीं जानती। मैं दोस्त बनाने में समय नहीं लगाती, लेकिन मुझे नहीं पता कि मैं कितनी सहज रहूंगी। इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह है कि बेकार बात मुझे बर्दाश्त नहीं होती। मैं दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी। मेरा हाथ उठ जाएगा, फिर मुझे बाहर ही फेंक देंगे। इसलिए, बेहतर है कि मैं न जाऊं। मैं जानती हूं कि मेरा हाथ उठ जाएगा।'

एक नजर जरीन खान के करियर पर

अभिनेत्री जरीन खान ने साल 2010 में बॉलीवुड में कदम रखा था। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'वीर', जिसमें वो अभिनेता सलमान खान के साथ नजर आईं थीं। हालांकि, यह फिल्म उम्मीदों के मुताबिक नहीं चली। इसके अलावा उन्होंने 'रेडी', 'अक्सर 2', 'हेट स्टोरी 3' और 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अभिनेत्री इस समय कुछ रिजनल फिल्मों में काम कर रही हैं। उन्होंने 'डाका' और 'जट्ट जेम्स बॉन्ड' सहित कुछ पंजाबी फिल्मों में काम किया है।

बेटे को लेकर अमिताभ का उमड़ा प्यार बोले- 'अभिषेक तुमने कर दिखाया'

अमिताभ बच्चन अपने बेटे व अभिनेता अभिषेक बच्चन की तारीफ करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। वो अक्सर अपना पुत्र मोह दिखाते हैं और सोशल मीडिया पर बेटे अभिषेक की तारीफ में कसीदे पढ़ते रहते हैं। अब एक बार फिर बिग बी ने अभिषेक की इस साल आई फिल्मों की तारीफ करते हुए एक पोस्ट किया है।

अभिषेक की अलग-अलग भूमिकाओं के मुरीद हुए बिग बी

बिग बी ने एक्स पर एक पोस्ट में अभिषेक की तारीफ की है। इसमें उन्होंने अभिषेक की इस साल आई फिल्मों और उनमें अभिषेक के अभिनय की तारीफ की है। बिग ने अपनी पोस्ट में लिखा, "अभिषेक, एक साल में तीन फिल्में बनाईं और तीनों अलग अलग भूमिकाएं। 'आई वॉन्ट टू टॉक', 'हाउसफुल 5' और 'कालीधर लापता'। तीनों में ऐसा प्रदर्शन जो सब से अलग किरदार। कहीं भी नहीं लगा कि ये अभिषेक बच्चन हैं। सब में यही लगा कि यही किरदार है। ऐसा आज के युग में देखना अलग बात, उसे स्वीकार करना और सक्षम निभाना ये गुण अभिषेक तुमने दुनिया को दिखा दिया। मेरा दिल से आशीर्वाद और ढेर सारा प्यार।"

मुझे तुम्हारी तारीफ करने से कोई नहीं रोक सकता

अपनी पोस्ट में आगे बिग बी ने लिखा कि हां, तुम मेरे बेटे हो और मुझे तुम्हारी प्रशंसा करते हुए कोई नहीं रोक सकता। अभी तो साल का अंत भी नहीं हुआ है। ना जाने और क्या क्या फूल तुम खिलाओगे। अपनी पोस्ट में बिग बी ने कई सारे इमोजी का भी इस्तेमाल किया है।

अभिषेक ने भी की पिता अमिताभ की तारीफ

अमिताभ बच्चन अक्सर ही अभिषेक की तारीफ में सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। वो अभिषेक की फिल्मों को सोशल मीडिया पर प्रमोट करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ते। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने भी 'कौन बनेगा करोड़पति' के 17वें सीजन के प्रोमो के जारी होने पर पिता अमिताभ बच्चन की तारीफ की थी। अभिषेक ने अपने एक्स अकाउंट पर बिग बी की तारीफ करते हुए लिखा था, 'द बॉस वापस आ गया है।'

सलमान की 'बजरंगी भाईजान 2' को लेकर कबीर खान ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की चर्चित फिल्म 'बजरंगी भाईजान' साल 2015 की एक जबरदस्त हिट फिल्म थी। अब इस फिल्म के सीक्वल को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। अब 'बजरंगी भाईजान 2' को लेकर निर्देशक कबीर खान ने अपने विचार प्रकट किए हैं। चलिए, जानते हैं उन्होंने फिल्म को लेकर क्या बताया।

क्या बोले कबीर खान?

हाल ही में निर्देशक कबीर खान एक इंटरव्यू के दौरान 'बजरंगी भाईजान' फिल्म के सीक्वल को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'हमने (सलमान खान और कबीर खान) 'बजरंगी भाईजान 2' के बारे में बात की है। आज के वक्त जहां सभी फ्रैंचाइजी अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और हम 'बजरंगी भाईजान 2' को लेकर सावधानी बरत रहे हैं, क्योंकि हम सिर्फ दिखावे के लिए पिछले दो दशकों की सबसे लोकप्रिय फिल्म का सीक्वल नहीं बनाना चाहते हैं।'

फिल्म संग न्याय करना चाहते हैं कबीर खान

आगे बातचीत में कबीर खान ने कहा, 'मैं 'बजरंगी भाईजान 2' का निर्देशन करना पसंद करूंगा वो भी सही कारणों से। मैं इसे बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के लिए नहीं, बल्कि 'बजरंगी भाईजान' जैसी कल्ट फिल्म की विरासत के साथ न्याय करने के लिए करना चाहता हूं।'

एक नजर कबीर खान के करियर पर

कबीर खान को कई शानदार फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। कबीर खान ने आखिरी फिल्म 'चंदू चैंपियन' का डायरेक्शन किया था, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत प्रदर्शन करने में सफल रही थी। वहीं अब दर्शक उनकी आगामी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। इसमें 'बजरंगी भाईजान 2' का भी नाम शामिल हो सकता है। इसके अलावा आपको बताते चलें कि कबीर खान ने ही 'बजरंगी भाईजान' के पहले भाग का निर्देशन किया था।

जिस उम्र में लोग पोते-पोतियों संग रिटायरमेंट प्लान करते हैं, उस उम्र में कबीर बेदी ने की चौथी शादी

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर कबीर बेदी ने 70 साल की उम्र में शादी करके सबको चौंका दिया था। जिस वक्त ज्यादातर लोग जिंदगी से थकने लगते हैं, उन्होंने एक नया अध्याय शुरू किया. कबीर बेदी ने अपनी बेटी की उम्र की लड़की से शादी की. बेटी ने इस रिश्ते का खूब विरोध किया. आपको बताते हैं आज ये दिलचस्प लव स्टोरी के बारे में.

70 साल की उम्र में चौथी बार प्यार को दिया चांस

70 साल की उम्र में लोग अपनी जिम्मेदारियों से फारिग हो जाते हैं और वे पोते-पोतियों संग रिटायरमेंट प्लान करते हैं. लेकिन बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता कबीर बेदी ने तीन असफल शादियों के बाद चौथी बार प्यार को चांस दिया और शादी रचाई. कबीर बेदी की चौथी पत्नी का नाम परवीन दुसांज है.

कबीर बेदी और परवीन दुसांझ की पहली मुलाकात साल 2005 में लंदन में एक प्ले के दौरान हुई थी. परवीन दुसांझ कबीर के प्ले को देखने के लिए पहुंची थीं.

फिर वे कबीर बेदी से मिली और वे उनसे बातें करने के दौरान ही उनकी तरह अट्रैक्ट हो गई थी. फिर इनके बीच दोस्ती शुरू हुई और लगभग 30 साल की उम्र के अंतर के बावजूद, दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे.

कबीर और परवीन दुसांझ के रिश्ते के खिलाफ थीं बेटी पूजा बेदी

कबीर बेदी की बेटी पूजा बेदी अपने पिता के परवीन दुसांझ के साथ रिश्ते के फेवर में नहीं थीं. दिलचस्प बात ये है कि कबीर बेदी की पत्नी परवीन दुसांझ उनकी बेटी पूजा से पांच साल छोटी हैं. इन सबके बावजूद, कबीर और परवीन दुसांझ पब्लिकली साथ दिखाई देने लगे और उन्होंने लिव-इन रिलेशनशिप में रहने की बात भी कबूली.

अपने 70वें जन्मदिन पर कबीर ने परवीन दुसांझ संग की थी शादी

दोनों ने 10 साल तक एक दूसरे को डेट किया. फाइनली इस जोड़ी ने उम्र की सीमा को दरकिनार कर कबीर के 70वें जन्मदिन के मौके पर शादी कर ली थी. इनकी शादी में दोस्त शामिल हुए लेकिन कबीर बेदी की बेटी पूजा अपने पिता की चौथी शादी से बेहद नराज हो गई थीं. उन्होंने ट्वीट कर अपना गुस्सा भी जाहिर किया था.

हालांकि अब सब ठीक हो गया है और कबीर बेदी के अपनी बेटी पूजा संग रिश्ते भी सुधर गए हैं. वहीं वे अपनी चौथी पत्नी परवीन दुसांझ संग हैप्पी मैरिड लाइफ एंजॉय कर रहे हैं.

कबीर की पहली पत्नी कौन थीं?

बॉलीवुड शादी की रिपोर्ट के मुताबिक कबीर बेदी की पहली शादी 1969 में, मॉडल और ओडिसी डांसर प्रोतिमा गुप्ता से हुई थी जब दोनों मिले, तब प्रोतिमा गुप्ता पहले से ही एक स्टार थीं और कबीर उनसे बेइंतहा प्यार करने लगे। चूंकि उनके माता-पिता उनके रिश्ते के खिलाफ थे, इसलिए, दोनों ने भागकर शादी कर ली. कबीर और प्रोतिमा के दो बच्चे हुए, पूजा बेदी और सिद्धार्थ बेदी. उनका रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा था, लेकिन अपने बच्चों की खातिर वे इसे संभालना चाहते थे. यही वह समय था जब उन्होंने ओपन मैरिज का ऑप्शन चुना. हालांकि, 1977 में उनका तलाक हो गया था.

कबीर बेदी की दूसरी और तीसरी पत्नियां कौन थीं?

रिपोर्ट के मुताबिक प्रोतिमा से अलग होने के बाद कबीर ने प्यार को एक और मौका दिया और 1980 में उनकी मुलाकात ब्रिटिश ओरिजन की फ़ैशन डिज़ाइनर सुज़ैन हम्फ्रीज से हुई. यह मुलाक़ात उनकी पत्नी प्रोतिमा से तलाक और प्रवीण से ब्रेकअप के कुछ ही समय बाद हुई थी. उस दौरान सुज़ैन एक मॉडलिंग असाइनमेंट के लिए अमेरिका में थीं. दोनो को प्यार कैसे हुआ इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं हैं. लेकन कबीर और सुज़ैन ने शादी कर ली और 1981 में उन्होंने बेटे, एडम बेदी, का वेलकम किया जो एक मॉडल के तौर पर काम करता है.

1980 के दशक के अंत में दोनों अलग हो गए और 1990 में उनका तलाक हो गया था.

सुज़ैन हम्फ्रीज़ से तलाक के बाद, कबीर की मुलाक़ात 1991 में लंदन में मशहूर बीबीसी रेडियो प्रेजेंटर निक्की मूलगाओकर से हुई.

निक्की कबीर से 20 साल छोटी थीं, लेकिन उम्र उनके लिए कभी मायने नहीं रखती थी और जल्द ही दोनों ने शादी कर ली, निक्की और कबीर अपनी लॉन्ग डिस्टेंस शादी को संभाल नहीं पाए और 2005 में इनका भी तलाक हो गया था.

अमीषा पटेल का स्टारडम मिलने के बाद शुरू हुआ डाउनफॉल 20 फिल्में हुईं फ्लॉप, पिता संग लड़ी कानूनी लड़ाई

अमीषा पटेल ने ड्रीम डेब्यू के बाद भी स्ट्रगल का लंबा रास्ता तय किया. जहां एक तरफ उन्होंने 20 फिल्मों के फ्लॉप होने का सामना किया. वहीं दूसरी तरफ अपने पिता के खिलाफ केस भी लड़ा. जानिए अमीषा की जर्नी के बारे में.

अमीषा पटेल ने 2000 में ऋतिक रोशन के साथ 'कहो ना...प्यार है' से धमाकेदार एंट्री की और रातों-रात सुपरस्टार बन गईं.

उसके अगले साल 2001 को फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' की हिस्टोरिकल सक्सेस के बाद वो सुपरहिट हो गई थीं.

इतनी पॉपुलैरिटी मिलने के बाद अमीषा का डाउनफॉल शुरू हो गया. 2002 से 2010 के करीब 20 से ज्यादा फिल्में उनकी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गईं.

जब लीड रोल मिलना बंद हो गए तब उन्होंने रेस 2, हनीमून ट्रैवल्स, भूल भूलैया जैसी फिल्मों में छोटे-मोटे किरदार निभाए.

साल 2004 में अमीषा ने अपने ही पिता पर 12 करोड़ का इकोनॉमिक एब्यूज का आरोप लगाया और शिकायत दर्ज कराई. करियर और फैमिली की इन लड़ाइयों के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ में भी बहुत अकेलापन रहा. वो सिंगल रहीं और शादी नहीं की.

एक इंटरव्यू में अमीषा ने खुलासा किया था कि वो टॉम क्रूज को अपना ड्रीम मैन मानती हैं और मजाक में ही उन्हें अपने दिल में पति मान लिया.

हेलमेट पहनने से झड़ रहे हैं बाल? क्यों होता है ऐसा और कैसे करें इससे बचाव

अगर आप रोजाना बाइक चलाते हैं और हेलमेट पहनते हैं, तो बाल झड़ने की समस्या को नजरअंदाज न करें. जानिए कैसे हेलमेट आपके बालों को नुकसान पहुंचाता है और उससे बचने के आसान उपाय क्या हैं.

हेलमेट बालों को कैसे नुकसान पहुंचाता है

अगर आप बाइक चलाने के शौकीन है और रोजाना हेलमेट पहनते हैं तो यह खबर आपके लिए बहुत जरूरी है. सेफ्टी के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है लेकिन क्या आपने गौर किया है कि इसका असर आपके बालों पर भी पड़ रहा है. जी हां लगातार हेलमेट पहनने से बाल झड़ने की समस्या हो सकती है और इस पर कई मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट ने भी बात की है.

कैसे पहुंचाता है हेलमेट बालों को नुकसान

कुछ हेयर स्टाइलिस्ट के अनुसार हेलमेट पहनने से स्कैल्प में पसीना ज्यादा आता है. जिससे बालों की जड़े कमजोर हो जाती है. इसके अलावा हेलमेट उतारते और पहनते वक्त जब बाल खींचते है तो वह भी हेयर फॉल का बड़ा कारण बन सकता है. अगर आपका हेलमेट बहुत टाइट है या सही फिटिंग में नहीं है तो वह लगातार बालों को खींचता है. जिससे बाल टूटने लगते हैं और समय के साथ उनका झड़ना शुरु हो जाता है.

बालों को हेलमेट से बचाने के आसान टिप्स

-बालों को हेलमेट से बचाने के लिए बाल और स्कैल्प को साफ रखना, समय पर बाल धोना जरूरी है ताकि पसीना और गंदगी बालों में जमा न हो.

-इसके अलावा आपको बालों पर तेल लगाना नहीं भूलना चाहिए. हर हफ्ते दो से तीन बार शैंपू से पहले तेल लगाने से बालों को पोषण मिलता है. साथ ही इससे हेलमेट के असर से बालों को बचाने में मदद मिलती है.

-गीले बालों पर हेलमेट नहीं पहनना चाहिए. दरअसल गीले बालों पर हेलमेट पहनने से बाल जल्दी टूटते हैं और स्कैल्प पर डैंड्रफ बनता है.

-आपको हमेशा हेलमेट के नीचे कॉटन कैप पहनना चाहिए. एक हल्की कॉटन कैप पसीने को सोखती है जिससे यह बालों को खींचने से बचाती है और बाल कम झड़ते हैं.

-सही साइज का हेलमेट पहनना भी जरूरी आपको हमेशा ऐसा हेलमेट पहनना चाहिए जो सिर पर आरामदायक तरीके से फिट हो और बहुत ज्यादा टाइट न हो.

-अपने हेलमेट को समय-समय पर साफ करना चाहिए. क्योंकि हेलमेट के अंदर जमा पसीना, गंदगी और बैक्टीरिया बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं.

-हेलमेट को सिर से धीरे से उतारना चाहिए. झटके से हेलमेट को सिर से उतारने पर आपके बाल जड़ों से खिंच सकते हैं, जिससे बालों को नुकसान पहुंचता है.

-वही दूसरों का हेलमेट आपको नहीं पहनना चाहिए. क्योंकि इससे स्कैल्प इंफेक्शन डैंड्रफ या हेयर फॉल का खतरा बढ़ जाता है.

-आपको अपने बालों पर हफ्ते में एक बार एलोवेरा जेल का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए. एलोवेरा जेल स्कैल्प को ठंडक देता है और बालों को हेल्दी बनाए रखता है.

सेफ्टी भी है जरूरी

हेलमेट पहनना आपकी सुरक्षा के लिए बेहद अहम है. लेकिन बालों की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है. अगर आप इन टिप्स को अपनाएंगे तो हेलमेट पहनने से बाल झड़ने की समस्या से काफी हद तक बचाया जा सकता है. ध्यान रखें हेल्दी हेयर और सेफ राइड दोनों एक साथ मुमकिन है. बस आपको अपनी चीजों पर थोड़ा सा ध्यान देने की जरूरत होती है.

एसिडिटी कम करने के तरीके सुबह फ्रेश होने में नहीं होगी दिक्कत

पेट में जलन, भारीपन या खट्टी डकारें एसिडिटी के लक्षण हो सकते हैं. जानें इसे कम करने के आसान और असरदार घरेलू उपाय.

क्या आपको भी अक्सर पेट में जलन, भारीपन या खट्टी डकारें आती हैं? या फिर रात का खाना खाने के बाद नींद तक नहीं आती? अगर हां, तो हो सकता है आप एसिडिटी से परेशान हों. ये तकलीफदेह समस्या है, जो हमारी दिनचर्या और खानपान से जुड़ी होती है. आइए जानते हैं इसे ठीक करने का क्या तरीका है.

सुबह गुनगुना पानी पिएं: दिन की शुरुआत एक गिलास गुनगुने पानी से करें. यह पेट को साफ करता है, एसिड को डाइल्यूट करता है और डाइजेशन को बेहतर बनाता है.

खाने के बाद तुरंत न लेटें: खाने के तुरंत बाद लेटने की आदत एसिड को ऊपर की ओर धकेलती है, जिससे जलन और उल्टी जैसा महसूस हो सकता है. खाने के बाद कम से कम 30 मिनट टहलें.

छाछ या दही का सेवन करें: छाछ और दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स पाचन को दुरुस्त करते हैं और पेट की गर्मी को शांत करते हैं. ये एसिड को न्यूट्रल करने में असरदार हैं.

खाने में अदरक शामिल करें: अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो पेट की सूजन कम करते हैं और एसिडिटी को कंट्रोल करते हैं. इसे चाय में या सब्जियों में मिलाकर लें.

ओवरईटिंग से बचें: जरूरत से ज्यादा खाना पेट पर दबाव डालता है और एसिडिटी को बढ़ाता है. हमेशा छोटी-छोटी मात्रा में भोजन करें और चबाकर खाएं.

मसालेदार फूड से परहेज करें: बहुत ज्यादा तला-भुना या मसालेदार खाना पेट में एसिड का स्तर बढ़ा देता है. रात के खाने को हल्का और जल्दी करने की आदत डालें.

वजन घटाना हुआ आसान ये डिनर रेसिपी डाइट में करें शामिल

स्वाद का त्याग किए बिना वजन घटाया जा सकता है. ये आसान और टेस्टी डिनर रेसिपीज को अपनाएं, जो आपकी डाइट को हेल्दी और दिलचस्प बना देंगी. क्या आपको भी लगता है कि वजन कम करने के लिए स्वाद का त्याग करना पड़ता है? तो जरा रुकिए! डिनर का सही चुनाव न सिर्फ वजन घटाने में मदद करता है, बल्कि आपकी भूख को भी संतुष्ट करता है. यहां हम लाए हैं ऐसी आसान और टेस्टी डिनर रेसिपीज जो आपकी डाइट को हेल्दी और दिलचस्प बनाएंगी.

मिक्स वेजिटेबल सूप

मिक्स वेजिटेबल सूप पेट भरता है और पाचन में मदद करता है. इसमें आप गाजर, बीन्स, पत्तागोभी और मटर जैसी सब्जियों को उबालकर काली मिर्च और नींबू से स्वाद बढ़ा सकते हैं.

ग्रिल्ड पनीर सलाद

पनीर को हल्का ग्रिल करें और उसके साथ खीरा, टमाटर, शिमला मिर्च और पत्तागोभी मिलाएं. ऊपर से थोड़ा सा जैतून का तेल और नींबू डालें.

मूंग दाल खिचड़ी

मूंग दाल और राइस से बनी खिचड़ी पेट के लिए हल्की होती है और वजन कम करने में मदद करती है. इसमें थोड़ा सा घी और हल्दी डालकर स्वाद भी बरकरार रखें.

ओट्स

ओट्स बनाने के लिए हल्का रोस्ट करें और उसमें प्याज, गाजर, बीन्स, सरसों और करी पत्ता डालें. ये स्वादिष्ट और न्यूट्रिशियस डिनर है, जिससे वजन भी नियंत्रित रहता है.

वेजिटेबल पुलाव

ये एक हाई-प्रोटीन और लो-कैलोरी अनाज है. इसमें अपनी पसंद की सब्जियां डालकर पुलाव बनाएं. हल्के मसालों से बना यह पुलाव वजन घटाने के लिए एक बढ़िया विकल्प है.

लौकी की सब्जी और रोटी

अगर आपका ठीक से खाना खाने का मन करें तो आप घी में सिंपल लौकी की सब्जी में टमाटर डालकर पका सकते हैं और उसके साथ 2 रोटी खा सकते हैं.

क्या आपने भी कम कर दिया है भोजन की खुराक? इसके घातक परिणाम और उपाय

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई फिट और स्वस्थ रहना चाहता है, और इसके लिए अक्सर लोग सबसे पहले अपने वजन को कम करने पर ध्यान देते हैं। अब वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के तरीके अपनाते हैं। ऐसे में दिमाग में सबसे पहला विचार यही आता है कि क्यों न खाने की मात्रा को एकदम से कम कर दिया जाए। यही सोचकर, बहुत से लोग अपनी डाइट से भोजन की खुराक अचानक घटा देते हैं, यह मानते हुए कि यह वजन घटाने का सबसे तेज तरीका है।

पोषक तत्वों की कमी

जब आप अचानक अपनी डाइट से खाने की मात्रा कम कर देते हैं, तो सबसे पहले आपके शरीर में पोषक तत्वों की कमी होने लगती है। हमारे शरीर को ठीक से काम करने के लिए विटामिन, खनिज, प्रोटीन और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों की हर दिन जरूरत होती है।

जब आप सिर्फ कैलोरी कम करने के चक्कर में खाने की मात्रा घटा देते हैं, तो आप जाने-अनजाने में इन जरूरी पोषक तत्वों से भी समझौता कर रहे होते हैं। इससे शरीर को जितना पोषण मिलना चाहिए, उतना नहीं मिल पाता, जिससे कमजोरी, थकान, बीमारियों से लड़ने की क्षमता में कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होने लगती हैं।

पेट का न भरना और भूख का बार-बार लगना

अचानक भोजन की मात्रा कम करने का दूसरा बड़ा नुकसान यह है कि आपका पेट भरा हुआ महसूस नहीं होता। आयुर्वेद में भी 'सटाइटी रिफ्लेक्स' यानी भूख मिटाने का संकेत, जिसका

मतलब है कि जब तक हमारा पेट भरा हुआ महसूस नहीं करता, तब तक हमारे दिमाग को यह संकेत नहीं मिलता कि हमने पर्याप्त खा लिया है।अगर पेट नहीं भरता, तो हमें बार-बार भूख लगती रहती है, जिससे हम बेचैन महसूस करते हैं और कई बार बाद में अधिक मात्रा में खाना खा लेते हैं, जो हमारे वजन कम करने के लक्ष्य को भी फेल कर देता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए पेट का भरा होना और भूख का शांत होना बहुत जरूरी है।

क्या करें?

वजन कम करने के लिए भोजन की मात्रा कम करना बिल्कुल गलत तरीका है। वे सलाह देते हैं कि अगर आपको कैलोरी कम करनी है, तो उन चीजों को कम खाएं जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए, अपनी थाली में से चावल या रोटी की मात्रा कम करें। इसकी बजाय, अपनी थाली में उन चीजों को भरपूर मात्रा में खाएं जिनमें पोषक तत्व अधिक हों और कैलोरी बहुत कम हो।

आहार में क्या बदलाव कर सकते हैं?

अपनी डाइट में दाल, सब्जियां और सलाद जैसी चीजों को भरपूर मात्रा में शामिल करें। ये चीजें फाइबर, विटामिन और खनिज से भरपूर होती हैं और इनमें कैलोरी बहुत कम होती है। आप इन्हें अपनी थाली में दो-बार भरकर भी खा सकते हैं, जिससे आपका पेट भी भरेगा और भूख भी शांत होगी, लेकिन कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहेगी। इस तरीके से आप अपने शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी देते रहेंगे, वजन भी कम होगा, और आपको बार-बार भूख लगने की परेशानी भी नहीं होगी। याद रखें, स्वस्थ रहने के लिए भूख शांत करना और पोषक तत्वों का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है।

सावन में मेहंदी लगाने का नहीं मिला समय सुंदर हाथों के लिए अपनाएं ये टिप्स

सावन का महीना आते ही हर तरफ हरियाली और भक्ति का माहौल बन जाता है। यह महीना खासतौर पर महिलाओं के लिए होता है, जिसमें वह हरे रंग के परिधान पहनती हैं। 16 श्रृंगार करके संजती-संवरती हैं और हाथों में मेहंदी रचाती हैं। हालांकि अगर अपनी व्यस्त जीवनशैली के चलते अब तक आपको मेहंदी लगाने का समय नहीं मिल सका है तो भी आप अपने हाथों की सुंदरता को निखार सकती हैं। इसके लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो आपके हाथों को सुंदर और त्योहारी लुक दे सकते हैं। सावन में झटपट हथेलियों में मेहंदी जैसा निखार लाने के लिए कुछ आसान तरीकों को अपनाएं ताकि समय की कमी के बाद भी आप सावन स्पेशल स्टाइल को अपना सकें।

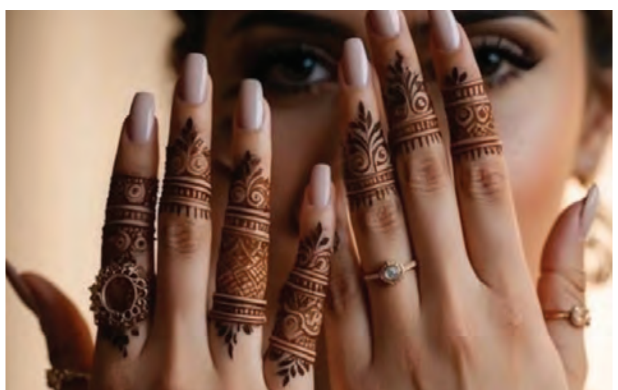

सावन में हाथ सुंदर दिखाने के आसान तरीके

सिर्फ उंगलियों में मेहंदी लगाएं

अगर आपके पास मेहंदी लगाने का पर्याप्त समय नहीं है तो ऐसी डिजाइन लगाएं जो झटपट लग जाए। आप सिर्फ अपनी उंगलियों के पोर को मेहंदी से भर सकते हैं। या ऐसी कई सुंदर मेहंदी डिजाइन हैं जो सिर्फ उंगलियों में लगाकर पूरे हाथ की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

हरी चूड़ियां

अगर आप सावन में मेहंदी नहीं ला पा रही हैं तो अपने हाथों को त्योहार के मुताबिक सजाने के लिए हरे रंग की चूड़ियां पहनें। सावन में इस रंग की चूड़ियां आपकी कलाइयों को अधिक आकर्षक बना देंगी।

नेल पेंट

हाथों की सुंदरता को नेल पेंट या मिनी नेट आर्ट से बढ़ा सकते हैं। एक सॉफ्ट या ब्राइट कलर की नेल पॉलिश हाथों को आकर्षक बना देती है। थोड़ा सा ग्लिटर या मिनी आर्ट लुक में चार चांद लगा सकता है।

मेहंदी स्टिकर्स

मेहंदी डिजाइन लगाने, हिना सुखाने और रंग चढ़ने तक का वक्त आपके पास नहीं है तो पांच मिनट में मेहंदी लगाकर रंगत ला सकते हैं।

इसके लिए अब बाजार में मेहंदी स्टीकर्स आने लगे हैं। अगर समय नहीं है तो 5 मिनट में लगाने वाले हिना स्टिकर या टेटू भी एक अच्छा विकल्प हैं।

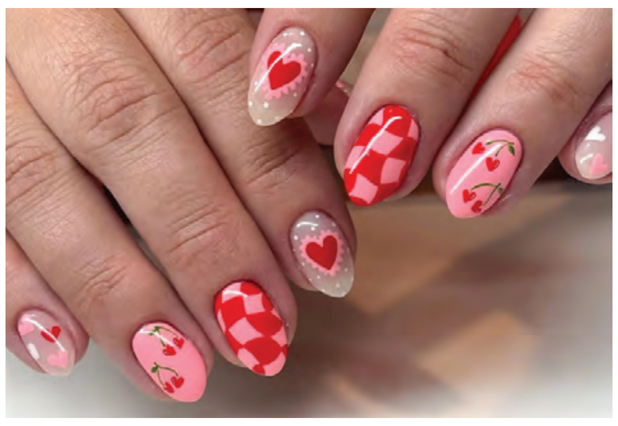

आखिर क्यों समोसा सेहत के लिए होता है हानिकारक? क्या है इसके पीछे की मूल वजह

हमारे देश भारत में समोसा सिर्फ एक नाश्ता नहीं, बल्कि लाखों लोगों की भावना और उनकी दिनचर्या का एक अहम हिस्सा है। चाहे हल्की बारिश हो या शाम की थकान मिटानी हो, गरमा गरम समोसा देखते ही सभी के मुंह में पानी आ जाता है। बच्चे से लेकर बूढ़े तक लगभग हर कोई इस समोसे के लाजवाब स्वाद को पसंद करता है।

लेकिन, इसका एक दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर हम अनदेखा कर देते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि यह स्वादिष्ट दिखने वाला समोसा आपकी सेहत के लिए कितना हानिकारक हो सकता है? अक्सर हम इसके लुभावने स्वाद में ऐसे डूब जाते हैं कि इसके नकारात्मक प्रभावों पर ध्यान ही नहीं देते। विशेषज्ञ लगातार चेतावनी देते हैं कि समोसे का अधिक सेवन कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। आइए अब जानते हैं कि समोसा हमारी सेहत के लिए क्यों नुकसानदायक है, ताकि आप समझदारी से इसका सेवन कर सकें।

डीप फ्राई: अनहेल्दी फैट का मुख्य कारण

समोसे को स्वादिष्ट होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण है कि उसे डीप फ्राई किया जाता है। ज्यादातर जगहों पर समोसे को बार-बार गर्म किए गए तेल में तला जाता है। बार-बार गरम करने से तेल में ट्रांस फैट और सैचुरेटेड फैट की मात्रा बढ़ जाती है।

ये दोनों ही प्रकार के फैट हमारे हृदय स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हैं। ये न केवल शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाते हैं, बल्कि अच्छे कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं,

जिससे हृदय रोग, स्ट्रोक और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा काफी बढ़ जाता है।

मैदा का उपयोग और पाचन पर असर

समोसे की बाहरी परत मैदा से बनी होती है। मैदा बनाने की प्रक्रिया में गेहूं से चोकर और रोगाणु निकाल दिए जाते हैं, जिससे उसमें फाइबर और पोषक तत्वों की भारी कमी हो जाती है। फाइबर की कमी के कारण मैदा आसानी से पचता नहीं है और पेट में भारीपन, कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकता है।

इसके अलावा, मैदा में उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जिसका मतलब है कि यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है और फिर अचानक गिराता है, जिससे भूख जल्दी लगती है और एनर्जी लेवल अस्थिर रहता है। यह खासकर डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है।

हाई कैलोरी और कम पोषण

समोसे में मौजूद आलू का भरावन और मैदे की तली हुई परत, इसे कैलोरी का पावरहाउस बना देती है। इसमें कार्बोहाइड्रेट और फैट भरपूर मात्रा में होते हैं, लेकिन प्रोटीन, विटामिन और खनिज जैसे जरूरी पोषक तत्व बहुत कम या न के बराबर होते हैं।

समोसा एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको ऊर्जा तो देता है, लेकिन कोई खास पोषण नहीं देता। इसका नियमित सेवन मोटापा, और मोटापे से जुड़ी अन्य बीमारियों, जैसे डायबिटीज और हृदय रोग, का सीधा कारण बनता है।

स्वच्छता और अन्य छिपे हुए जोखिम

सड़क किनारे या छोटी दुकानों पर बिकने वाले समोसे में स्वच्छता की कमी की वजह से अधिक नुकसानदायक हो सकते हैं। जूस बनाने में गंदे बर्तन, दूषित पानी या सही तरीके से न ढंके गए समोसे पर बैक्टीरिया और कीटाणु आसानी से पनपने लगते हैं। यह पेट के संक्रमण, डायरिया, फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याओं को जन्म दे सकता है।

कितना समोसा खाना चाहिए?

बहुत से लोगों के दिमाग में ये सवाल होता है कि एक स्वस्थ इंसान को कितना समोसा खाना चाहिए? विशेषज्ञों के मुताबिक 1 सप्ताह में एक समोसा आपके सेहत के लिए कम नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए अगली बार जब समोसा खाने का मन करे, तो अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए इसका सेवन सीमित मात्रा में करें या घर पर स्वस्थ तरीके से बनाने का विकल्प चुनें।

सेंसेक्स 64 अंक चढ़कर 82,634 पर बंद

दिन के निचले स्तर से 300 अंक संभला; बैंकिंग, आईटी और ऑटो शेयरों में तेजी

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार (16 जुलाई) को सेंसेक्स 64 अंक चढ़कर 82,634 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 16 अंक की तेजी रही, ये 25,212 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में तेजी और 16 में गिरावट रही। महिंद्र एंड महिंद्रा, एसबीआई, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 2.25% तक की तेजी देखने को मिली। जोमैटो, सनफार्मा और टाटा स्टील के शेयर्स 1.7% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 20 ऊपर और 30 नीचे बंद हुए। एनएसई के पीएसयू बैंकिंग, मीडिया, आईटी, एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर चढ़कर बंद हुए। वहीं, मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में गिरावट रही।

सोने का दाम 456 रुपये गिरकर 97,460 रुपये पर आया

चांदी भी 1,001 रुपये सस्ती हुई-इस साल सोना 21 हजार रुपये और चांदी 25 हजार रुपये महंगी हुई

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी बुधवार, 16 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम आज 456 रुपए गिरकर 97,460 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 97,916 रुपए पर था। वहीं चांदी की कीमत 1,001 रुपये कम होकर 1,10,996 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,11,997 रुपये पर थी। इससे पहले 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 रुपए और सोने ने 8 जून को 99,454 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

> **दिल्ली :** 24 कैरेट सोने की कीमत 99,439 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150 रुपये

> **मुंबई :** 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 रुपये

> **कोलकाता :** 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 रुपये

> **चेन्नई :** 24 कैरेट सोने की कीमत 99,280 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,000 रुपये

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि अमेरिका के टैरिफ के चलते जियो पॉलिटिकल टेंशन बने हुए हैं। इससे गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में इस साल सोना 1 लाख 3 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी इस साल 1 लाख 30 हजार रुपए तक जा सकती है।

महीने के अंत में फार्मास्यूटिकल्स पर हाई टैरिफ लग सकते हैं : डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार महीने के अंत तक फार्मास्यूटिकल्स इंपोर्ट्स पर टैरिफ लगाना शुरू कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि सेमीकंडक्टर्स पर शुल्क लगाने की समयसीमा भी फार्मास्यूटिकल्स की तरह ही हो सकती है। 'योनहाप समाचार एजेंसी' की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी सरकार फार्मास्यूटिकल्स पर टैरिफ को धीरे-धीरे लागू करेगी, ताकि कंपनियों को अमेरिका में अपनी प्रोडक्शन फैसिलिटी स्थापित करने के लिए समय मिल सके।

पिट्सबर्ग में एक सार्वजनिक कार्यक्रम से लौटने के बाद प्रेस से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, संभवतः महीने भर में, हम कम टैरिफ से शुरुआत करेंगे और फार्मास्युटिकल कंपनियों को निर्माण के लिए लगभग एक साल का समय देंगे। उसके बाद हम इस पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप ने यह भी कहा कि सेमीकंडक्टर्स पर टैरिफ लागू करने की समय सीमा मिलती-जुलती है। चिप्स पर शुल्क लगाना 'कम जटिल' है। पिछले हफ्ते, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन इस महीने के अंत तक सेमीकंडक्टर और फार्मास्यूटिकल्स इंपोर्ट की राष्ट्रीय सुरक्षा जांच पूरी कर लेगा। यह संकेत है कि इन इंपोर्ट पर टैरिफ की घोषणाएं जल्द हो सकती हैं।

लुटनिक जिस जांच की बात कर रहे थे, वह उन्होंने अप्रैल में 1962 के 'ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट' की धारा 232 के तहत शुरू की थी। इस कानून के तहत, अगर राष्ट्रपति यह तय करते हैं कि किसी आयात से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है, तो उन्हें उस इंपोर्ट को नियंत्रित करने या समायोजित करने का अधिकार प्राप्त होता है।

इस महीने की शुरुआत में एक कैबिनेट बैठक में, ट्रंप ने कहा था कि वह आगामी हफ्तों में कॉपर पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। कंपनियों को अपनी मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका वापस लाने के लिए एक साल का समय देने के बाद, फार्मास्यूटिकल्स टैरिफ में 200 प्रतिशत तक के इजाफे की उम्मीद है। ट्रंप पहले ही 1962 के 'ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट' की धारा 232 के तहत ड्रग्स पर जांच की घोषणा कर चुके हैं। उनका तर्क है कि विदेशी इंपोर्ट की बाढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है।

हर महीने 50000 रुपये से कम कमाने वाले 93% वेतनभोगी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर

मुंबई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कम कमाई करने वाले लोगों की क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता बढ़ रही है। थिंक 360 डॉट एआई के एक अध्ययन में कहा गया है, हर महीने 50,000 रुपये से कम कमाने वाले लगभग 93 फीसदी वेतनभोगी इस प्लास्टिक मनी पर निर्भर हैं। वहीं, स्वरोजगार वाले 85 फीसदी व्यक्ति भी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर हैं। अध्ययन के मुताबिक, 'अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें' (बीएनपीएल) सेवाओं का इस्तेमाल 18 फीसदी स्वरोजगार और 15 फीसदी वेतनभोगी व्यक्ति करते हैं। यह अध्ययन 20,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वित्तीय व्यवहार के विश्लेषण पर आधारित है। थिंक 360 डॉट एआई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमित दास ने कहा, भारत के विकसित होते कर्ज परिदृश्य में क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल अब वेतनभोगी पेशेवरों से लेकर अस्थायी कर्मियों तक सभी के लिए जरूरत बन गए हैं।

रूसी तेल के बजाय इराक का पानी! अमेरिका ने दी धमकी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी टैक्स लगाने की धमकी दी है। इससे भारत का रूस से तेल खरीदने का जो सिलसिला चल रहा है, उस पर असर पड़ सकता है। दरअसल, अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौता होने की बात चल रही है। ऐसे में, अगर अमेरिका भारत पर टैक्स लगाता है, तो भारत को रूस से तेल खरीदने पर मिलने वाले फायदे से ज्यादा नुकसान हो सकता है। भारत और चीन रूसी तेल के बड़े खरीदार हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने सस्ते में भारत को कच्चा तेल ऑफर किया था और आज रूस भारत का सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रूस के सभी एक्सपोर्ट पर 100% टैक्स लगाया जाएगा। इसमें तेल भी शामिल है। इसके साथ ही, जो देश रूस से तेल खरीदेंगे, उन पर भी उतना ही टैक्स लगेगा। ट्रंप ने रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए 50 दिन का समय दिया है। अगर रूस ऐसा नहीं करता है, तो ये टैक्स लागू हो जाएंगे। ट्रंप की योजना क्या है और यह कैसे काम करेगी, इसके बारे में अभी पूरी जानकारी नहीं है।

ट्रंप की धमकी

हालांकि ट्रंप की घोषणा के बाद तेल बाजार में ज्यादा हलचल नहीं हुई क्योंकि टैक्स लगने में अभी समय है। ब्रेंट क्रूड का बेंचमार्क $70/बैरल से नीचे रहा। पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इसलिए, भारतीय रिफाइनरी कंपनियां फरवरी 2022 से रूस से सस्ते दामों पर तेल खरीद रही हैं। भारत अपनी जरूरत का एक तिहाई तेल रूस से खरीदता है। युद्ध से पहले, यह आंकड़ा 1% से भी कम था।

अगर ट्रंप अपनी धमकी पर अमल करते हैं तो तो इस बार स्थिति अलग हो सकती है। पश्चिमी मीडिया में आई खबरों के अनुसार, अगर कोई देश रूस से व्यापार करता है, तो उस पर भारी टैक्स लगेगा। इसका असर उस देश के सभी एक्सपोर्ट पर होगा।

हर साल हो रहीं 83 लाख मौतें, पर 14 वर्षों में आधार निष्क्रिय हुए सिर्फ 1.15 करोड़' : आरटीआई में खुलासा

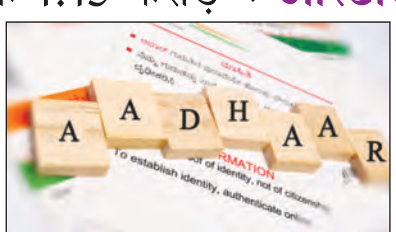

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देश में हर साल औसतन 83 लाख लोगों की मौतें हो रही हैं। दूसरी ओर, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने 14 साल पहले कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से केवल 1.15 करोड़ आधार नंबरों को निष्क्रिय किया है। यह आंकड़ा देश की मृत्यु दर को देखते हुए नाटकीय रूप से काफी कम है। एक मीडिया हाउस की ओर से दायर सूचना के अधिकार (आरटीआई) आवेदन से इस बात की पुष्टि हुई है।

जून 2025 तक, भारत में 142.39 करोड़ आधार धारक है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार, अप्रैल 2025 तक देश की कुल जनसंख्या 146.39 करोड़ हो जाएगी। दूसरी ओर, नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस) के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में 2007 से 2019 के बीच हर साल औसतन 83.5 लाख मौतें हुईं। इसके बावजूद, यूआईडीएआई की ओर से मृत लोगों आधार नंबर को निष्क्रिय करने स्पीड आश्चर्यजनक रूप से कम है। कुल अनुमानित मौतों में से 10 प्रतिशत से भी कम मामलों में आधार नंबर को निष्क्रिय किया गया है। अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि आधार नंबर को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया जटिल है और काफी हद तक राज्य सरकारों की ओर से जारी मृत्यु प्रमाण पत्र और परिवार के सदस्यों की ओर से दी गई जानकारी जैसे बाहरी आंकड़ों पर निर्भर करती है।

समोसे-जलेबी पर कोई हेल्थ वार्निंग लेबल जारी नहीं किया

हेल्थ मिनिस्ट्री ने वायरल दावों का खंडन किया, इन्हें फर्जी और निराधार बताया

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूनियन हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा कि उसने समोसे, जलेबी और लड्डू जैसे पॉपुलर इंडियन स्नैक्स के लिए कोई वार्निंग लेबल जारी नहीं किया है। मिनिस्ट्री का कहना है कि स्ट्रीट वेंडर्स जो फूड प्रोडक्ट्स बेच रहे हैं, उन पर लेबल लगाने या उन्हें टारगेट करने के लिए भी कोई कदम नहीं उठाया गया है। मंत्रालय ने कहा कि हेल्थ एडवाइजरी में इंडियन स्ट्रीट फूड कल्चर को किसी भी तरह से गलत नहीं बताया गया है। बल्कि, हेल्थ मिनिस्ट्री ने केंद्र सरकार के सभी डिपार्टमेंट्स के लिए एक जनरल हेल्थ एडवाइजरी जारी की है, जिसका उद्देश्य वर्कप्लेस पर हेल्दी फूड चॉइस को बढ़ावा देना है।

एक दिन पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने समोसा, जलेबी और लड्डू जैसे फूड प्रोडक्ट्स पर हेल्थ वार्निंग लेबल जारी करने का निर्देश दिया है। हालांकि, मंत्रालय ने इन मीडिया रिपोर्ट्स को भ्रामक, गलत और निराधार बताया है। मंत्रालय ने कहा कि यह प्रयास लोगों को खानपान संबंधी बेहतर फैसले लेने में मदद करने के लिए है। ये एडवाइजरी किसी स्पेसिफिक फूड आइटम्स पर फोकस नहीं है, बल्कि एक हेल्दी लाइफस्टाइल को बढ़ावा देने के लिए है। मंत्रालय ने एडवाइजरी में लॉबी, कैंटीन, कैफेटेरिया और मीटिंग रूम जैसे ऑफिस स्पेस में एजुकेशन बोर्ड लगाने की बात कही है।

और घट सकती है आपकी लोन की किस्त आरबीआई गवर्नर ने दिया है संकेत

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा है कि अगर महंगाई और विकास दर दोनों में गिरावट जारी रहती है, तो केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती करने पर विचार कर सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि महंगाई पूरे साल के अनुमान 3.7 प्रतिशत से भी नीचे जा सकती है। आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी ने लगातार तीन बार रेपो रेट में कटौती की थी। एमपीसी की अगली द्विमासिक बैठक अगस्त में होनी है। मल्होत्रा ने इंटरव्यू में कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का तटस्थ रुख परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया करने की गुंजाइश देता है। उन्होंने कहा कि अगर महंगाई और विकास दर दोनों नीचे आते हैं, तो यह नीतिगत ब्याज दर में कटौती को सही ठहरा सकता है। लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि आंकड़े कैसे आते हैं। हम अभी भी अपने अनुमानों को अपडेट करने की प्रक्रिया में हैं। गवर्नर की यह टिप्पणी खुदरा महंगाई के आंकड़ों के आने के एक दिन बाद आई है।

महंगाई का अनुमान

जून में खुदरा महंगाई 2.1% रही, जबकि अप्रैल से जून के बीच यह औसतन 2.7% रही, जबकि आरबीआई का अनुमान 2.9% था। उम्मीद है कि जुलाई में महंगाई 2% से भी नीचे गिर जाएगी। बाजार के पूर्वानुमान बताते हैं कि पूरे साल के लिए महंगाई 3% के करीब रह सकती है। मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई और विकास दर दोनों ही नीतिगत फैसलों पर असर डालते हैं।

फिच ने आरबीआई की नकदी नीति को सराहा

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2025 की शुरुआत से बैंकिंग प्रणाली में की गई भारी लिक्विडिटी इंफ्यूजन और प्रणाली में पर्याप्त नकदी बनाए रखने की उसकी प्रतिबद्धता, इस वर्ष संभावित 100 आधार अंक की ब्याज दर कटौती के प्रभावी तरीके से लागू होने में मदद करेंगी। फिच रेटिंग्स ने बुधवार को यह टिप्पणी की। रेटिंग्स एजेंसी के अनुसार आरबीआई ने 2025 में अब तक लगभग 5.6 लाख करोड़ रुपये (जो सिस्टम की कुल संपत्तियों का लगभग 2% है) की स्थायी फंडिंग सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के जरिए बैंकिंग सिस्टम में डाली है।

अमीरों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर

तीसरे नंबर पर खिसके मार्क जकरबर्ग

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर हो गया है। दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग इस लिस्ट में अब तीसरे नंबर पर फिसल गए हैं जबकि ओराकिल के को-फाउंडर लैरी एलिसन अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 251 अरब डॉलर पहुंच गई है। जकरबर्ग की नेटवर्थ भी इतनी है लेकिन दशमलव की बाद की गणना के मुताबिक एलिसन उनसे आगे हो गए हैं। मंगलवार को एलिसन की नेटवर्थ में 4.71 अरब डॉलर की तेजी आई जबकि जकरबर्ग की नेटवर्थ में 3.59 अरब डॉलर की गिरावट आई।

एलन मस्क $357.8 अरब की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस हैं। एलिसन की नेटवर्थ में तेजी की वजह ओराकिल कोरप. के शेयरों में आई तेजी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टॉक्स में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने से ओरेकल को बहुत फायदा हुआ है। चैट जीपीटी के आने के बाद से कंपनी के शेयर लगभग तीन गुना बढ़ गए हैं। पिछले तीन महीनों में तो शेयरों में 90% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी की कमाई बढ़ी है और उसने कई बड़ी कंपनियों के साथ साझेदारी की है।

भारत अड़ा-डेयरी को लेकर नो-डील!

> क्योंकि 8 करोड़ किसानों को हो जाएगा 1 लाख करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील में बातचीत तेज होने की बात कही जा रही है, भारतीय टीम फिर से वाशिंगटन पहुंच गई है और उम्मीद जताई जा रही है कि ट्रंप की टैरिफ लागू करने की डेडलाइन 1 अगस्त 2025 से पहले बड़ा ऐलान हो सकता है. इस बीच बता दें कि अमेरिका के साथ डील एग्रीकल्चर और डेयरी सेक्टर से जुड़े मुद्दों को लेकर अटकी हुई है, जिन्हें यूएस पोडक्ट्स के लिए खोलने की डिमांड अमेरिका कर रहा है।

भारत का रुख इस मामले में अडिग बना हुआ है और सरकार की ओर से साफ कर दिया गया है कि किसी भी दबाव में किसानों के हितों के साथ समझौता नहीं किया जाएगा. भारत का ये रुख ऐसे ही नहीं है, इसके पीछे बड़ा कारण है. एसबीआई रिसर्च की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ डेयरी सेक्टर अमेरिका के लिए खोलना देश के 8 करोड़ किसानों के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट (एसबीआई रिपोर्ट) में आंकड़ों के साथ डेयरी सेक्टर को अमेरिका के लिए खोलने के किसानों पर विपरीत प्रभाव के बारे में बताया गया है. इसमें कहा गया है कि भारत के डेयरी क्षेत्र को यूएस इंपोर्ट के लिए खोलने से भारतीय डेयरी किसानों को सीधे 1.03 लाख करोड़ रुपये की सालाना चपत लग सकती है. एसबीआई की ओर से कहा गया कि भारत में डेयरी सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अहम रोल निभाता है. यह राष्ट्रीय सकल मूल्य संवर्धन (जीवीए) में करीब 2.5-3 फीसदी का हिस्सेदार है, जो लगभग 7.5-9 लाख करोड़ रुपये है। एसबीआई के मुताबिक, भारत में ये सेक्टर तकरीबन 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार देता है. ऐसे में अगर भारत अपने डेयरी सेक्टर को अमेरिकी डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए खोलता है, तो इसका सीधा असर घरेलू दूध की कीमतों पर दिखाई देगा और इसका भाव 15 से 20 फीसदी तक कम हो सकता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-53
सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-49 बजे
चंद्र-	में	कर्क...	08-00 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	10-07 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	12-14 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	14-22 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	16-36 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	18-46 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-33 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	22-11 बजे
		मीन...	23-47 बजे
		मेष...	02-20 बजे
		वृष...	03-36 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 19-09 तक उपरान्त अष्टमी
मास - श्रावण कृष्ण, गुरुवार 17 July
नक्षत्र - रेवती 03-39 तक उपरान्त अश्विनी
योग - अतिगण्ड 09-28 तक उप सुकर्मा
करण- विष्टी 08-07 तक उप बव
विशेष-
व्रत-त्योहार - भद्राकाल - 08-07 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:59 से 15:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
लाभ 05:53-07:29 शुभ	उत्पात 18:53 - 20:15 अशुभ
अमृत 07:29-09:07 शुभ	शुभ 20:15-21:38 शुभ
काल 09:07-10:45 अशुभ	अमृत 21:38 - 22:59 शुभ
शुभ. 10:45-12:22 शुभ	चंचल 22:59 - 00:22 शुभ
रोग 12:22-13:59 अशुभ	रोग 00:22 - 01:45 अशुभ
उत्पात 13:59-15:37 अशुभ	काल 01:45 - 03:07 अशुभ
चंचल 15:37-17:15 शुभ	लाभ 03:07- 04:29 शुभ
लाभ। 17:15-18:50 शुभ	उत्पात 04:29 - 05:52 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) आपका पेशेवर जीवन फल-फूल रहा है क्योंकि आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान आपके कार्यों को स्पष्टता से निर्देशित करते हैं। आप अब स्वाभाविक रूप से चुंबकीय हैं, आकर्षण और रचनात्मक दृष्टि के माध्यम से समर्थन प्राप्त करते हैं। आपकी कलात्मक समझ आपकी परियोजनाओं को मूल्यवान बनाती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) आपका काम और पढ़ाई आत्मविश्वास और रचनात्मकता से भरपूर महसूस होती है। नए विचार आपको नए तरीकों से काम करने में मदद करते हैं। काम पर सहायक संबंध दीर्घकालिक लाभ लाते हैं। खुला, विचारशील संचार टीमवर्क को मजबूत करता है और आपको दूसरों के साथ बेहतर ढंग से जुड़ने में मदद करता है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आपका आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान आज आपके काम में मज़बूत प्रगति का समर्थन करते हैं। रचनात्मक सोच आपको स्मार्ट समाधान खोजने में मदद करती है, लेकिन बहस करने या आलोचना करने में जल्दबाजी न करें। आपके पास चुनौतियों से निपटने की ताकत है, इसलिए अपनी ऊर्जा का सावधानी से उपयोग करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,) आपका करियर फलने-फूलने के लिए तैयार है क्योंकि आत्मविश्वास और अंतर्ज्ञान का तालमेल आपको जटिल परिस्थितियों से आसानी से निपटने में मदद करेगा। उत्पादक बने रहने के लिए अति महत्वाकांक्षी विचारों पर नियंत्रण रखें। रिश्तों में तनाव उभर सकता है, लेकिन विचारशील बातचीत से रास्ता आसान हो जाएगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,) ऊर्जा और मौलिकता आपके करियर के प्रयासों में सहायक होंगे। आप अवसरों को जल्दी पहचान लेते हैं, लेकिन बहस में जल्दबाज़ी करने से बचें। तार्किक सोच कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में मदद करती है। शिक्षा के क्षेत्र में, स्थिर रहें और दूसरों की आलोचना करने से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आप आत्मविश्वास से भरपूर हैं और सहजता से दूसरों को प्रेरित करते हैं, जिससे उदाहरण बनकर नेतृत्व करना आसान हो जाता है। प्रेरणा का एक उभार आपको साहसिक योजनाएँ शुरू करने या लंबित कार्यों को नए सिरे से करने के लिए प्रेरित करता है। आपकी गतिशील उपस्थिति समर्थन आकर्षित करती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,) आपका करियर और पढ़ाई आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि से ऊर्जावान महसूस करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको स्मार्ट विकल्प बनाने में मदद करता है, जबकि स्थिर योजना दीर्घकालिक लक्ष्यों का समर्थन करती है। सावधानीपूर्वक दृष्टिकोण वास्तविक प्रगति की ओर ले जाते हैं, और आपके प्रयासों का भुगतान होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,) आपका करियर पथ आत्मनिरीक्षण को आमंत्रित करता है क्योंकि आप महत्वाकांक्षा और भावनात्मक स्पष्टता के बीच संतुलन बनाते हैं। आपको ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है जो आपके आत्मविश्वास की परीक्षा लेंगी और आपको अपने लक्ष्यों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करेंगी। नए विचार सामने आ सकते हैं।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) आपका कार्य जीवन रोलरकोस्टर की तरह लग सकता है जो आपको अपनी परियोजनाओं को पोषित करने के लिए प्रेरित करता है। आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ेगी, जिससे आप बैठकों में चमकेंगे। ऐसे आश्चर्य की अपेक्षा करें जो उत्साह लाएँ। आप कार्यों के साथ प्यार में पड़ सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आज आप प्रेरित महसूस करते हैं और त्वरित निर्णय लेने के लिए तैयार हैं। नए अवसर आपके सामने आ सकते हैं, इसलिए कार्य करने के लिए तैयार रहें। शांत रहने और बहस से बचने की कोशिश करें। शांत ध्यान के साथ, आप काम या अध्ययन में बेहतरीन परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) आपकी रचनात्मकता और अनुशासन कार्य और अध्ययन में मजबूत प्रगति का समर्थन करते हैं। भावनाओं में उतार-चढ़ाव हो सकता है, जिससे दूसरों के साथ आपके संबंधों पर असर पड़ सकता है। दिन को सुचारू रखने के लिए शांत रहें और अहंकार के टकराव से बचें। धैर्य और जागरूकता के साथ, आप चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपने पेशेवर वातावरण में सामंजस्य बनाए रख सकते हैं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बलौदाबाजार में लगातार बारिश, कौआडीह गांव टापू में तब्दील

नाले में 3 फीट ऊपर बह रहा पानी, स्कूल बंद, खेत जलमग्न, 7 जिलों में बाढ़ का खतरा

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बलौदाबाजार में लगातार बारिश से 600 आबादी वाला कौआडीह गांव टापू में तब्दील हो गया है। कौआडीह नाला उफान पर है। जिससे बटगन-खरतोल मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। सड़क पर 2-3 फीट ऊपर पानी बह रहा है। वाहनों का आना-जान पूरी तरह रुक गया है। बारिश के कारण स्कूल भी बंद हैं। कई खेत जलमग्न हो गए।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में दो दिन ब्रेक के बाद फिर से बारिश का दौर शुरू हो गया है। रायपुर में देर रात से सुबह तक बारिश हुई। इस बीच मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में प्रदेश के 7 जिलों में भारी बारिश के बाद बाढ़ आने का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, बलरामपुर जिले में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा कोरिया, सरगुजा, सूरजपुर, जशपुर, मुंगेली, रायगढ़ सहित 12 जिलों में तेज बारिश और बिजली गिरने का यलो अलर्ट है।

पिछले 24 घंटे की बात करें तो सूरजपुर और बलरामपुर जिलों के

बलौदाबाजार का कौआडीह गांव बारिश के बाद टापू में तब्दील हो गया है

कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई है। सबसे अधिक तापमान 34.2 डिग्री सेल्सियस दुर्ग में और सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.5 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया।

सरगुजा, सूरजपुर, जशपुर, रायगढ़, कोरिया, कोरबा और बलरामपुर इन 7 जिलों में बारिश के बाद अचानक बाढ़ आने का खतरा है। मौसम विभाग ने इसका आउटलुक जारी किया है।

उत्तरी छत्तीसगढ़ में मानसून की सक्रियता सबसे ज्यादा है। हालांकि इस स्थिति में 17 जुलाई से बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग की मानें तो इसके बाद मानसून प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों में भी सक्रिय हो जाएगा।

अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहने की उम्मीद है। हालांकि हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद सभी जिलों में बनी हुई है।

जुलाई का पहला पखवाड़ा बारिश के लिहाज से काफी अच्छा रहा। अब तक प्रदेश में 388 मिमी बारिश हो गई है। यह औसत से 5 प्रतिशत ज्यादा है। कोंडागांव, बेमेतरा और सुकमा को छोड़कर प्रदेश के सभी जिलों में औसत से ज्यादा बारिश हो चुकी है। अब तक बलरामपुर में सबसे ज्यादा 599.7 मिलीमीटर पानी बरसा है।

मानसून के केरल पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून है। इस साल 8 दिन पहले यानी 24 मई को ही केरल पहुंच गया था। मानसून के लौटने की सामान्य तारीख 15 अक्टूबर है। अगर इस साल अपने नियमित समय पर ही लौटता है तो मानसून की अवधि 145 दिन रहेगी। इस बीच मानसून ब्रेक की स्थिति ना हो तो जल्दी आने का फायदा मिलता सकता है।

दरअसल, आसमान में विपरीत एनर्जी के बादल हवा से उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं। ये विपरीत दिशा में जाते हुए आपस में टकराते हैं। इससे होने वाले घर्षण से बिजली पैदा होती है और वह धरती पर गिरती है। अगर यह आकाशीय बिजली, बिजली के खंभों के संपर्क में आती है तो वह उसके लिए कंडक्टर (संचालक) का काम करता है, लेकिन उस समय कोई व्यक्ति इसकी परिधि में आ जाता है तो वह उस चार्ज के लिए सबसे बढ़िया कंडक्टर का काम करता है। जयपुर में आमेर महल के वॉच टावर पर हुए हादसे में भी कुछ ऐसा ही हुआ।

प्लस टू गर्ल्स स्कूल में हिजाब विवाद

छात्राओं ने लगाया मारपीट का आरोप, स्कूल पहुंचे अभिभावकों ने किया हंगामा

कोडरमा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चतरा जिले के मारवाड़ी मोहल्ला स्थित प्लस टू गर्ल्स हाई स्कूल में हिजाब पहनने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। छात्राओं ने हिजाब पहनने से रोकने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं का कहना है कि प्रिंसिपल नीतू प्रजापति, शिक्षिका पल्लवी सीमा किरण और शिक्षक रविंद्र कुमार ने हिजाब पहनने पर उनके साथ मारपीट की। कई छात्राएं घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक और स्थानीय लोग स्कूल पहुंच गए। उन्होंने आरोपित प्रिंसिपल को हटाने की मांग की, जिससे स्कूल में तनाव का माहौल बन गया। प्राचार्या नीतू प्रजापति ने छात्राओं के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल में किसी तरह का धार्मिक भेदभाव नहीं होता। विवाद स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान हुआ, जिसका गलत मतलब निकाला जा रहा है।

टीएमसी सांसद बोलीं, छत्तीसगढ़-पुलिस ने हमारे 9 मजदूरों को किडनैप किया

मोइत्रा बोलीं- कार्यस्थल से उठाकर ले गई, भाजपा सांसद बोले- ये बस्तर है बंगाल नहीं

रायपुर/कोंडागांव, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णनगर से तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने छत्तीसगढ़ पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस ने उनके लोकसभा क्षेत्र के 9 मजदूरों को उनके कार्यस्थल से कथित तौर पर 'अपहरण' कर लिया है।

इधर मोइत्रा के बयान पर बस्तर सांसद महेश कश्यप ने पलटवार कर कहा कि, ये बस्तर है बंगाल नहीं, पुलिस अपना काम करेगी। टीएमसी ने बंगाल को बर्बाद किया है, इसलिए वे बस्तर की चिंता ना करें। महेश कश्यप ने कहा कि महुआ मोइत्रा को बस्तर के बारे में कोई भी बयान देने का अधिकार नहीं है। वहीं सांसद मोइत्रा के बयान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, छत्तीसगढ़ मिनी इंडिया है, लेकिन यहां दूसरे प्रदेश से आए लोगों को गिरफ्तार कर रहे हैं। सरकार को गलत जानकारी सार्वजनिक करने से बचना चाहिए। सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए उन्हें रोहिंग्या कह रही है। सांसद महुआ मोइत्रा ने 15 जुलाई को वीडियो जारी कर कहा कि, इन मजदूरों के परिवार चिंता में हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ पुलिस ने न तो उनके परिवारों को और न ही पश्चिम बंगाल सरकार को इस बारे में कोई जानकारी दी है। छत्तीसगढ़ में सरकार और पुलिस द्वारा संचालित अपहरण का सिलसिला चल रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर जिले के अल्बेरापाड़ा में एक निजी स्कूल के निर्माण कार्य में लगे 9 बंगाली राजमिस्त्री को रविवार (13 जुलाई) को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। उन्होंने कहा, '9 मजदूरों को बस्तर के पास जगदलपुर जेल में बंद किया गया है, उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 128बी (पहचान छिपाकर आपराधिक साजिश) के तहत मामला दर्ज किया गया है।' महुआ ने एक पुलिस अधीक्षक के साथ बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि अधिकारी ने दावा किया कि इन मजदूरों पर आदिवासी महिलाओं के साथ रेप का आरोप है, जिसकी जांच चल रही है। हालांकि, महुआ ने इसे 'फर्जी आरोप' करार दिया और कहा कि यह 'सरकारी अपहरण' है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

25 लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी सहित दो नक्सली ढेर, एक कोबरा जवान शहीद

बोकारो, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो जिले में एक बार फिर नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ बुधवार की सुबह गोमिया थाना क्षेत्र के बिरहोरडेरा के घने जंगलों में उस समय हुई जब पुलिस और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सर्च ऑपरेशन के लिए निकली थी। जैसे ही सुरक्षाबलों की टीम जंगल के भीतर पहुंची, घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने अचानक उन पर फायरिंग शुरू कर दी। नक्सलियों की ओर से हो रही ताबड़तोड़ गोलीबारी के जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की। दोनों ओर से कई घंटों तक गोलियों की बौछार होती रही।

इस भीषण मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी। सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में एक की पहचान कुख्यात नक्सली कुंवर मांझी के रूप में हुई है, जिस पर 25 लाख रुपए का इनाम घोषित था। दूसरा मारा गया नक्सली भी संगठन का सक्रिय सदस्य बताया जा रहा है, हालांकि उसकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मारे गए नक्सलियों में से एक वर्दी पहने हुए था, जबकि दूसरा सामान्य कपड़ों में था। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एक एके-47 राइफल भी बरामद की है, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह नक्सली दस्ते की योजना बड़ी कार्रवाई की थी।

हालांकि, इस मुठभेड़ में कोबरा-209 बटालियन को भी एक बड़ी क्षति उठानी पड़ी। मुठभेड़ के दौरान यूनिट का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे तुरंत इलाज के लिए बाहर निकालने की कोशिश की गई, लेकिन रास्ते में ही शहीद हो गया। शहीद जवान की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। इलाके में फिलहाल हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षाबलों द्वारा पूरे जंगल क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। नक्सलियों के अन्य साथियों की खोज के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

घर के अंदर मिली पति-पत्नी की लाश

एक का पलंग पर, दूसरे का जमीन पर पड़ा मिला शव, शरीर पर चोट के निशान

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के अभनपुर में एक घर के अंदर पति-पत्नी की लाश मिली है। किसी ने धारदार हथियार से दोनों की हत्या की है। शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। इस मामले में एफएसएल, क्राइम ब्रांच की टीम जांच में जुटी है। मामला अभनपुर थाना क्षेत्र के बिरोदा गांव का है।

पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली के बिरोदा गांव में रहने वाले भूखन ध्रुव (62) और उनकी पत्नी रुक्मणी ध्रुव (60) की घर पर लाश पड़ी है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो घर के एक कमरे में पलंग पर भूखन की लाश पड़ी थी। पत्नी रुक्मणी की लाश दूसरे कमरे में जमीन पर पड़ी थी।

घटनास्थल पर एसीसीयू टीम, एफएसएल यूनिट, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉग स्क्वॉड जांच में जुटी है। लाश के आसपास खून बिखरा हुआ है। पुलिस को शक है कि यह वारदात किसी करीबी ने की है। हत्या के लिए किसी धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया है।

दोनों मृतकों के शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं। घर के भीतर कई सामान बिखरा हुआ है। फिलहाल पंचनामा के बाद लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, भूखन और उसकी पत्नी खेती किसानी करते हैं। भूखन एक दूसरे व्यक्ति के खेत में कीटनाशक छिड़कने का काम कर रहा था। बुधवार को काम पर नहीं पहुंचा तो वह व्यक्ति उसे घर पर देखने आया था, तभी उसने लाश देखकर उसने सरपंच को सूचना दी। इसके बाद मामला पुलिस के पास पहुंचा। बताया जा रहा है कि भूखन के तीन बच्चे हैं। जिसमें दो लड़की और एक लड़का है। लड़कियों की शादी धमतरी और पाटन में हुई है। वहीं लड़का रायपुर में रहता है। फिलहाल पुलिस परिवार के सदस्यों को भी बुलाकर पूछताछ कर रही है।

पहली बार झारखंड का आम पहुंचा सऊदी अरब

पाकुड़ का आम्रपाली 461 रुपए किलो बिक रहा जेद्दा-रियाद में पूर्वी सिंहभूम के आम की धूम

पाकुड़, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्वी सिंहभूम और पाकुड़ जिले का प्रसिद्ध आम आम्रपाली अब सऊदी अरब में भी अपनी मिठास बिखेर रहा है। जेद्दा और रियाद में आयोजित मैंगो मेनिया फेस्टिवल में इन जिलों के किसानों द्वारा उगाए गए आमों की जबरदस्त मांग देखी जा रही है। फेस्टिवल में आम्रपाली आम को प्रति किलो 19.95 सऊदी रियाल यानी लगभग 461 रुपए में बेचा जा रहा है। लोगों इसे खूब पसंद कर रहे हैं।

फेस्टिवल का उद्घाटन सोमवार को जेद्दा में भारत के कांउसिल जनरल एच.ई. फहद अहमद खान ने किया। यह फेस्टिवल 17 जुलाई तक चलेगा। बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत इन जिलों में किसानों ने आम्रपाली किस्म के आमों की बागवानी की थी। फेस्टिवल में पूर्वी सिंहभूम के पटमदा प्रखंड के किसान अशोक कुमार महतो और पाकुड़ के रंजीत पंडित, मिस्तारूल, मोहम्मद सलीम और सफी शेख के बागों से आमों का चयन किया गया है।

परसुडीह कृषि उत्पादन बाजार समिति के पणन सचिव अभिषेक आनंद ने बताया कि सीजन फार्म फ्रेश कंपनी के संचालक अब्दुल हामिद खान के माध्यम से इन आमों का निर्यात किया गया है। अब प्रशासन का लक्ष्य है कि भविष्य में हरी सब्जियों का भी निर्यात शुरू किया जाए।

पटमदा के लोवाडीह निवासी किसान अशोक महतो ने बताया कि पहले वे जिस जमीन पर सब्जी की खेती करते थे, वहीं वर्ष 2019-20 में आम के पौधे लगाए। दो एकड़ भूमि पर आम्रपाली और मंदाकिनी किस्म के कुल 500 पौधे लगाए गए।

पुश्तैनी तालाब होने से सिंचाई में समस्या नहीं आई। इस बार 22 क्विंटल आम थोक विक्रेताओं को बेच दिए। इसके बाद बाजार समिति ने 14 रुपए प्रति किलो की दर से 13 क्विंटल आम की खरीदारी की।

अभिषेक आनंद ने कहा-आम निर्यात करने के लिए कई बागों का जायजा लिया। अशोक महतो के बगीचे में आम की अच्छी क्वालिटी मिली। अशोक के बगीचे का 122 किलो आम का कोलकाता के लैब में टेस्ट कराया। इसमें 103 किलो आम निर्यात के लिए खरा उतरा।

जवाहर नगर में हवाई फायरिंग

दो पक्षों के बीच विवाद में चली गोली, एक युवक हिरासत में, इलाके में पुलिस तैनात

जमशेदपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र के जवाहर नगर में मंगलवार रात करीब 11 बजे हवाई फायरिंग की घटना हुई। रोड नंबर 9 पर दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक पक्ष ने पिस्टल निकालकर हवा में फायर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही मानगो थाना प्रभारी निरंजन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई।

पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।

पुलिस के अनुसार यह फायरिंग आपसी विवाद के कारण की गई। घटनास्थल से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

पुलिस टीम रोड नंबर 9 और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इससे दोषियों की पहचान में मदद मिल सकती है। फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। लोग अपने घरों में दुबक गए थे।

पत्नी का कॉल डिटेल- सीडीआर मांगना निजता का हनन

हाईकोर्ट ने कहा- गोपनीयता संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है, पति की याचिका खारिज

बिलासपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गोपनीयता संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है, जो मुख्य रूप से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी से देता है। इस टिप्पणी के साथ ही जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने विवाद होने पर पति के पत्नी की मोबाइल कॉल डिटेल और सीडीआर की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दी है।

दरअसल, याचिकाकर्ता दुर्ग जिले के युवक की शादी राजनांदगांव जिले के युवती से 4 जुलाई 2022 को हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही पति ने डिवोर्स के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13(1) (1) के तहत एक याचिका दायर की। इसमें आरोप लगाया गया कि पत्नी विवाह के 15 दिन बाद अपने माता-पिता के घर गई, जिसके बाद उसका व्यवहार काफी बदल गया। आरोप है कि पत्नी ने याचिकाकर्ता की मां और भाई के साथ दुर्व्यवहार किया। इस बीच सितंबर और अक्टूबर के महीने में पत्नी फिर से अपने माता-पिता के घर गई और जब याचिकाकर्ता ने उससे संपर्क किया, तो उसने उसके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। पत्नी के साथ न जाने पर पति 7 अक्टूबर 2022 को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के लिए फैमिली कोर्ट में केस दाखिल किया। इस दौरान पत्नी ने धारा 125 के तहत एक आवेदन पेश किया। साथ ही पति की मां, पिता और भाई के खिलाफ घरेलू हिंसा के तहत शिकायत की। इस पर पति ने 24 जनवरी 2024 को दुर्ग के एसएसपी को आवेदन देकर पत्नी की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की डिटेल की मांग की। लेकिन, पुलिस ने कॉल डिटेल देने से इनकार कर दिया। इस पर पति ने कॉल डिटेल के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया, जिसे खारिज कर दी गई। इसके बाद वह हाईकोर्ट पहुंचा।

अपनी याचिका में पति ने पत्नी की चरित्र पर लांछन लगाते हुए मोबाइल पर दूसरे से बातचीत करने के सबूत होने का दावा किया। जिसके लिए उसने कॉल डिटेल की मांग की। लेकिन, फैमिली कोर्ट में दाखिल किए गए केस में पति ने तलाक के लिए लगाई गई अर्जी में उल्लेख ही नहीं किया। उन्होंने पत्नी के व्यवहार में बदलाव और साथ रहने से इनकार करने का जिक्र किया है। सुनवाई के दौरान पत्नी की ओर से कहा गया कि वैवाहिक जीवन साझेदारी का संबंध होता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि किसी की व्यक्तिगत गोपनीयता खत्म हो जाती है। पति पत्नी को अपने मोबाइल या बैंक पासवर्ड देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता और ऐसा करना गोपनीयता का हनन और घरेलू हिंसा माना जा सकता है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल अर्जुनी के प्रभारी प्राचार्य खूबचंद सरसीहा निलंबित

बलौदाबाजार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अर्जुनी के प्रभारी प्राचार्य खूबचंद सरसीहा को गंभीर आरोप सिद्ध होने के बाद निलंबित कर दिया गया है। उनके ऊपर विद्यालय परिसर में शराब के नशे में आने, छात्रों और उनके पालकों से अवैध रूप से पैसे वसूलने, कर्मचारियों के साथ अमर्यादित व्यवहार करने और विद्यालय में अनुशासनहीनता फैलाने जैसे आरोप लगे थे।

यह कार्रवाई बलौदाबाजार के कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर की गई है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा की गई जांच में आरोपों की पुष्टि हुई, जिसमें यह पाया गया

जांच में आरोप सही निकले

कि सरसीहा लंबे समय से विद्यालय परिसर में अशोभनीय आचरण कर रहे थे।

उन्होंने एडमिशन के नाम पर पालकों से पैसे वसूलने के साथ ही कर्मचारियों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और डराने-धमकाने का भी प्रयास किया।

जांच प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया कि सरसीहा के व्यवहार से विद्यालय का वातावरण दूषित हो रहा था, जिससे छात्र, अभिभावक और स्टाफ सभी प्रभावित हो रहे थे। कलेक्टर दीपक सोनी ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में भ्रष्टाचार, अनैतिकता और अनुशासनहीनता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

32000 रका एक जग, आदिवासी छात्रावास के लिए 51 लाख में खरीदे गए 160 जग

कांग्रेस के आरोप पर मचा हड़कंप

बलौदाबाजार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में 32000 रुपये में एक जग खरीदने का मामला सामने आया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बलौदाबाजार जिले में आदिवासी छात्रावासों के लिए 51 लाख रुपये में 160 स्टील जग खरीदे गए हैं। इस मामले में विपक्षी दल ने बीजेपी सरकार पर हमला बोला है। हालांकि बीजेपी ने इस पूरे मामले का खंडन किया है और कहा कि कांग्रेस केवल भ्रम फैला रही है। बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए कांग्रेस ने इसे भ्रष्टाचार का चरम बताया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने हमला बोलते हुए कहा कि छात्रावास आदिवासियों का है, मुख्यमंत्री भी आदिवासी हैं। अब सरकार का तो भगवान ही मालिक है। 32 हजार रुपये में एक जग खरीदा जा रहा है क्या यह कोई जादुई जग है, सोने या तांबे का जग है। इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है। पूरे मामले की जांच होनी चाहिए। इस पूरे मामले में सहायक आयुक्त सूरज दास मानिकपुरी ने कहा कि इस तरह की कोई खरीदी नहीं की गई है।

नेत्रहीन मनोज की आस्था की अनूठी मिसाल

यूपी के आजमगढ़ से पहुंचे सुल्तानगंज, फिर 108 किलोमीटर पैदल की पूरी, देवघर में चढ़ाया जल

देवघर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सावन के पावन महीने में बाबा बैद्यनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। हर कोई अपनी श्रद्धा और आस्था के साथ बाबा पर जल चढ़ाने पहुंच रहा है। इसी बीच उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से आए एक नेत्रहीन कांवरिया की आस्था की कहानी सबके लिए प्रेरणा बन गई है।

आजमगढ़ निवासी मनोज ने नेत्रहीन होने के बावजूद कांवर यात्रा पूरी कर यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची आस्था किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती। एक सड़क दुर्घटना में अपनी दोनों

आंखें गंवाने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी।

सावन के पहले सोमवार को उन्होंने सुल्तानगंज से गंगाजल उठाया और 108 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा कर पांचवें दिन बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचे।

मनोज का कहना है कि मैं भले ही आंखों से नहीं देख सकता, लेकिन मेरी आत्मा हर पल बाबा को देखती है। उनकी कृपा से ही यह यात्रा पूरी कर सका। रास्ते में उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन बाबा के प्रति अटूट विश्वास और लोगों की मदद से वे अपनी मंजिल तक पहुंचे।

डेढ़ साल में 1301 केस, 107 करोड़ रुपये का नुकसान

बीजेपी विधायक के सवाल पर डेप्युटी सीएम ने दिया जवाब

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पिछले डेढ़ साल में साइबर अपराध के 1,301 केस दर्ज किए गए हैं। जिनमें पीड़ितों को 107 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने विधानसभा में यह जानकारी दी। विजय शर्मा ने बताया कि पुलिस इनमें से 107 मामलों में 3.36 करोड़ रुपये बरामद करने में सफल रही है। साइबर क्राइम को लेकर बीजेपी विधायक सुनील सोनी ने सवाल पूछा था।

भाजपा विधायक सुनील सोनी ने प्रश्नकाल के दौरान जनवरी 2024 से जून 2025 तक छत्तीसगढ़ में दर्ज साइबर अपराध के मामलों की संख्या की जानकारी मांगी। उन्होंने यह भी पूछा कि ऐसे अपराधों को रोकने के लिए क्या कार्रवाई की जा रही है। सोनी ने कहा कि साइबर अपराध के जरिए हजारों लोगों को ठगा जा रहा है और यहां तक कि कुछ पीड़ित आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि इस अवधि में राज्य में साइबर अपराध के कुल 1,301 मामले दर्ज किए गए। उन्होंने बताया कि इन मामलों में पीड़ितों को 107.03 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए रेंज स्तर पर एक राज्य साइबर पुलिस थाना और पांच रेंज साइबर पुलिस थाने हैं। जिला स्तर पर भी साइबर प्रकोष्ठ है और कुछ जिलों में साइबर पुलिस थानों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों की जांच के दौरान एकत्र डिजिटल साक्ष्यों के परीक्षण के लिए पुलिस मुख्यालय, रायपुर में आधुनिक साइबर उपकरणों से सुसज्जित साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला है।

अमेरिका की वांटेड लिस्ट में पाक में तैनात ईरानी राजदूत शामिल

एफबीआई के रिटायर्ड अफसर के अपहरण का आरोप, 2007 से लापता हैं

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की जांच एजेंसी एफबीआई ने मंगलवार को ईरान के राजनयिक रेजा अमीरी मोगदम को अपनी मोस्ट वांटेड सूची में शामिल किया है। मोगदम फिलहाल पाकिस्तान में ईरान के राजदूत हैं।

मोगदम पर आरोप है कि उन्होंने 2007 में एक रिटायर्ड अमेरिकी एफबीआई एजेंट रॉबर्ट लेविंसन के अपहरण की योजना बनाने और उसे छिपाने में अहम भूमिका निभाई थी।

लेविंसन 8 मार्च 2007 को ईरान के किश द्वीप पहुंचे थे और अगले ही दिन अचानक गायब हो गए थे। अब तक उनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। एफबीआई का मानना है कि मोगदम ने उस पूरे ऑपरेशन की निगरानी की थी जिसमें रॉबर्ट लेविंसन का अपहरण हुआ था। बाद में उन्होंने इस पूरे मामले की

सच्चाई छुपाने का भी काम किया था।

रेजा मोगदम, जिन्हें अहमद अमीरिनिया के नाम से भी जाना जाता है, पहले ईरान के खुफिया मंत्रालय (एमओआईएस) में एक सीनियर अधिकारी थे। उनकी निगरानी में ही यूरोप में ईरान के गुप्त एजेंट काम किया करते थे। एफबीआई ने कहा कि वे अभी भी पता लगा रहे हैं कि लेविंसन का अपहरण किन लोगों ने और कैसे किया। एफबीआई ने मंगलवार को मोगदम के अलावा 2 और सीनियर ईरानी खुफिया अधिकारियों के खिलाफ पोस्टर जारी किए। बाकी 2 ईरानी खुफिया अधिकारियों में तागी दानेश्वर (सैय्यद तागी घामी) और गुलामहुसैन मोहम्मदनिया का नाम शामिल है।

इन लोगों पर न सिर्फ लेविंसन के अपहरण में शामिल होने का आरोप है, बल्कि इस पूरे मामले में ईरान सरकार की भूमिका को छिपाने की कोशिश में भी इनकी अहम भूमिका मानी जा रही है।

तागी दानेशवर इस समय ईरान के खुफिया मंत्रालय में काउंटर-इंटेलिजेंस अधिकारी हैं। उन पर आरोप है कि लेविंसन के लापता होने के दौरान वे एक ऑपरेटिव मोहम्मद बसेरी (जिसे 'सनाई' भी कहते हैं) की निगरानी कर रहे थे। वहीं, गुलामहुसैन मोहम्मदनिया एमओआइएस के सीनियर डिप्टी चीफ रह चुके हैं। वे 2016 में अल्बानिया में ईरान के राजदूत थे। उन्हें 2018 में अल्बानिया ने देश से बाहर निकाल दिया था। मोहम्मदनिया पर आरोप था कि वे अल्बानिया में आतंकी हमलों की साजिश रच रहे थे। एफबीआई का आरोप है कि मोहम्मदनिया ने लेविंसन के गायब होने की साजिश का दोष पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में सक्रिय एक आतंकी संगठन पर डालने की कोशिश की थी।

एफबीआई अधिकारी स्टीवन जेन्सन ने कहा कि ये तीनों अधिकारी उस प्लान का हिस्सा थे, जिसमें लेविंसन को अगवा किया गया और फिर इस मामले को छुपाया गया। एफबीआई का मानना है कि लेविंसन को बंदी बनाकर रखा गया और शायद उनकी मौत भी कैद में ही हो गई।

2010 और 2011 में लेविंसन की कुछ तस्वीरें और एक वीडियो सामने आए थे, जिनमें वो जिंदा दिख रहे थे। लेकिन उसके बाद से उनकी कोई जानकारी नहीं मिली।

पाकिस्तानी पत्रकार को पूर्व पति ने पीटा, आंखों में सूजन

पत्रकार बोलीं– जालिम इंसान ने जिंदगी बर्बाद की, इंसाफ अल्लाह पर छोड़ती हूं

इस्लामाबाद, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी पत्रकार और टीवी एंकर जस्मीन मंजूर ने अपने पूर्व पति पर घरेलू हिंसा के आरोप लगाया है। बुधवार को उन्होंने X पर अपनी चोट की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इनमें उनके चेहरे पर चोट और सूजन दिख रही थी। जस्मीन ने दावा किया कि उनके पति ने उनके साथ मारपीट की है।

जस्मीन ने एक पोस्ट में लिखा- यह मैं हूं। हां, यह मेरी कहानी है - मेरी जिंदगी एक जालिम इंसान ने बर्बाद कर दी। मैं अपना इंसाफ अल्लाह पर छोड़ती हूं।

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा- यह मेरे पूर्व पति की देन है। मैं लंबे समय तक सोचती रही कि क्या मुझे यह बात सार्वजनिक करनी चाहिए। लेकिन मैं हिम्मत दिखाना चाहती हूं ताकि हम सब मिलकर इस तरह के व्यवहार के खिलाफ एकजुट हों और सरकारी अधिकारी अपनी आंखें खोलें।

जस्मीन ने आगे लिखा- यह किसी के भी साथ हो सकता है। घर के अंदर भी कोई सुरक्षित नहीं है। सबसे खतरनाक लोग वही हैं, जिन पर आप आंख मूंदकर भरोसा करते हैं।

उन्होंने अपने पूर्व पति को डरपोक बताते हुए कहा कि जब आपको एक महिला मिलती है, तब आप अपना असली रंग दिखाते हैं। आप बस एक डरपोक हैं। कुछ लोग हमेशा नफरत करते हैं, लेकिन उन्हें कोई इल्जाम नहीं दिया जाना चाहिए, यह उनकी जिंदगी की नाकामी है। मेरे पास ऐसी 50 और तस्वीरें हैं।

सोशल मीडिया पोस्ट के बाद कई लोग खुलकर जस्मीन के सपोर्ट में आ गए। एक यूजर ने लिखा- घरेलू हिंसा हमारे समाज पर एक दाग है। एक अन्य ने कहा, पाकिस्तान में आप कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं।

एक यूजर ने लिखा- अपने एक्सपीरियंस को शेयर करना बहुत हिम्मत का काम है, आप इस लड़ाई में अकेली नहीं हैं। आपके लिए ढेर सारी दुआएं। एक अन्य ने कहा, जैसी आप स्क्रीन पर मजबूत दिखती हैं, वैसे ही रहें। आपको और ताकत मिले।

पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और बाल विवाह लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पाकिस्तान डेमोग्राफिक एंड हेल्थ सर्वे (2017-18) के मुताबिक, देश में 15-49 साल की 28% महिलाओं ने शारीरिक हिंसा झेली है, जबकि 6% ने यौन हिंसा का शिकार हुई हैं।

इसके अलावा, 34% विवाहित महिलाओं ने अपने पति से शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा का सामना किया है, और 5% ने पति की यौन हिंसा का सामना किया है।

सर्वे में यह भी पता चला कि 56% ऐसी महिलाएं, जिन्होंने किसी भी प्रकार की शारीरिक या यौन हिंसा का सामना किया, उन्होंने न तो मदद मांगी और न ही किसी से इस बारे में बात की। इसकी वजह सामाजिक बदनामी का डर, आर्थिक निर्भरता और जानकारी की कमी है। सर्वे के मुताबिक, 20-24 साल की 18% लड़कियों की शादी 18 साल से पहले और 3.6% की शादी 15 साल से पहले हो जाती है। इससे उनकी शिक्षा रुक जाती है और उनका स्वास्थ्य, कल्याण और सुरक्षा खतरे में पड़ जाती है। इनमें एनीमिया, कुपोषण, किशोर गर्भावस्था, लंबा प्रसव, ऑब्स्टेट्रिक फिस्टुला और यहां तक कि मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है।

अमेरिका में गिरफ्तार हुआ भारतीय-कनाडाई गैंगस्टर ओपिंदर सिंह

अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट से जुड़े थे तार

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय अपराध से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। एक भारतीय-कनाडाई गैंगस्टर को अमेरिका में गिरफ्तार किया गया है। उस पर आरोप है कि उसने एक कुख्यात आयरिश गिरोह के साथ मिलकर ड्रग्स की वैश्विक तस्करी का नेटवर्क चलाया। यह गिरफ्तारी न केवल कनाडा बल्कि अमेरिका, चीन, तुर्की और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से जुड़ी आपराधिक गतिविधियों के गहरे संबंध को उजागर करती है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओपिंदर सिंह सियान के रूप में हुई है।

अमेरिकी ड्रग एनफोर्समेंट एजेंसी ने जून 2025 में उसे नेवाडा राज्य से गिरफ्तार किया था।

अब उसे कैलिफोर्निया ले जाया जा रहा है, जहां उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

भारत में बनेगा रूसी टैंकों का काल

अमेरिकी एंटी टैंक जेवलिन मिसाइल को बनाने की तैयारी, अब तक कर चुकी है 5000 शिकार

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन की सेना ने अमेरिका की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल जेवलिन का इस्तेमाल करते हुए रूसी टैंकों का कब्रिस्तान बना दिया। अब भारत उसी मिसाइल को अमेरिका के साथ मिलकर बनाना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने अमेरिका को जवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) के ज्वाइंट प्रोडक्शन के लिए औपचारिक रूप से एक 'लेटर ऑफ रिक्वेस्ट' भेज दिया है। दोनों देशों के बीच जेवलिन एंटी टैंक मिसाइल के ज्वाइंट प्रोडक्शन को लेकर लंबे वक्त से बात चल रही थी और अब भारत ने आधिकारिक तौर पर चिट्ठी भेज दी है। भारत, मेक इन इंडिया के तहत इस मिसाइल का निर्माण करना चाहता है, जिसे एक सैनिक अपने कंधे पर रखकर आसानी से फायर कर सकता है। इसीलिए इस मिसाइल को टैंकों का काल माना जाता है।

जेवलिन एंटी टैंक मिसाइलें अमेरिका की सबसे एडवांस थर्ड

जेनरेशन की एंटी-टैंक मिसाइलें मानी जाती हैं। रूस ने जब अपने सैकड़ों टैंकों को यूक्रेन में भेज दिया था, उसके बाद यूक्रेन को अमेरिका ने इस मिसाइलों को सौंपा था।

यूक्रेन के जवान कहीं से भी छिपकर रूसी टैंकों को निशाना बना रहे थे। आखिरकार रूस को अपनी अग्रिम पंक्ति से अपने टैंकों को हटाना पड़ा। यह सिस्टम टॉप-अटैक क्षमता के लिए जाना जाता है, यानी यह दुश्मन के टैंक को ऊपर से निशाना बनाकर नष्ट करता है। टैंक का ये हिस्सा सबसे कमजोर होता है, इसीलिए टैंक काफी आसानी से ध्वस्त हो जाता है। जमीनी लड़ाई के समय ये मिसाइल काफी ज्यादा असरदार साबित हुआ है।

दि हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के एक सीनियर डिफेंस अधिकारी ने अमेरिका को चिट्ठी भेजे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारियों को लेटर सौंप दिया गया है। भारतीय अधिकारी ने कहा कि सौदा हो जाने पर ये भारत की विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करेगा और भारत अपनी जरूरत के मुताबिक एंटी टैंक का खुद प्रोडक्शन कर पाएगा। उन्होंने कहा है कि बातचीत अंतिम चरण में है। अधिकारी ने ये भी कहा है कि वे आपातकालीन खरीद के तहत जेवलिन मिसाइलों की खरीद के लिए पहले से ही अमेरिका के संपर्क में हैं। दरअसल, भारत की सेना पहाड़ी और दुर्गम इलाकों में तैनात जवानों के लिए ऐसे मिसाइल सिस्टम चाहती है, जो काफी हहल्के हों और जवान आसानी से उसे ऑपरेट कर सकें। उन्हें किसी भी परिस्थिति में इस्तेमाल किया जा सके। जेवलिन मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसे एक या दो सैनिक ही चला सकते हैं, वो भी बिना किसी वाहन या लॉन्चर के।

अमेरिका की धरती पर जैसे सूरज निकल आया

उठा 11 किमी ऊंचा मशरूम जैसा बादल दुनिया के पहले परमाणु बम की कहानी

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया आज जिस बात को लेकर सबसे ज्यादा आशंकित रहती है- वो है दो परमाणु शक्तियों के बीच युद्ध। यही वजह है कि जब बीती मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ तो पूरी दुनिया में हलचल मच गई। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अमेरिका तक शांति की अपील करने लगे। इस तनाव के दौरान पाकिस्तान तो परमाणु बम की गीदड़भभकी देने भी लगा, हालांकि, भारत ने बिना परमाणु बम का जिक्र किए अपनी ताकत दिखाई और पाकिस्तान को युद्धविराम की पहल के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन आज बात हम भारत-पाकिस्तान के परमाणु तनाव की नहीं, बल्कि दुनिया के पहले परमाणु विस्फोट की करने वाले हैं, जिसके बाद दुनिया परमाणु युग में प्रवेश कर गई। दुनिया का पहला परमाणु विस्फोट आज ही के दिन यानी 16 जुलाई, 1945 को अमेरिका में किया गया था।

अमेरिका का मैनहट्टन प्रोजेक्ट

ट्रिनिटी नाम का यह परमाणु बम अमेरिका के मैनहट्टन प्रोजेक्ट का हिस्सा था, जो द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान परमाणु हथियार विकसित करने के लिए अमेरिका का एक भारी भरकम वैज्ञानिक और सैन्य प्रयास था। साल 1945 की वो 16 जुलाई की तारीख थी, जब 20वीं सदी की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक घटी थी।

इसी दिन अमेरिका ने न्यू मैक्सिको के अलामोगोर्डो में पहले परमाणु बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। पहले परमाणु विस्फोट के लिए इस्तेमाल किए गए बम का नाम 'द गैजेट' रखा गया था और इसमें प्लूटोनियम-239 का इस्तेमाल किया गया था। इसे अमेरिकी समयानुसार सुबह के 5.29 बजे विस्फोट किया गया था, जिसके बाद एक आग का गोला बना और चकाचौंध कर देने वाली चमक निकली थी।

इससे पैदा हुई गर्मी सूरज की सतह से भी ज्यादा थी। विस्फोट के बाद एक मशरूम के आकार का बादल आसमान में 11 किलोमीटर से भी ऊपर उठ गया। इस विस्फोट से लगभग 21 किलोटन टीएनटी के बराबर ऊर्जा पैदा हुई।

अमेरिका में भारतीय महिला पर चोरी का आरोप

सुपरमार्केट में 7 घंटे बिताए, बिना पेमेंट 1 लाख का सामान लेकर निकल रही थी

वॉशिंगटन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के इलिनॉय में एक भारतीय महिला पर सुपरमार्केट टारगेट स्टोर से 1 लाख से ज्यादा का सामान चोरी करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, महिला ने स्टोर में सात घंटे बिताए और बिना भुगतान किए सामान के साथ बाहर निकलने की कोशिश की। यह घटना 1 मई, 2025 को हुई थी। अब सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो वायरल हो रहा है। महिला का नाम अनाया अवलानी बताया जा रहा है। स्टोर के कर्मचारियों को उसका व्यवहार संदिग्ध लगा, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को बुलाया।

स्टोर के एक कर्मचारी ने बताया कि महिला काफी देर से स्टोर में मौजूद थी और बिना किसी मकसद के इधर-उधर घूम रही थी। उसे यह भी देखा गया कि वह

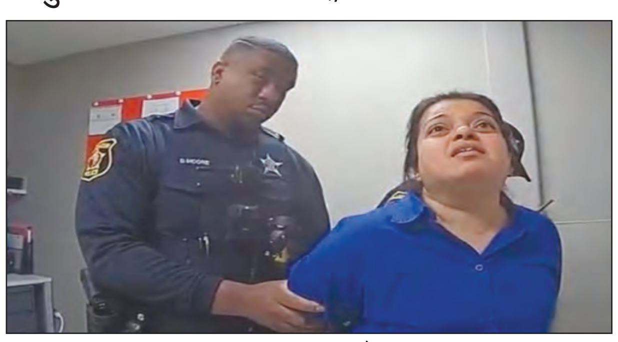

बार-बार सामान उठाकर टोकरी में रखती, फिर हटाती और दूसरी जगह जाती रही।

अंत में, बिना भुगतान किए वह वेस्ट गेट से बाहर निकलने की कोशिश करने लगी। स्टाफ ने तुरंत सुरक्षा अलर्ट जारी किया और पुलिस को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची।

आरोप है कि जब पुलिस ने महिला को रोका, तो उसने मामले को पैसे से सुलझाने की कोशिश की। कथित तौर पर उसने अधिकारियों को रिश्वत देकर छोड़ देने का प्रस्ताव दिया।

पकड़े जाने पर बोली- इस देश की नहीं हूं माफ कर दो

महिला ने अपनी सफाई में कहा, अगर मैंने आपको किसी तरह की परेशानी दी हो, तो मैं माफी चाहती हूं। मैं इस देश की नागरिक नहीं हूं और मुझे यहां रुकना भी नहीं है। मैं सभी सामान का भुगतान करने को तैयार हूं। इस पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने सख्त लहजे में जवाब दिया, क्या भारत में चोरी की अनुमति है? मुझे ऐसा नहीं लगता।

इसके बाद पुलिस ने बिल जांच की तो पाया कि महिला ने सच में पेमेंट नहीं किया था। इसके आधार पर उसे वहीं हथकड़ी पहनाई गई और पुलिस स्टेशन ले जाया गया। वहाँ औपचारिक प्रक्रिया शुरू की गई।

महिला पर फेलोनी यानी गंभीर अपराध के तहत केस दर्ज किया जा रहा है। हालांकि अभी तक औपचारिक गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि जल्द ही उस पर आरोप तय किए जाएंगे।

शेख हसीना युग के बाद भारत से दोस्ताना संबंध चाहती है बीएनपी

पार्टी के वरिष्ठ नेता का बयान

ढाका, 16 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की शीर्ष राजनीतिक पार्टी बीएनपी के एक बड़े नेता ने कहा है कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। बीएनपी नेता और पार्टी के कानूनी मामलों के सचिव केसर कमाल ने कहा कि 'बीएनपी एक ऐसी पार्टी है, जो सभी के साथ दोस्ती करने और किसी से दुश्मनी न करने में यकीन रखती है। यही हमारी विचारधारा है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति शहीद जियाउर रहमान ने पेश किया था। भारत हमारा बड़ा पड़ोसी है, इसलिए बीएनपी, गरिमा, दोस्ती और एकता को बनाए रखते हुए सभी के साथ मिलकर काम करना चाहेगी।' बातचीत में केसर कमाल ने कहा कि बेशक बांग्लादेश में अभी राजनीतिक पार्टियों के बीच आपसी मतभेद हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद जताई कि मोहम्मद यूनुस

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया

के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश में मुक्त, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने में सफल रहेगी। केसर कमाल ने कहा '5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस सभी राजनीतिक पार्टियों के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। सभी पार्टियों ने एकराय होकर मोहम्मद यूनुस से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने की अपील की थी। बीएनपी को विश्वास है कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष और मुक्त चुनाव कराने में सफल होगी।'

बीएनपी नेता ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन करती है। उन्होंने कहा कि अभी अवामी लीग स्थगित चल रही है और ये कार्यकारी सरकार का फैसला है, लेकिन एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते बीएनपी हमेशा से बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था और लोकतंत्र में यकीन रखती है।' पूर्व पीएम और बीएनपी नेता खालिदा जिया के स्वास्थ्य को लेकर केसर कमाल ने कहा कि 'बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी न सिर्फ देश में बल्कि पूरे महाद्वीप में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक बनी। हालांकि उनकी सेहत पर डॉक्टर ही बेहतर बता सकेंगे।'

बीएनपी ने ये भी कहा कि पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश आकर न्याय का सामना करना चाहिए। उन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान दो हजार मासूमों को मरवाने का आरोप है। उन्होंने ये भी कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन हिंदुओं पर अवामी लीग की सरकार में ज्यादा अत्याचार हुए।

छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग के 2 अधिकारी समेत 6 अरेस्ट

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत माला प्रोजेक्ट मुआवजा घोटाला केस में ईओडब्ल्यू ने जल संसाधन विभाग के दो अधिकारी समेत 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को बुधवार को रायपुर के स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद रिमांड पर भेज दिया गया है। जिनकी गिरफ्तारी हुई है, उनमें जल संसाधन विभाग के रिटायर्ड अमीन गोपाल राम वर्मा, नरेन्द्र कुमार नायक, खेमराज कोसले, पुनुराम देशलहरे, भोजराम साहू और कुंदन बघेल शामिल है। गोपाल राम वर्मा, नरेन्द्र कुमार नायक को 23 जुलाई तक और बाकी चारों की 18 जुलाई तक रिमांड पर भेजा है। अब ईओडब्ल्यू सभी से पूछताछ करेगी।

जानकारी के अनुसार, जल साधन विभाग के अधिकारियों ने जानबूझकर फर्जी रिपोर्ट दी थी। बाकी आरोपियों ने फरार राजस्व कर्मियों के साथ मिलकर बटांकन, मुआवजा निर्धारण और प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा कर किसानों से मोटी रकम कमीशन के रूप में वसूली।

भारतमाला परियोजना एक राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना हैं, जो भारत सरकार की है। इसके तहत नए राजमार्ग के अलावा उन परियोजनाओं को भी पूरा किया जाएगा जो अब तक अधूरे हैं। इसी के तहत रायपुर से विशाखापट्टनम तक करीब 463 किमी लंबी नई फोरलेन सड़क बनाई जा रही है।

फूड सेंटर पर भगदड़, 43 की मौत

खाना लेने के दौरान मई से अब तक 870 फिलिस्तीनी मारे गए, इजराइली सेना पर नरसंहार का आरोप

गाजा, 16 जुलाई (एजेंसियां)। गाजा के खान यूनिस में बुधवार को एक फूड डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर पर 43 लोगों की मौत हो गई। इनमें से 21 लोग खाना लेने की कोशिश में मारे गए, जबकि 15 लोगों की मौत भगदड़ में कुचल कर हुई।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि यह हादसा गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) सेंटर पर हुआ। मंत्रालय ने इजराइली सेना और अमेरिका पर जानबूझकर भूखे लोगों का नरसंहार करने का आरोप लगाया। जीएचएफ ने भी अब तक 20 लोगों के मारे जाने की बात स्वीकार की है, लेकिन इसके लिए हमास से जुड़े लोगों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। यूएन इन जीएचएफ सेंटर्स को मौत का

जाल करार दे चुका है। मई के अंत से अब तक इन सेंटर्स पर या आसपास 870 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस (जीएमओ) ने पिछले महीने इजराइली आर्मी पर फिलिस्तीनियों को ड्रग्स देने का आरोप लगाया था। जीएमओ का कहना था कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) ने फिलिस्तीनी लोगों को जो आटे की बोरियां दी हैं, उनमें ऑक्सीकोडोन नाम की नशीली गोलियां मिली हैं। जीएचएफ को इजराइली सेना चलाती है और इसे अमेरिका से सपोर्ट मिलाता है। जीएमओ ने कहा था कि यह लोगों को नशे की लत लगाने की साजिश है। इजराइल नशीली दवाओं को हथियार के तौर में इस्तेमाल कर रहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए युद्ध के बाद से इजराइली हमलों में गाजा के 58,573 लोग मारे गए हैं और 1,39,607 अन्य घायल हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 94 लोगों की मौत हुई है और 252 घायल हुए। 18 मार्च के बाद से अब तक 7,750 लोग मारे गए हैं और 27,566 घायल हुए हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में मूसलाधार बारिश का कहर

पिछले 24 घंटे में नौ की मौत, 90 से ज्यादा घायल

लाहौर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तेज बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। बात अगर पिछले 24 घंटे की करें तो भारी बारिश के कारण कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। वहीं 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो पंजाब प्रांत के बहावलनगर में तीन बच्चों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हुए। ओकारा में दो किशोर, जिनमें एक लड़की भी शामिल है, की मौत हुई और 12 लोग घायल हुए। लाहौर में भी बारिश के कारण तीन मौतें हुईं और आठ लोग घायल हुए। भक्कर जिले में एक व्यक्ति की मौत और तीन लोग घायल हुए। इसके अलावा, कई अन्य जिलों में भी बारिश के चलते जबरदस्त तबाही मची है। इनमें पाकपटन में तीन, सहिवाल में चार, फैसलाबाद और मुजफ्फरगढ़ में दो-दो, टोबा टेक सिंह में चार, कसूर में तीन, डेरा गाजी खान में दो, राजनपुर, सियालकोट और मियांवाली में एक-एक घायल होने की खबर है। हालांकि बारिश के कारण लाहौर में तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया।

बारिश का रिकॉर्ड भी मिला है, जिसमें लक्ष्मी चौक पर 31 मिमी, करतबा चौक पर 19 मिमी, और समनाबाद, फर्रुखाबाद, इकबाल टाउन जैसे इलाकों में 10 से 18.5 मिमी तक बारिश हुई।

भजनलाल सरकार की योजना पर कैबिनेट मंत्री ने ही उठाए सवाल

बोले- अपात्रों पर पैसा लुटाने का कोई मतलब नहीं

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ग्रामीण विकास एवं पंचायतराज विभाग की पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना को लेकर विरोध शुरू हो गया। कैबिनेट की बैठक में इस योजना पर स्वयं इसी विभाग के मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने सवाल खड़े कर आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि बीपीएल में शामिल जो लोग साधन-सम्पन्न हैं, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पैसा देने की क्या जरूरत है। अपात्रों पर पैसा लुटाने का कोई मतलब नहीं है। सरकारी सहायता तो उन परिवारों को मिलनी चाहिए, जो जरूरतमंद हैं और जिनके पास पक्के मकान नहीं है। यह बात अलग है कि मंत्री की इस असहमति को बैठक में रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया।

यह है गरीबी मुक्त गांव योजना

दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे रह रहे परिवारों को बेहतर आजीविका प्रदान करने के लिए सरकार ने 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। बीपीएल जनगणना 2002 की सूची के अनुसार प्रथम चरण में अप्रेल से जून 2025 तक सर्वे किया गया। 41 जिलों में प्रत्येक जिले से 122 गांवों का चयन कर कुल 5002 गांवों में 30631 परिवारों का सर्वे किया गया। सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। चयनित 72 प्रतिशत यानी 22076 परिवार गरीबी रेखा के दायरे से बाहर आ गए।

सवाल: लाभ मिलेगा या नहीं

गरीबी रेखा से ऊपर आए परिवारों को राज्य सरकार ने बीपीएल से बाहर होने का दावा कर दिया। सवाल यह है कि बीपीएल सूची केन्द्र सरकार की है और इस सूची के अनुसार ही खाद्य सुरक्षा योजना जैसी कई योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। ऐसे में गरीबी रेखा से बाहर आ चुके इन परिवारों को केन्द्रीय योजनाओं का लाभ मिलता रहेगा या नहीं?

इनके पास बिजली-शौचालय नहीं

पहले चरण की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार 6524 परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। इनमें से 122 परिवार तो ऐसे हैं जिनके पास बिजली-पानी का कनेक्शन तो दूर पेट भरने के लिए अन्न तक नहीं है। 1580 परिवारों के पास जमीन का पट्टा, 1277 के पास घर, 1056 के पास टॉयलेट, 758 के पास इलाज कराने के लिए पैसे एवं 726 परिवारों के पास गैस कनेक्शन नहीं है। वहीं 728 परिवारों को पेंशन नहीं मिल रही है।

पहले चरण में बांटे जा रहे 46.35 करोड़

गरीबी रेखा से बाहर आने वाले प्रत्येक परिवार को 21 हजार की प्रोत्साहन राशि व आत्मनिर्भर परिवार कार्ड दिया जाता है। इस तरह 22076 परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप सरकार को कुल 46.35 करोड़ की राशि देनी है। विभाग ने कई परिवारों को राशि का भुगतान भी कर दिया। द्वितीय चरण के सर्वे के लिए 5000 गांवों के 77545 परिवार चिह्नित किए गए हैं। यह चरण दिसम्बर तक पूरा होगा।

बासनपीर में छतरी विवाद के बाद प्रशासन सख्त

धारा 163 लागू, सभा-जुलूस और भीड़ पर पूर्ण प्रतिबंध

जैसलमेर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बासनपीर गांव में बीते कुछ दिनों से लगातार बढ़ते तनाव और सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगड़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए बड़ा फैसला लिया है। उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट सक्षम गोयल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू करते हुए एक आधिकारिक आदेश जारी किया है। यह आदेश 16 जुलाई से प्रभावी हो चुका है और आगामी आदेश तक लागू रहेगा।

प्रशासन की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान हालात को देखते हुए शांति और कानून व्यवस्था को खतरा हो सकता है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो सकता है। ऐसे में यह कदम पूरी तरह से एहतियातन सुरक्षा के लिहाज से उठाया गया है। गौरतलब है कि बीते दिनों बासनपीर गांव में छतरी निर्माण को लेकर तनाव फैल गया था। जानकारी के अनुसार गांव के तालाब के समीप ऐतिहासिक छतरियां स्थित थीं, जो वर्षों पूर्व ध्वस्त हो चुकी थीं। एक पक्ष द्वारा इन छतरियों के पुनर्निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही थी। प्रशासन द्वारा जब इस मांग को मानते हुए निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई तो अचानक गांव के ही एक अन्य समुदाय ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

10 जुलाई को सुबह जब पुनर्निर्माण कार्य के दौरान दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया और देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई। महिलाओं समेत भीड़ ने पथराव शुरू कर दिया, जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और पुलिस को हालात काबू में करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इस हिंसा में एक कांस्टेबल समेत चार लोग घायल हुए। मौके से पंद्रह से अधिक महिलाओं समेत कुल दो दर्जन से अधिक लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा। विवादित घटना के बाद बासनपीर गांव में तैनात पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में शांति बहाल कर दी थी लेकिन मामला यहीं नहीं थमा। धीरे-धीरे यह मुद्दा राजनीतिक रंग लेने लगा। कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने गांव में दौरा करने और सभाएं आयोजित करने की घोषणाएं करना शुरू कर दिया। इसके चलते एक बार फिर माहौल के बिगड़ने की आशंका प्रशासन को सताने लगी। 10 जुलाई को झगड़े के बाद मौके पर जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी और पूर्व विधायक सांग सिंह भाटी सहित कई भाजपा नेता भी यहां पहुंचे थे। इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी के 16 जुलाई को और पूर्व मंत्री हरीश चौधरी के 19 जुलाई को बासनपीर पहुंचने की घोषणा के बाद से प्रशासन की चिंताएं और बढ़ गईं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए प्रशासन ने किसी भी प्रकार की सभा, रैली, जुलूस या भीड़ एकत्रित होने की संभावनाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया और तत्काल प्रभाव से क्षेत्र में धारा-163 लागू कर दी। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163, पूर्ववर्ती धारा-144 के स्थान पर लागू की गई है। इसके अंतर्गत प्रशासन को यह अधिकार प्राप्त होता है कि जब किसी क्षेत्र में सार्वजनिक शांति भंग होने की आशंका हो, तो वहां निषेधाज्ञा लागू कर किसी भी प्रकार की भीड़, सभा या आंदोलन पर रोक लगाई जा सकती है। साथ ही सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाले संदेशों के प्रचार-प्रसार पर भी नियंत्रण रखा जाता है। एसडीएम सक्षम गोयल ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश की अवहेलना करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा-223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की ढील या छूट के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

आयकर विभाग ने की दो राजनीतिक दलों के ठिकानों पर रेड, 500 करोड़ के बोगस चंदे का खुलासा

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में फर्जी इनकम टैक्स छूट और बोगस डोनेशन के खिलाफ आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के निर्देश पर 14 जुलाई से शुरू हुई छापेमारी में आयकर विभाग ने दो राजनीतिक पार्टियों के खिलाफ भी शिकंजा कस दिया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को जांच में बीते तीन साल में करीब 500 करोड़ रुपये के बोगस चंदे के साक्ष्य मिले हैं, जिन्हें कमीशन काटकर कैश में वापस लौटा दिया गया।

देशभर में 150 से ज्यादा ठिकानों पर की गई तलाशी कार्रवाई के तहत आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने राजस्थान, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में मौजूद दो राजनीतिक दलों के करीब 10 ठिकानों पर छापेमारी की है। राजस्थान के भीलवाड़ा, मध्यप्रदेश के आलीराजपुर और महाराष्ट्र के औरंगाबाद में यह कार्रवाई की गई।

जांच में जिन दो राजनीतिक दलों के नाम सामने आए हैं, उनमें भारतीय सामाजिक पार्टी (मध्यप्रदेश) और युवा भारत आत्मनिर्भर दल (महाराष्ट्र) शामिल हैं। आयकर विभाग के मुताबिक दोनों ही दलों ने बोगस डोनेशन के नाम पर बड़ी मात्रा में नकद राशि ली और फिर उसका कुछ हिस्सा कमीशन के रूप में रखकर बाकी रकम नकद में वापस लौटा दी। इस रकम का उपयोग राजनीतिक गतिविधियों में नहीं किया गया। दोनों दलों ने राजस्थान के भीलवाड़ा समेत विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में चंदा लिया था। विभाग की कार्रवाई में यह भी सामने आया कि फर्जी कटौतियों और छूट के नाम पर एक संगठित गिरोह कार्य कर रहा था। इसमें आईटीआर फाइल करने वाले एजेंट, बिचौलिए, सीए और टैक्स सलाहकार शामिल थे। इन लोगों ने आयकर छूट के नाम पर फर्जी चिकित्सा खर्च, बच्चों की ट्यूशन फीस और मकान किराया जैसी रसीदें बनाकर टैक्स में गड़बड़ियां कीं। छापेमारी में कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइसेज को जब्त किया गया है। विभाग अब इन डिवाइसेज की गहराई से जांच कर रहा है ताकि बोगस डोनेशन से जुड़े सभी लिंक सामने आ सकें। आयकर विभाग अब उन टैक्स पेयर्स की सूची तैयार कर रहा है, जिन्होंने इन राजनीतिक दलों को बोगस डोनेशन दिया। जल्द ही ऐसे करदाताओं पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक यह संख्या काफी बड़ी हो सकती है और राजस्थान के कई हाई-प्रोफाइल लोग भी जांच के दायरे में आ सकते हैं।

यूएई करेगा 3 लाख करोड़ का निवेश

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अक्षय ऊर्जा में पूरे देश में सिरमौर राजस्थान में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में विदेश का पहला बड़ा निवेश हो रहा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) प्रदेश में तीन लाख करोड़ के निवेश से 60 हजार मेगावाट क्षमता के प्रोजेक्ट लगाएगा। केन्द्र सरकार यूएई के साथ हुए एमओयू को राजस्थान की तरफ डायवर्ट कर रही है। यह न केवल ऊर्जा क्षेत्र, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए गेमचेंजर साबित हो सकता है। यूएई सरकार बड़ी रणनीतिक योजना के तहत मसौदा तैयार कर रही है। संभव है कि इसमें भारतीय कंपनी को भी अपने साथ जोड़े और खुद निवेशक पार्टनर के रूप में काम करे। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के निवेश मंत्री मोहम्मद हसन अल सुवाइदी और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच एमओयू साइन हुआ था। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट ग्लोबल समिट से ठीक पहले जयपुर में भी मुख्यमंत्री की मौजूदगी में एमओयू किया गया, लेकिन इसे 35 लाख करोड़ में शामिल नहीं किया था। देश में सबसे ज्यादा रेडिएशन (सौर ऊर्जा) राजस्थान में है। यहां प्रति वर्गमीटर एरिया से हर साल 5.72 यूनिट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता है। जबकि, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित अन्य राज्य हमसे काफी पीछे हैं। यही कारण है कि निवेशकों की नजर राजस्थान की तरफ ज्यादा है। जमीन का चयनः इतने बड़े प्रोजेक्ट के लिए एक जगह पर्याप्त जमीन मिलना मुश्किल है। संभव है कि यह कई जिलों में फेजवाइज स्थापित किया जाए। इसके कई वर्ष लगेंगे। बिजली उत्पादन के बाद आपूर्ति सबसे बड़ी चुनौती है। नया ट्रांसमिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना होगा और मौजूदा क्षमता में इजाफा करना पड़ेगा। यह प्रोजेक्ट राज्य की वर्तमान अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता से कई गुना अधिक है। इससे राजस्थान विश्व में सौर और पवन ऊर्जा का बड़ा हब बनेगा।

'कांग्रेस के पाप धोने में लग रहा समय'

मदन राठौड़ का तंज, कहा- भाजपा दे रही सबको समान अवसर

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेताओं पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के पापों को धोने में समय लग रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत सरकार ने अपने कार्यकाल में वार्ड और पंचायतों का गठन पूरी तरह अव्यवस्थित और अनियमित तरीके से किया था।

राठौड़ ने कहा कि कहीं 250 मतदाताओं का वार्ड बना दिया गया तो कहीं 8000 मतदाताओं का। इससे साफ होता है कि वार्ड और पंचायतों का गठन राजनीतिक स्वार्थ और व्यक्तिगत लाभ के लिए किया गया था।" उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान भाजपा सरकार इन खामियों को

दुरुस्त करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है ताकि सभी को समान अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य किसी का पक्षपात करना नहीं, बल्कि पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित करना है।

मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेताओं की आलोचना प्रवृत्ति पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को केवल दोष ढूंढने और आलोचना करने की आदत हो गई है। वे हमेशा नकारात्मक सोच के साथ काम करते हैं, जबकि अब वक्त सकारात्मक पहल का है। हाल ही में हुए विधानसभा और निकाय उपचुनावों का जिक्र करते हुए राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने 36 में से 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "इसके बावजूद कांग्रेस खुद को विजयी बताने में लगी है। यह स्थिति कांग्रेस नेताओं के लिए आत्ममंथन का विषय है।

अमित शाह का जयपुर दौराः सहकारिता क्षेत्र को मिलेगा बल

पत्रकारों से बातचीत में राठौड़ ने बताया कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को जयपुर के दादिया क्षेत्र में सहकारिता विभाग के एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसमें प्रदेशभर से सहकारिता क्षेत्र से जुड़े नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं की भागीदारी रहेगी।

बेनीवाल की जनआक्रोश रैली के आगे झुकी सरकार

17 घंटे बाद धरना समाप्त, सभी मांगों पर बनी सहमति

नागौर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की अगुवाई में आयोजित जनआक्रोश रैली आखिरकार 17 घंटे के लंबे धरने के बाद देर रात समाप्त हुई। जिला कलेक्टर अरुण कुमार पुरोहित खुद धरनास्थल पहुंचे और सभी 19 मांगों पर सहमति जताई, जिसके बाद बेनीवाल ने धरना समाप्त करने की घोषणा की।

धरना नागौर के पशु प्रदर्शनी स्थल पर सुबह 11 बजे शुरू हुआ और रात करीब 2 बजे तक चला। हनुमान बेनीवाल खुद अपनी पत्नी, बेटे और बेटी के साथ धरना स्थल पर मौजूद रहे। रैली में हजारों की भीड़ उमड़ी। पहले रैली केवल 8 सूत्रीय मांगों के साथ शुरू हुई थी, लेकिन बाद में मांगों की संख्या बढ़कर 19 हो गई।

इस जनाक्रोश रैली की प्रमुख मांगों में मेड़ता–पुष्कर रेलवे लाइन के भूमि अधिग्रहण में किसानों को उचित मुआवजा, थार एक्सप्रेस वे सर्वे में पारदर्शिता, लंबित फसल बीमा क्लेम, बिजली कनेक्शन, बजरी लीज सर्वे की समीक्षा, सीमेंट कंपनियों की पर्यावरण स्वीकृति पर जनसुनवाई, और खेजड़ी जैसे पेड़ों की कटाई पर रोक जैसे मुद्दे शामिल रहे।

रैली के दौरान बेनीवाल ने सरकार को चेतावनी दी कि अगर मांगें नहीं मानी गईं तो वे जिला कलेक्ट्रेट पर कूच करेंगे और फिर राजधानी जयपुर में बड़ा आंदोलन करेंगे। उनके इस ऐलान के बाद प्रशासन हरकत में आया और देर रात खुद कलेक्टर धरना स्थल पहुंचे और सभी मांगों पर सहमति जताई।

डीआईजी स्तर से लंबित आपराधिक मामलों की दोबारा जांच, चोरी-नकबजनी की फाइलें रिओपन कर डीडवाना-कुचामन पुलिस को सौंपी जाएंगी। अम्बुजा और जेएसडब्ल्यू सीमेंट फैक्ट्रियों से जुड़े आंदोलन और पर्यावरण मंजूरी को लेकर भी पुनः जनसुनवाई कराने की सहमति बनी। इसके साथ ही सरकार ने स्मार्ट मीटर केवल उपभोक्ता की सहमति से लगाने का आश्वासन दिया और सभी लंबित कृषि कनेक्शनों को प्राथमिकता से पूरा करने की बात कही।

हनीट्रैप में फंसाकर कारोबारी से 90 लाख की ठगी

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के महेश नगर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने प्रेमजाल और शादी का झांसा देकर एक कारोबारी से करीब 90 लाख रुपए ठग लिए और जब कारोबारी ने पैसे देने से मना किया तो युवती ने उसे झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित कारोबारी ने अब युवती के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। महेश नगर थाने के अनुसार 42 वर्षीय पीड़ित बिजनेसमैन सांगानेर इलाके का रहने वाला है और महेश नगर में स्थित एक कंपनी का डायरेक्टर है। साल 2017 में उसकी कंपनी में एक युवती ने समर इंटर्न के तौर पर काम शुरू किया था। इसी दौरान युवती ने सोशल मीडिया के जरिए कारोबारी से संपर्क साधने की कोशिश की। जब कारोबारी ने युवती की बातचीत में रुचि नहीं दिखाई तो उसने एक चाल चली और उसकी पत्नी से दोस्ती कर ली।

सांसद राजकुमार रोत ने भील प्रदेश की कर डाली मांग

सियासत में उबाल; बीजेपी के मंत्री बोले- मांग बेकार

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। डूंगरपुर-बांसवाड़ा सांसद राजकुमार रोत ने अलग भील प्रदेश की मांग को लेकर अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर भारत का एक नक्शा अपलोड किया। इसमें नए भील प्रदेश का नक्शा शामिल किया गया है। इस मैप में भील प्रदेश को राजस्थान, गुजरात, एमपी और महाराष्ट्र के हिस्सों को कम करके बताया गया है। हालांकि भील प्रदेश की मांग राजस्थान में नई नहीं है लेकिन सोशल मीडिया पर सांसद की तरफ से इसका नक्शा अपलोड करने के बाद राजस्थान की राजनीति में जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

बीजेपी की तरफ से पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए ही रोत को जवाब देते हुए लिखा...राजस्थान की आन, बान और शान को तोड़ने की

साजिश कभी सफल नहीं होगी। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद श्री राजकुमार रोत द्वारा जारी किया गया तथाकथित ₹भील प्रदेश₹ का नक्शा एक शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक स्टंट है। यह न केवल गौरवशाली राजस्थान की एकता पर चोट है बल्कि आदिवासी समाज के नाम पर भ्रम फैलाने और सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश भी है। आज अगर कोई भील प्रदेश की बात करेगा, कल कोई मरू प्रदेश की मांग करेगा तो क्या हम अपने शानदार इतिहास, विरासत और गौरव को ऐसे ही टुकड़ों में बाँट देंगे? सांसद राजकुमार रोत द्वारा जारी नक्शा आदिवासी समाज में जहर बोने की साजिश है जो प्रदेशद्रोह की श्रेणी में आता है और इसे जनमानस कभी स्वीकार नहीं करेगा। वहीं सांसद राजकुमार रोत ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि भील प्रदेश की मांग नई नहीं है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले से ही भीलप्रदेश की मांग उठती आई है, क्योंकि यहां के लोगों की संस्कृति, भाषा, बोली और रीति रिवाज दूसरे प्रदेशों से अलग है और आदिवासी संस्कृति और सभ्यता को बचाने और उसके सरंक्षण के लिए जरूरी है। रोत ने कहा कि भील राज्य की मांग को लेकर गोविंद गुरु के नेतृत्व में 1913 में 1500 से अधिक आदिवासी मानगढ़ पर शहीद हुए थे। आजादी के बाद भील प्रदेश को चार राज्य में बांटकर इस क्षेत्र की जनता के साथ अन्याय किया। गोविंद गुरु के नेतृत्व में शहीद हुए 1500 से अधिक शहीदों के सम्मान में भील प्रदेश राज्य बनाना है।

वहीं अलग भील प्रदेश की मांग को लेकर बीजेपी नेता के आदिवासी नेता और कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी की प्रतिक्रिया भी सामने आई। उन्होंने कहा कि भील प्रदेश की मांग बेकार है और इसमें कुछ भी नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की योजनाओं को अंतिम पंक्ति के लोगों तक पहुंचाने का काम किया जा रहा है।

चूरू में मिला 'मेड इन जापान' लिखा गुब्बारा, ग्रामीणों में मची हलचल

चूरू, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चूरू जिले सादुलपुर तहसील के हरियाणा सीमावर्ती गांव कामाण में एक खेत में एक गुब्बारे सहित मशीन मिलने से खेतों में काम करने वाले ग्रामीणों में हलचल सी मच गई। अचानक किसी संदिग्ध वस्तु को देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित हो गए। सूचना मिलते ही हमीरवास थाना पुलिस के एएसआई महेंद्र सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंचकर मौका निरीक्षण किया।

वहीं इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि एक गुब्बारे से एक रेशमी लम्बे धागे से बंधी हुई मशीन जमीन पर पड़ी मिली है। इस मशीन के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और सूक्ष्म यंत्र भी बंधा हुआ है, जिस पर मेड इन जापान लिखा हुआ है। संभव है कोई मौसम संबंधी यंत्र हो, लेकिन मेड इन जापान लिखे जाने के कारण ग्रामीण असमंजस की स्थिति में हैं।

400 करोड़ ठगी का खुलासा

नदी में फेंके सबूत, पत्नी ने ऐसे दिया साथ, विदेशी पार्टनर भी शामिल

भरतपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। साइबर थाना धौलपुर में दर्ज हुए ठगी के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 400 करोड़ रुपए की ठगी के मास्टरमाइंड को मिर्जापुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पुलिस के पहुंचने से पहले ही अपना लैपटॉप और फोन नदी में फेंक दिया। ठग न तो सिम यूज करता था और न ही सोशल मीडिया पर उसका अकाउंट था। आरोपी अपनी पत्नी के वाई-फाई से गैंग को निर्देश देता था। पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने बताया कि पूछताछ में चौकाने वाला खुलासा हुआ है। ठगी के इस खेल में विदेशी पार्टनर भी शामिल बताए गए हैं। ठगी का खेल कबोडिया से संचालित होना सामने आ रहा है। पकड़ा गया आरोपी रोहित दुबे (28) पुत्र शरद दुबे बरोदा कचार रामचंद्र शुक्ल पार्क के सामने तहसील सदर थाना कटरा कोतवाली मिर्जापुर उत्तर प्रदेश हाल फर्स्ट क्रॉस एचएसआर ले-आउट सेक्टर सात बेंगलुरु (कर्नाटक) का निवासी है।

ट्रेलर ने बाइक सवार 2 युवकों को कुचला, मौके पर मौत, ड्राइवर फरार

जयपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। भांकरोटा इलाके के नृसिंहपुरा के पास एक ट्रेलर ने बाइक सवार युवकों को कुचल दिया। हादसे के बाद चालक ट्रेलर छोड़कर भाग गया।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान मनीष और प्रिंस के रूप में हुई है। दोनों युवक महेंद्रा सेज क्षेत्र की एक निजी कंपनी में काम करते थे। अपनी बाइक से भांकरोटा से महेंद्रा सेज की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान नृसिंहपुरा के पास सड़क पर बने गड्ढे को बचाने की कोशिश में ट्रेलर चालक ने वाहन को तेजी से साइड में दबाया, जिससे उसकी चपेट में बाइक आ गई।

ट्रेलर की जोरदार टक्कर से बाइक सवार मनीष और प्रिंस सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयानक था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

गोली मारकर हत्या : आरोपी बोले-बड़े दादा बन रहे हो, अब देखते हैं तुहें कौन बचाता है, और मार दी गोली

भरतपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव फुलवारा में एक जने की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन जनों को पकड़ा है। इनमें दो बाल अपचारी हैं। पकड़े गए तीनों आरोपियों के पैर में चोट लगी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी के पैर पर प्लास्टर चढ़ा हुआ है। पुलिस ने दावा किया है कि भागते समय उसके पैर में चोट लग गई। थाने पर कप्तान सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी फुलवारा की ओर से दी गई रिपोर्ट पर पुलिस ने सरगर्मी ने आरोपियों की तलाश शुरू की। सोमवार सुबह करीब 7-8 बजे घटना में शामिल आरोपी तीरथपाल (20) पुत्र पूरन सिंह ठाकुर निवासी चौमा थाना जैत मथुरा गांव भरंगरपुर में रेलवे की पटरियों पर भागता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह तेजी से भागा और उसके पैर में चोट लग गई, जिसे हिरासत में लेने के बाद आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले का अनुसंधान थाना प्रभारी हनुमान सहाय ने किया। पुलिस ने अन्य दो बाल अपराधियों को निरुद्ध किया है।

तेलंगाना औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए अनुकूल राज्य: भट्टी

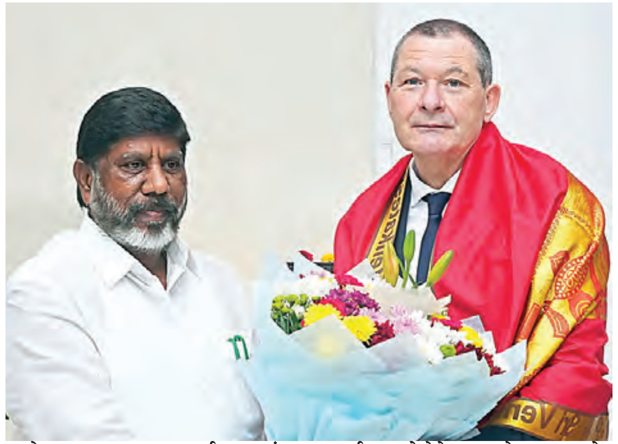

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फ्रांसीसी महावाणिज्य दूत मार्क लेमैत्रे और उनके प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से शिष्टाचार भेंट की।

बातचीत के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना प्रौद्योगिकी और अन्य उद्योगों की स्थापना के लिए एक अनुकूल स्थान है और राज्य सरकार उद्योगों को हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। भट्टी विक्रमार्क ने फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल को राज्य में उपलब्ध संसाधनों और अन्य पहलुओं का अध्ययन करने की भी सलाह दी। बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया और ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

केटीआर ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को मेदिगड्डा बहस के लिए दी चुनौती

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को मेदिगड्डा बैराज की स्थिति पर खुली बहस करने और कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के खिलाफ अपने आरोपों को साबित करने की चुनौती दी। उन्होंने मुख्यमंत्री के बार-बार के दावों का खंडन किया कि बैराज टूट गया है, जिससे कालेश्वरम परियोजना बेकार हो गई है। बुधवार को तेलंगाना भवन में दलित बंधु साधना समिति के साथ एक बैठक में बोलते हुए, रामा राव ने याद दिलाया कि बीआरएस ने पहले ही मुख्यमंत्री की सार्वजनिक बहस की चुनौती स्वीकार कर ली थी और उन्हें तैयारी के लिए तीन दिन का समय देते हुए हैदराबाद के प्रेस क्लब में आमंत्रित किया था।

मुख्यमंत्री की हालिया चुनौती का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'आपने हमें एक बार चुनौती दी थी, और हम प्रेस क्लब आए थे। लेकिन आप चर्चा से भाग गए। अगर आपमें सचमुच हिम्मत है, तो मेदिगड्डा में आकर बहस

कीजिए।' उन्होंने रेवंत पर झूठ बोलने का आरोप लगाया, जबकि उन्हें पता था कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तुंगतुर्थी और सूर्यपेट जैसे दूर-दराज के इलाकों में भी सिंचाई का पानी पहुँचाया था। उन्होंने कहा, 'जलाशय लबालब भरे हुए हैं, फिर भी लोग परेशान हैं। इस सरकार ने सिंचाई और पीने के पानी, दोनों को एक साथ छोड़ दिया है।' रेवंत रेड्डी पर सीधा निशाना साधते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुँचाने के लिए उनकी कड़ी आलोचना की। उन्होंने चंद्रशेखर राव और अन्य राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ रेवंत रेड्डी की अभद्र और अपमानजनक भाषा की निंदा की। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अहंकारी होने, लोगों को धमकाने और पद तथा एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि के लिए अनुचित भाषा बोलने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, ' डॉ. बी.आर. आंबेडकर ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि रेवंत रेड्डी जैसे धोखेबाज और अपराधी सत्ता में आ जाएँगे। वरना, उन्होंने संविधान में ऐसे लोगों को वापस बुलाने और बाहर निकालने का अधिकार लिख दिया होता।' उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि वे राजनीति में अभद्र भाषा के इस्तेमाल के ख़िलाफ़ हैं, लेकिन रेवंत रेड्डी ने उनके सामने कोई विकल्प नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि उन्हें रेवंत रेड्डी के शब्दों में जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि रेवंत रेड्डी ऐसी भाषा ही समझते हैं।

रामा राव ने सोशल मीडिया पर आवाज़ उठाने वालों और असहमति जताने वालों को निशाना बनाने वाली कांग्रेस सरकार की कार्रवाई की भी निंदा की। उन्होंने कहा, 'आप हम पर 100 मुकदमे लगा सकते हैं, लेकिन हम आपकी कपटपूर्ण और जनविरोधी नीतियों का पर्दाफ़ाश करना बंद नहीं करेंगे।' उन्होंने वादा किया कि आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में जनता उचित फ़ैसला सुनाएगी।

इस बीच, पूर्व मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर दलित बंधु योजना के तहत लंबित वित्तीय सहायता जारी न करके दलितों के साथ धोखाधड़ी और जनता के विश्वास को तोड़ने का आरोप लगाया। कांग्रेस के घोषणापत्र को सदी का सबसे बड़ा घोटाला बताते हुए, उन्होंने मांग की कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान पहचाने गए प्रत्येक पात्र व्यक्ति को इस योजना के तहत तुरंत धनराशि प्रदान की जाए।

उन्होंने कार्यक्रम में बाधा डालने और लाभ राशि को बढ़ाकर 12 लाख रुपये करने के अपने वादे को पूरा न करने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'दलित बंधु कभी भी वोट पाने का हथकंडा नहीं था। यह दलितों के जीवन में आमूलचूल परिवर्तन लाने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल थी।' उन्होंने याद दिलाया कि कैसे पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने चार दशक पहले उनके द्वारा शुरू की गई दलित चैतन्य ज्योति से प्रेरणा ली थी। रामा राव ने कांग्रेस सरकार पर हाशिए पर पड़े समुदायों की उम्मीदों का फायदा उठाने और चुनावी वादों को पूरा किए बिना उन्हें धोखा देने का आरोप लगाया। कांग्रेस के घोषणापत्र को इस सदी का सबसे बड़ा धोखा बताते हुए, उन्होंने 420 अधूरे चुनावी वादों और तेलंगाना समाज के हर वर्ग को धोखा देने पर सवाल उठाया।

वाणी में ही अमृत है और जहर भी : श्रीचन्द्रप्रभ जी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री चन्द्रप्रभ जी महाराज ने कहा कि जो व्यक्ति बोलने की कला जानता है, वह जीवन में विकास भी करता है और सब लोग उसे पसंद भी करते हैं। हमारी वाणी में ही अमृत है और वाणी में ही जहर्। इसी जबान से आदमी रिश्तों को बनाता है तो रिश्तों को बिगाड़ भी बैठता है। जो लोग अपनी जबान का सही इस्तेमाल करते हैं, वे वक्त आने पर हारी हुई बाजी भी जीतने में सफल हो जाते हैं। रावण को मिठास से बोलना नहीं आता था, इसलिए उसने अपना सगा भाई भी खो दिया था, पर राम ने सम्मान भरी भाषा का प्रयोग करके दुश्मन के भाई को भी अपना दोस्त बना लिया।

वे बुधवार को लोक कल्याणकारी चातुर्मास समिति नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित कैसी बोलें वाणी दुनिया हो जाए दीवानी विषय पर प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह आदमी की वाणी की ही ताकत है कि भगवान महावीर ने चंडकौशिक जैसे विषधर साँप को भी शांत कर दिया था। बुद्ध के वचनों से प्रभावित होकर अंगुलीमार डाकू भी संत बन गया था। संतप्रवर ने कहा कि नीम के पेड़ कम हो रहे हैं और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है। दूसरी ओर शरीर में शुगर बढ़ रही है और जुबान की मिठास कम होती जा रही है।

उन्होंने वाणी को शिष्ट, मिष्ट और इष्ट रखने की प्रेरणा देते हुए कहा कि हमें कभी भी गाली-गलौच नहीं करना चाहिए्। सदा शालीन भाषा का उपयोग करना श्रेष्ठ व्यक्तित्व की निशानी है। राष्ट्र-संत ने मंच पर युवाओं को बुलाकर प्रेरणा दी कि हम जब भी बोलें आत्मविश्वास के साथ बोलें्। अगर कभी भी मंच पर बोलने का अवसर भी मिल जाए, तो हमें घबराना नहीं चाहिए।

संतप्रवर ने कहा हम जब भी बोलें मुस्कुराकर बोलें्। मुँह चढ़ाकर बोलने से अच्छे शब्दों की कीमत भी कम हो जाती है। अगर हम अपने बच्चों के साथ भी प्रोत्साहन की भाषा का इस्तेमाल करेंगे तो वे जीवन में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित होंगे। संतश्री ने कहा कि मोबाइल से तीन बातें सीखिए- अच्छी बातें सेव कीजिए और अच्छी बातों को फॉरवर्ड कीजिए, बेकार की बातों को डिलिट कीजिए। आपका जीवन सदा सुखी बना रहेगा। अपनी जुबान से हमेशा मीठे शब्दों का इस्तेमाल कीजिए्। याद रखिए - माँ के पेट से निकला बच्चा और मुँह से निकले बोल कभी वापस नहीं जाते। इसलिए अपनी जुबान से ऐसी भाषा का प्रयोग करें कि भविष्य में आपको पछताना न पड़े। केवल अच्छे लोगों की तलाश मत कीजिए अपितु आप स्वयं ही अच्छे बन जाइए।

कार्यक्रम में संघ संरक्षक विमल नाहर, अध्यक्ष मोतीलाल भलघट, वाइस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराना, कार्य अध्यक्ष अमित मुनोत, स्वागत अध्यक्ष पवन पांडया, प्रधान संयोजक नवरतन मल गुंदेचा, महामंत्री अशोक नाहर, कोषाध्यक्ष मानक चंद्र पोखरणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल चंद मूथा, उपाध्यक्ष कुशल कांकरिया, योगेश गांधी महावीर चोपड़ा निर्मल कोठारी मंत्री प्रवीण सुराणा चंद्र प्रकाश लोढ़ा, सह मंत्री रोमिल गोलेछा, महावीर भलगट विशेष रूप से उपस्थित थे।

मंच संचालन महामंत्री अशोक कुमार नाहर ने करते हुए बताया कि मेमोरी पावर बढ़ाने के नुस्खे विषय पर गुरुवार को होगा प्रवचन, अपने साथ युवा पीढ़ी, बहू और बच्चों को जरूर लाएं।

यूओएच आईसीएसएसआर परियोजना का हिस्सा

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के हिंदी के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रोफेसर गजेंद्र पाठक उस टीम का हिस्सा हैं, जिसे आईसीएसएसआर के द्वितीय आह्वान के तहत 'ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान भारतीय श्रम प्रवास का सांस्कृतिक इतिहास' पर अनुदैर्ध्य अध्ययन के लिए 1.20 करोड़ रुपये की आईसीएसएसआर अनुसंधान परियोजना से सम्मानित किया गया है। आईसीएसएसआर सहयोगी अनुसंधान परियोजना टीम की संरचना में परियोजना निदेशक शामिल हैं - प्रोफेसर गजेंद्र पाठक (यूओएच), डॉ चंदन श्रीवास्तव (बीएचयू), डॉ रचना विश्वकर्मा (सीयूएसबी), डॉ अनुपमा पांडे, भारतीय उच्चायोग, लंदन (यूके) और कैप्टन ओम प्रकाश सिंह, समुद्री विशेषज्ञ, लंदन (यूके), परियोजना समन्वयक प्रोफेसर निरंजन सहाय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी हैं।

एआईएमआईएम ने तीसरा मेगा जॉब फेयर किया आयोजित

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम), नामपल्ली निर्वाचन क्षेत्र ने बुधवार को किंग्स पैलेस, गुडीमलकापुर में अपना तीसरा मेगा जॉब फेयर आयोजित किया, जिसमें नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की भारी भीड़ उमड़ी। 17,000 से ज़्यादा उम्मीदवारों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया, जबकि सैकड़ों लोग मौके पर ही पंजीकरण के लिए कतारों में खड़े रहे। नामपल्ली के विधायक मोहम्मद माजिद हुसैन ने बताया कि रोज़गार मेले में 150 कंपनियों ने हिस्सा लिया और विभिन्न क्षेत्रों में लगभग 25,000 रिक्तियों की पेशकश की।

उन्होंने कहा, 'यह हमारा तीसरा रोज़गार मेला है, पहले मेले में 500 और दूसरे मेले में 1,100 उम्मीदवारों को सफलतापूर्वक नौकरी मिली थी। हम बेरोज़गार युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़कर उनकी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा कि जिन अभ्यर्थियों का चयन नहीं हुआ है, उन्हें टास्क (तेलंगाना एकेडमी फॉर स्किल एंड नॉलेज), लाइट हाउस (एक सहायक एनजीओ) के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा और वे कौशल उन्नयन के बाद अगले रोजगार मेले में भाग लेने के पात्र होंगे। मेले का समन्वयन रेड हिल्स के पार्षद मोहम्मद आरिफ रिजवान, एचडीएफसी के पूर्व उपाध्यक्ष मोहम्मद हन्नान, आईटी प्रोफेशनल मोहम्मद ज़ब्बार और एआईएमआईएम सदस्य मोहम्मद मुकर्रम ने किया।

उर्वरक की कमी के कारण रात भर कतार में खड़े रहे किसान

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कई ज़िलों में किसानों को चालू खरीफ सीज़न के लिए यूरिया मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंचेरियल ज़िले के भीमिनी में, किसान तीन दिनों तक स्थानीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के सामने इकट्ठा रहे और समय पर यूरिया की आपूर्ति की माँग की। जब समिति उनकी ज़रूरतें पूरी करने में विफल रही, तो उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों से हस्तक्षेप की माँग की।

विरोध प्रदर्शन के बाद, समिति ने शेष स्टॉक का वितरण अस्थायी रूप से रोक दिया। किसानों ने आरोप लगाया कि निजी व्यापारियों के पास पर्याप्त यूरिया है और वे इसे कालाबाजारी में बेच रहे हैं्। कृषि अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अवैध रूप से यूरिया बेचने वाले किसी भी व्यापारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। भीमिनी और कन्नेपल्ली मंडलों में किसानों को सेवा प्रदान करने वाली सोसायटी ने अब तक 780 बैग वितरित किए हैं, लेकिन उसे इससे दोगुनी मात्रा की आवश्यकता है।महबूबाबाद जिले के कोठागुडा मंडल में, रविवार आधी रात से ही सैकड़ों किसान पोगिल्लापल्ली सहकारी समिति के बाहर कतार में खड़े हो गए्। सड़कें ट्रैक्टरों से भरी थीं और किसान अपना आवंटन लेने के लिए इंतज़ार कर रहे थे। लंबे इंतज़ार के बाद, सोसाइटी को 888 बोरियाँ मिलीं, जबकि माँग चार गुना ज़्यादा थी।

आज जामबाग मंडल के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पार्षद राकेश जायसवाल ने स्थानीय मणिकांता होटल में माता घट्टम की भक्तिभाव से पूजा कर प्रार्थना की कि जामबाग डिवीजन के लोगों की रक्षा एवं गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र को बीमारियों से मुक्त रखें। अवसर पर राजू यादव, अनिल, नरसिंह, जगपति, सुर्री आदि बडी संख्या में भक्त पूजा में शामिल हुए।

ईसीआईएल में तकनीकी कौशल प्रशिक्षण का शुभारंभ

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ईसीआईएल में तकनीकी कौशल प्रशिक्षण के विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ईसीआईएल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे फिटर, टर्नर, मशीनिस्ट, मशीनिस्ट (ग्राइंडिंग), इलेक्ट्रिकल, तथा कंप्यूटर ऑपरेटर प्रशिक्षुओं को रेडिएंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी के तकनीकी प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रीमती सीमा दुरावासिनी, अपर महाप्रबंधक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम में ईसीआईएल के प्रबंधक डॉ. राजनारायण अवस्थी ने विभिन्न प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईसीआईएल में प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया जा रहा है। श्रीमती जंगम विद्या, उप प्रबंधक (सीएलडीसी) ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

आज केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती करते हुए राजिंदर अग्रवाल, लक्ष्मी रेड्डी,एन विजय मनोहर राव, टी. जगन राव, सी. संजीवैया, बी. सुरेंद्र मोहन वी. राम चंद्र, प्रमोद अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल ,पी. सचितानंद रेड्डी, एम. राजेंद्र रेड्डी

राजस्थानी समुदाय के विभिन्न संघों के सदस्यों ने की मुलाकात

जोधपुर के लिए सीधी ट्रेन शुरू करने की मांग

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना व समीपवर्ती प्रदेशों में रहने वाले राजस्थानी प्रवासियों ने दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपते हुए निवेदन किया कि सरकार द्वारा कुछ नयी रेलें अति शीघ्र आरम्भ की जा रही है उसमें हैदराबाद से जोधपुर के लिए भी सीधी रेल आरम्भ की जाए, कारण यह है कि हैदराबाद से 400 कि.मी. के दायरे में वासित लगभग 2 लाख से अधिक राजस्थानी बंधुओं को जोधपुर व आसपास के क्षेत्र में लगातार आना-जाना लगा रहता है और उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड रहा है । इसके अतिरिक्त जोधपुर व आसपास के क्षेत्रों से वहां के स्थानीय हस्तकला के कारीगरों व मसाले सूखी सब्जियों के विक्रेताओं द्वारा यहाँ पर काफी सामान आता है वह अन्य माध्यमों से लाने में काफी महंगा पड रहा है जिससे उन कारीगरों का माल महंगा होने के कारण बिक नहीं पा रहा है । सीधे रेल आरम्भ होने से यात्रियों के अतिरिक्त इन कारीगरों व विक्रेताओं को भी आसानी हो जाएगी । उपरोक्त जानकारी संयोजक अविनाश देवडा द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ती में प्रदान की गयी ।

विज्ञप्ती में आगे बतलाया गया कि महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने पधारे राजस्थान समाज बंधुओं को सीधे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से फोन पर बात करवा दी । रेल मंत्री को राजस्थानी प्रवासियों की तकलीफों की जानकारी देते हुए सोहनलाल कडेल, अविनाश देवडा, अरुण भांगडिया ने कहा कि विगत दो दशकों से सरकार से घनश्याम भाटी, महेश बल्दवा आदि ने आग्रह किया की जोधपुर हेतु सीधी रेल सेवा आरम्भ की जाए। विगत वर्षों में हैदराबाद पधारे राजस्थान के कई सांसदों ने भी आश्वाशन दिया की सरकार से यह परियोजना अवश्य आरम्भ करवायेंगे, लेकिन अभी तक कोई इस बाबत निर्णय नहीं लिया गया। इस पर केन्द्रीय रेल मंत्री ने आश्वासन दिया कि इस रेल को आरम्भ करने का पूरा प्रयास किया जाएगा । इस अवसर पर महाप्रबंधक के साथ नीरज अग्रवाल (अतिरिक्त महाप्रबंधक), उदयनाथ कोटला (उप महाप्रबंधक) श्रीनिवास मल्लाडी (महाप्रबंधक के सचिव) उपस्थित थे ।

ज्ञापन प्रदान करने के लिये भाजपा वरिष्ठ नेता सोहनलाल कडेल, भाजपा नेता अविनाश देवडा, मनमीत सिंह, हैदराबाद किराणा मर्चेन्ट असोसिएशन के दामोदरदास विजयवर्गीय, माहेश्वरी समाज से राजेश मालपाणी, लक्ष्मीनारायण राठी, कैलाश डालिया, अरुण भांगडिया, भगवान पसारी, हरिप्रसाद चाण्डक, पंकज मणियार, राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज से रामवल्लभ भाटी, घनश्याम भाटी, रामकिशोर कच्छवाहा, राधाकिशन परिहार, पुरुषोत्तम मारोठिया, देवेन्दर सांखला, पन्नालाल कच्छवाहा, कुमावत समाज के सोनाराम कुमावत, सोहनलाल मालणिया, धर्माराम कुमावत, बुधाराम, राजपुरोहित समाज के भभुतसिंह राजपुरोहित आदि थे । इनके अतिरिक्त अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा, गोवत्स फाउण्डेशन - हैदराबाद, श्री मारू प्रजापति समाज विकास संस्थान, श्री मारू सैन समाज, श्री मारू लुहार समाज, श्री चण्डीसा राव समाज संघ,माली समाज सेवा संस्थान (तेलंगाना), श्री ब्रह्म क्षत्रिय समाज, श्री राजस्थान रावणा राजपूत समाज, दि ट्विन सिटी राजस्थानी देवासी समाज, दि. रिसाला ट्रेडर्स असोसिएशन, संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट आदि ने सीधे रेल मंत्री को अन्य माध्यमों द्वारा ज्ञापन दिया ।

श्री राजेश्वर भगवान का जागरण 22 को

हैदराबाद: फीलखाना स्थित श्रृंगऋषि भवन दालमंडी मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट हैदराबाद सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान मे गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान की 82 वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम मंगलवार 22 जुलाई रात्रि 8.31 बजे से भव्य जागरण व बुधवार 23 जुलाई प्रात: पूजा-अर्चना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति मे सचिव अशोक चौधरी ने बताया कि गुरुदेव श्री राजेश्वर भगवान की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मंगलवार 22 जुलाई रात्रि 8.31 बजे से भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। जिसमें चन्द्रिका बेन चौधरी, किंजल बेन पटेल एंड पार्टी गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। बुधवार 23 जुलाई प्रात: 11 बजे से 3 बजे तक समाज बन्धु 82 वीं पुण्यतिथि के पावन अवसर पर पुजा-अर्चनाकर गुरुवर श्री राजेश्वर भगवान के चरणों मे श्रद्धा के पुष्प अर्पितकर, सपरिवार लाभ लेंगे। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि, भामाशाहों व कार्यक्रम के लाभार्थीयों का विशेष सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम मे समाज बन्धु एवं आमंत्रित सम्मानित अतिथिगण सपरिवार सादर आमंत्रित है। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संत श्री राजारामजी कलबी समाज ट्रस्ट अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी, सचिव अशोक चौधरी, कोषाध्यक्ष नवाराम,

प्रतापाराम, जूठाराम, सवाराम, करनाराम, ठाकराराम, जवाराम, चुन्नीलाल, बाबुलाल, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष शंकरलाल सोलंकी ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है कि 23 जुलाई को अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

मसाब टैंक फ़्लाईओवर रखरखाव के लिए 1.5 महीने के लिए आंशिक रूप से रहेगा बंद

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के सबसे व्यस्त फ़्लाईओवरों में से एक मसाब टैंक फ़्लाईओवर को रखरखाव कार्यों के कारण रात के समय आंशिक रूप से बंद कर दिया गया है। जीएचएमसी खैरताबाद ज़ोन के अधिकारियों के अनुसार, फ़्लाईओवर का रखरखाव शुरू हो चुका है और ट्रैफ़िक पुलिस की अनुमति से रात में काम चल रहा है। यह काम कम से कम डेढ़ महीने तक और चलेगा। मेहदीपटनम की ओर यातायात की भीड़भाड़ को कम करने के लिए लगभग 25 साल पहले इस फ़्लाईओवर का निर्माण किया गया था। वार्षिक रखरखाव के तहत, बरसात के मौसम में पानी के रिसाव को रोकने के लिए स्ट्रिप सील जोड़ों को बदला जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि फ़्लाईओवर को नुकसान से बचाने के लिए यह ज़रूरी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

उद्धव को सीएम ने ...

कम से कम 2029 तक तो हम विपक्ष में नहीं आएंगे। ऐसे में अब एक और संभावित गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यह विचार एक अलग तरीके से किया जा सकता है, जिससे यह बयान और ज्यादा सियासी मायनों से भर गया है।

यह बयान ऐसे समय आया है जब मुंबई की बीएमसी चुनाव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पिछली बार बीएमसी में शिवसेना और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर थी। बीएमसी फिलहाल उद्धव ठाकरे गुट के नियंत्रण में है। भाजपा चाहती है कि इस बार वह बीएमसी पर कब्जा करे और इसके लिए वह सभी राजनीतिक समीकरण साधने में जुट गई है।

हाल ही में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर नजर आए थे। दोनों भाइयों ने 20 साल की दूरी खत्म कर महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाने के फैसले का विरोध किया। हालांकि, राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस के उत्तर भारतीयों के खिलाफ रुख को लेकर उद्धव की शिवसेना सहज नहीं है। ऐसे में दोनों के बीच गठबंधन की संभावना अभी अधर में है। वहीं, भाजपा के लिए उद्धव के साथ आना आसान नहीं होगा क्योंकि एक ओर शिंदे गुट पहले से भाजपा के साथ है, दूसरी ओर उद्धव गुट की वापसी से सत्ता समीकरण में तनाव आ सकता है।

अकबर 'क्रूर लेकिन ...

जहांगीर, शाहजहां को वास्तुकला का संरक्षक बताया

अकबर के उत्तराधिकारी जहांगीर और शाहजहां को किताब में कला और वास्तुकला का संरक्षक कहा गया है। शाहजहां को ताजमहल के निर्माण के लिए विशेष रूप से याद किया गया, लेकिन ये भी बताया गया कि शाहजहां की बीमारी के बाद उत्तराधिकार की लड़ाई में औरंगजेब ने अपने भाई दारा शिकोह को मार दिया और अपने पिता को बंदी बना लिया।

किताब में बनारस, मथुरा और सोमनाथ में मंदिरों को तोड़ने और जैन, सिख, सूफी और पारसी समुदायों पर अत्याचार की घटनाओं का भी जिक्र है। इस बारे में एनसीईआरटी के एक अधिकारी ने कहा, 'इतिहास की घटनाओं को मिटाया या नकारा नहीं जा सकता, लेकिन आज किसी को उनके लिए दोषी ठहराना गलत होगा। सत्ता की लालसा, अत्याचार या गलत महत्वाकांक्षाओं की शुरुआत को समझना ही ऐसा भविष्य बनाने का सही तरीका है जहां ये घटनाएं दोबारा न हों।

इसी साल एनसीईआरटी ने क्लास 7वीं की किताबों के सिलेबस में भी बदलाव किया है। हिस्ट्री, जियोग्राफी की टेक्स्ट बुक्स से मुगल सल्तनत और दिल्ली सल्तनत के टॉपिक्स हटा दिए गए हैं, जबकि महाकुंभ समेत गवर्नमेंट इनिशिएटिव जैसे मेक इन इंडिया और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को किताबों में जोड़ा गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कुछ मैच आपके साथ रहते हैं, नतीजे के लिए नहीं, बल्कि सिखाने के लिए : सिराज

लॉर्ड्स, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय पेसर मोहम्मद सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर इंस्टाग्राम पर इमोशनल पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा कि कुछ मैच आपके साथ रहते हैं, नतीजे के लिए नहीं, बल्कि जो वे सिखाते हैं, उसके लिए।

लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सिराज भारत की दूसरी इनिंग में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज थे।

10 वें विकेट के लिए जडेजा के साथ 23 की साझेदारी की

सिराज ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 23 रनों की साझेदारी की थी। सिराज की बल्लेबाजी को देख कर लग रहा था कि वे जडेजा के साथ मिलकर 193 रन के टारगेट को हासिल कर सकते हैं। सिराज ने 30 गेंदों का सामना किया और 4 रन बनाए, जबकि जडेजा 61 रन बनाकर नाबाद रहे।

हालांकि, पांचवें दिन चाय के बाद शोएब बशीर की एक गेंद सिराज के बल्ले से टकराकर स्टंप पर जा लगी, जिससे भारत 170 पर सिमट गया और इंग्लैंड ने रोमांचक जीत हासिल की।

इग्लैंड तीसरा टेस्ट जीतने के साथ ही पांच टेस्ट मैच की सीरीज में 2-1 से आगे हो गया है। लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लिश टीम को 5 विकेट से जीत मिली थी। उसके बाद बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट को भारत 336 रन से जीता था।

स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर जुर्माना

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2 अंक कटे, प्लेयर्स पर 10% फाइन; भारत चौथे स्थान पर पहुंचा

लंदन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण दो अंक का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही टीम को अपनी मैच फीस का 10% जुर्माना भी भरना होगा।

इंग्लैंड वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं भारत चौथे स्थान पर हैं।

इस टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हराया था, लेकिन मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने पाया कि इंग्लैंड ने तय समय में दो ओवर कम डाले।

स्टोक्स ने गलती स्वीकारी

इंग्लैंड टीम के सभी खिलाड़ियों की मैच फीस का 10% जुर्माना लगाया गया। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में इंग्लैंड के 2 अंक काटे गए हैं। हालांकि कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गलती को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के अनुसार हर एक ओवर कम होने पर खिलाड़ियों की 5% मैच फीस काटी जाती है। साथ ही हर ओवर के लिए 1 डब्ल्यूटीसीअंक भी काटा जाता है।

अब क्या स्थिति है डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में?

डब्ल्यूटीसी में इंग्लैंड के अंक 24 से घटकर 22 हो गए। उनका जीत प्रतिशत 66.67% से घटकर 61.11% हो गया। इससे श्रीलंका (66.67%) दूसरे नंबर पर आ गया है।

ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर है, जिसने अब तक सभी 3 मैच जीते हैं और उसका पीसीटी 100% है। भारत फिलहाल चौथे स्थान पर है, उसका पीसीटी 33.33% है।

लॉर्ड्स टेस्ट 22 रन से जीता

लॉर्ड्स टेस्ट के पांचवें दिन भारतीय टीम दूसरी पारी में सिर्फ 170 रन पर ऑलआउट हो गई। टारगेट 193 रन का था। पहले सेशन में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने ऋषभ पंत, केएल राहुल और वॉशिंगटन सुंदर को जल्दी आउट कर भारत को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी के बीच एक अच्छी साझेदारी बनने लगी थी। लेकिन लंच से ठीक पहले क्रिस वोक्स ने रेड्डी को आउट कर भारत की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। भारत लंच तक 112/8 पर पहुंच गया था। दूसरे सेशन में जडेजा को जसप्रीत बुमराह का साथ मिला। दोनों ने 35 रन की साझेदारी कर मैच को थोड़ा रोमांचक बनाया। लेकिन बुमराह ने एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और 5 रन पर आउट हो गए।

इसके बाद मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए और जडेजा का साथ देने लगे। जडेजा ने अर्धशतक जमाकर संघर्ष जारी रखा। तीसरे सेशन में भारत को जीत की हल्की उम्मीद थी, लेकिन ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने सिराज को बोल्ड कर दिया और इंग्लैंड ने 22 रन से मैच जीत लिया।

आईएसएल के रुकने पर फुटबॉलर सुनील छेत्री चिंतित

बोले– पूरा भारतीय फुटबॉल सिस्टम डरा और परेशान

एआईएफएफ-एफएसडीएल के बीच नया एग्रीमेंट नहीं हुआ

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल के पूर्व कप्तान सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग के रोके जाने पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा, इस समय जो स्थिति है, वह भारतीय फुटबॉल के लिए बहुत ही परेशान करने वाली है और इससे जुड़े खिलाड़ी, कोच, मेडिकल स्टाफ, और अन्य सभी लोग डरे और दुखी हैं।

भविष्य को लेकर चिंता- छेत्री

छेत्री, जो बेंगलुरु एफसी के लिए आईएसएल में खेलते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि देशभर के खिलाड़ियों और स्टाफ से लगातार उन्हें फोन और मैसेज मिल रहे हैं, जिनमें भविष्य को लेकर चिंता जताई गई है। उन्होंने कहा कि यह केवल उनकी निजी परेशानी नहीं है, बल्कि पूरे फुटबॉल जगत की है।

आईएसएल के 2025-26 सीजन को इसलिए रोका गया है क्योंकि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और आयोजनकर्ता कंपनी फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट का नवीनीकरण अभी नहीं हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएफएफ को निर्देश दिया है कि जब तक एआईएफएफ पर अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक वह एफएसडीएल के साथ कोई नया समझौता न करे।

एफएसडीएल और ओआईएफएफ के बीच 15 साल का समझौता 2010 में हुआ था, जिसके तहत एफएसडीएल हर साल एआईएफएफ को 50 करोड़ रुपए देता है और बदले में उसे भारतीय फुटबॉल का प्रसारण, प्रबंधन और प्रचार का अधिकार मिला है।

छेत्री ने कहा कि जब उन्होंने आईएलएल के रुकने की खबर छुट्टी के दौरान सुनी तो उन्हें लगा कि अब उनके पास फिट होने का और समय है, लेकिन जब पता चला कि यह रोक अब अनिश्चितकालीन है, तो उनकी चिंता बढ़ गई।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से संयम रखने और एक-दूसरे का साथ देने की अपील की।

उन्होंने भरोसा जताया कि फुटबॉल जल्द ही दोबारा शुरू होगा। एआईएफएफ ने भी कहा है कि वह आईएसएल की अहमियत को समझता है, लेकिन कोर्ट के आदेश का पालन करना उसकी मजबूरी है।

भारतीय हैंडबाल टीम की फिजियोथेरेपिस्ट बनीं मोनिका

बिलासपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। हमीरपुर की बेटी मोनिका शर्मा का चयन भारतीय हैंडवाल टीम में बतौर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में हुआ है। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। यूथ एशियन वुमन हैंडबाल चैंपियनशिप के लिए भारत की टीम चीन में होगी यूथ एशियन हैंडबाल प्रतियोगिता चीन के लिए रवाना हो चुकी है। इस टीम में मुख्य कोच सचिन चौधरी हैं।

जापान ओपन में पीवी सिंधु टूर्नामेंट के पहले राउंड से बाहर

सिम यू-जिन ने हराया; सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में

टोक्यो, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु टोक्यो में हो रहे जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उन्हें कोरिया की सिम यू-जिन ने लगातार दो गेम हरा दिया।

मेंस डबल्स में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी राउंड-16 में पहुंच गई हैं। वहीं मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन टूर्नामेंट के राउंड-16 में पहुंच गए हैं।

सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार को मेंस डबल्स मैच में कि डोंग-जू और कांग मिन ह्युक की जोड़ी को 21-18 21-10 से हराकर अगले राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया। यह मैच 40 मिनट तक चला। दोनों ही गेम में रेड्डी और शेट्टी की जोड़ी कोरियाई खिलाड़ियों पर हावी रही।

लक्ष्य सेन ने वांग जिनसेंग को हराया

लक्ष्य सेन ने पहले राउंड में चीनी खिलाड़ी वांग जिनसेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी को 21-11, 21-18 से हराया।

विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु को कोरियाई खिलाड़ी सिम यू-जिन से पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। 37 मिनट तक चले इस मैच में दोनों ही गेम में कोरियाई खिलाड़ी हावी रहीं। उन्होंने पहले गेम में 21-15 और दूसरे में 21-14 से हराया।

वहीं विमेंस डबल्स रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ी शुरुआती दौर में ही जापान की कोकोना इशिकावा और मायको कावाज़ोई से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई।

भारत के प्रदर्शन से बेहद निराश हूं- गांगुली

लॉर्ड्स टेस्ट हार पर टॉप ऑर्डर को जिम्मेदार ठहराया; 22 रन से इंग्लैंड जीता था

चेन्नई, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स टेस्ट की हार का जिम्मेदार टॉप ऑर्डर बैट्समैन को बताया है। तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया को की इंग्लैंड से 22 रनों की हार मिली थी।

193 रन का पीछा कर रही भारतीय टीम 170 रन पर सिमट गई थी। केएल राहुल (39 रन) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 61 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

टीम में प्रतिभा की कमी नहीं

इंडियन रेसिंग लीग और F4 इंडिया चैंपियनशिप कार्यक्रम में बोलते हुए गांगुली ने कहा कि टीम को 190 रन तो बना ही लेने चाहिए थे। मैं थोड़ा निराश हूं। जिस तरह भारत ने इस सीरीज में बल्लेबाजी की, उन्हें 190 रन बना लेने चाहिए थे।

जब आप जडेजा को लड़ते और रन बनाते देखते हैं, तो इस टीम की प्रतिभा को देखकर लगता है कि वे मुझसे ज्यादा निराश होंगे, क्योंकि यह सीरीज में 2-1 से आगे निकलने का मौका था। मुझे यकीन है कि इस ड्रेसिंग रूम में वे 190 रन न बना पाने से निराश होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि अगर टॉप ऑर्डर थोड़ा भी संघर्ष दिखता, तो यह मैच भारत का होता। दूसरी इनिंग में यशस्वी जायसवाल अपना खाता नहीं खोल पाए थे। जबकि शुभमन गिल 6 और ऋषभ पंत 9, दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए थे। केएल राहुल ने 39 रनों की पारी खेली, लेकिन आखिर में जडेजा (61 रन नाबाद) अकेले पड़ गए।

सौरव गांगुली ने रवींद्र जडेजा की तारीफ की

जडेजा की तारीफ करते हुए गांगुली ने उन्हें 'विशेष खिलाड़ी' बताया। उन्होंने कहा कि जडेजा शानदार रहे हैं। जब तक वह इस तरह बल्लेबाजी और प्रदर्शन करते रहेंगे, वह भारत के लिए खेलते रहेंगे। वह लंबे समय से टीम में हैं।उन्होंने करीब 80 टेस्ट और 200 से ज्यादा वनडे खेले हैं।

उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग देख सकते हैं। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं और उनकी बल्लेबाजी अनुभव के साथ काफी बेहतर हुई है। वह इस टीम का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कोकराझार पहुंची 134वें डूरंड कप की ट्रॉफियां

पूरे क्षेत्र में फुटबॉल का जश्न, खेले जाएंगे सात मैच

कोकराझार, 16 जुलाई (एजेंसियां)। असम के कोकराझार स्थित बोडोफा सांस्कृतिक परिसर में 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप की तीन ट्रॉफियों का अनावरण किया गया। यह कार्यक्रम बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के पांच जिलों में दो दिवसीय ट्रॉफी यात्रा के बाद हुआ। पूरे क्षेत्र में फुटबॉल प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखा गया। इस भव्य समारोह में असम सरकार की खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती नंदिता गोर्लोसा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। इस अवसर पर सेना के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे, जिनमें मेजर जनरल राजेश अरुण मोघे, वीएसएम, उपाध्यक्ष, डूरंड कप आयोजन समिति (डीसीओसी) और मेजर जनरल हरतेज सिंह बजाज, वीएसएम, सीओएस, गजराज कोर, समेत अन्य गणमान्य लोग शामिल थे। क्षेत्र के प्रसिद्ध फुटबॉलर दुर्गा बोरो भी मौजूद रहे, जिन्होंने चर्चिल ब्रदर्स और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड जैसे क्लबों के लिए खेला, जो दोनों ही डूरंड कप विजेता रह चुके हैं।

और निखरेगा असम और कोकोराझार का फुटबॉलः गोर्लोसा

इस अवसर पर श्रीमती नंदिता गोर्लोसा ने कहा, डूरंड कप के असम और कोकराझार -'द सिटी ऑफ पीस' में आने से, बोडोलैंड के कई खिलाड़ियों को अनुभव मिलेगा और आने वाले वर्षों में उनके खेल में सुधार होगा। असम की दो टीमें इस बार डूरंड कप में खेल रही हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि भविष्य में असम की और टीमें इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी। सरकार ने खेल को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं और बोडोलैंड में फुटबॉल के प्रति लोगों का प्यार बहुत बड़ा है। डूरंड कप इस प्रेम को और बढ़ाएगा। मेजर जनरल राजेश अरुण मोघे ने कहा, कोकराझार लगातार तीसरे साल डूरंड कप की मेजबानी कर रहा है, यह इस क्षेत्र के उत्साह, आतिथ्य और फुटबॉल के प्रति जुनून का प्रमाण है। असम सरकार और बीटीसी (बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल) के प्रयासों ने स्टेडियम को दर्शकों से भर दिया, जिससे यह साबित होता है कि फुटबॉल ने यहां के लोगों के दिल में जगह बना ली है।

सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में की बंपर कमाई

टॉप 11 खिलाड़ियों में रहकर हुए मालामाल

खेल डेस्क, 16 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड में वैभव सूर्यवंशी सिर्फ रनों की बारिश ही नहीं कर रहे बल्कि पैसों में भी खेल रहे हैं. दरअसल, इसके पीछे की वजह है उनका टॉप 11 खिलाड़ियों में रहना. वैभव सूर्यवंशी उसी वजह से मालामाल होते दिख रहे हैं. अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव सूर्यवंशी पैसे कमा कैसे रहे हैं और इंग्लैंड में किन 11 खिलाड़ियों के बीच उन्होंने अपनी जगह बनाई है? यहां वैभव सूर्यवंशी की कमाई का सीधा ताल्लुक उनकी मैच फीस से है और टॉप के 11 खिलाड़ियों से मतलब टीम की प्लेइंग इलेवन से है. बीसीसीआई की ओर से भारत के अंडर 19 खिलाड़ियों को 20 हजार रुपये मैच फीस मिलती है.इतनी रकम उन प्लेयर्स को हर रोज के मिलते हैं, जो प्लेइंग इलेवन में शामिल होते हैं. अब वैभव सूर्यवंशी की बात करें तो उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर अब तक हर मैच खेला है. वो हर मैच की प्लेइंग इलेवन मे शामिल रहे हैं. भारत की अंडर 19 टीम ने इंग्लैंड दौरे पर पहले 5 मैचों की वनडे सीरीज खेली और फिर 2 टेस्ट की सीरीज का पहला मैच भी खेल लिया. अब सवाल है वैभव सूर्यवंशी ने कितने कमाए? तो उन्हें वनडे सीरीज के दौरान हरेक मैच के 20000 रुपये मिले क्योंकि वो प्लेइंग इलेवन का हिस्सा थे. इस तरह 5 वनडे मैच से उनकी कुल कमाई 1 लाख रुपये की हुई. इसके बाद भारतीय टीम ने पहला 4 दिनी मैच खेला, जिससे वैभव सूर्यवंशी ने कुल 80000 रुपये कमाए. मतलब अब तक इंग्लैंड दौरे पर वैभव सूर्यवंशी 1 लाख 80 हजार रुपये सिर्फ और सिर्फ मैच फीस से कमा चुके हैं. इंग्लैंड की अंडर 19 टीम के खिलाफ अभी दूसरा 4 दिनी मैच खेला जाना बाकी है. इसमें दो राय नहीं कि वैभव उसके प्लेइंग 11 में भी होंगे. मतलब मैच फीस के जरिए अभी उनकी कमाई में और इंग्लैंड में और इजाफा होने वाला है.

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध

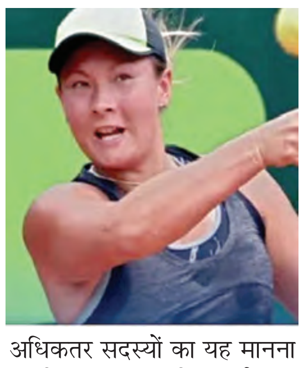

लंदन, 16 जुलाई (एजेंसियां)। खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति व्यक्त की है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए।

मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी, जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था।

आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में निर्णय दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि मूर यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल रैंकिंग में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं।

महाद्वीप के 20 देशों के शीर्ष सर्फर तीन से 12 अगस्त तक होने वाली एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए यहां महाबलीपुरम में चुनौती पेश करेंगे। एशियाई सर्फिंग महासंघ (एएसएफ) के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में शॉर्टबोर्ड वर्गों में प्रतिस्पर्धा होगी जो ओपन पुरुष, ओपन महिला, अंडर-18 लड़के और अंडर-18 लड़कियों के वर्ग में होगी।

इस प्रतियोगिता के जरिए सर्फर जापान में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु में एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी सर्फिंग जैसे नए खेलों को बढ़ावा देने, हमारे खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तरीय अवसर पैदा करने और उन्हें मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' इस टूर्नामेंट के पुरुष और महिला चैंपियन को 17 से 23 नवंबर 2025 तक होने वाले सर्फसिटी अल सल्वाडोर एएलएएस ग्लोबल फाइनल में भी सीधे प्रवेश मिलेगा।

यूरोपीय दौरे पर भारत ए पुरुष हॉकी टीम की लगातार दूसरी हार

इंग्लैंड ने 3-2 से दी मात

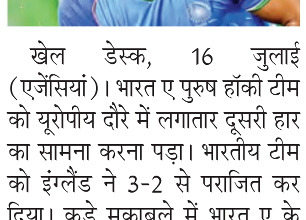

खेल डेस्क, 16 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ए पुरुष हॉकी टीम को यूरोपीय दौरे में लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को इंग्लैंड ने 3-2 से पराजित कर दिया। कड़े मुकाबले में भारत ए के लिए मनिंदर सिंह और उत्तम सिंह ने गोल किए। भारतीय कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा कि हमें दौरे में शुरुआत में लगातार तीन जीत मिली और अब लगातार दो मैचों में कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। हमें पता है कि जैसे-जैसे दौरा आगे बढ़ेगा प्रतिस्पर्धा कड़ी होगी। अभी दो मजबूत टीमों के साथ तीन मैच और खेलने हैं। बृहस्पतिवार को एंटवर्प में बेल्जियम से खेलना है उसके बाद टीम एंडोवेन में नीदरलैंड से 18 और 20 जुलाई को मैच खेलेगी।

3 सुपरस्टार्स जिनकी डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी अब मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है

न्यू जर्सी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई सारे सुपरस्टार्स काम करते हैं और वो अपनी स्किल्स दिखाकर फैंस का मनोरंजन करते है। हर एक प्रोफेशनल रेसलर का सपना होता है कि उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई में आकर काम करने का मौका मिले। कुछ डब्ल्यूडब्ल्यूई का हिस्सा बन जाते हैं और सालों तक इसी प्रमोशन में काम करते हुए नजर आते हैं। कुछ के रिश्ते खराब हो जाते हैं, या वो बेहतर ऑफर मिलने पर डब्ल्यूडब्ल्यूई छोड़ देते हैं। अमूमन सुपरस्टार्स की कंपनी में वापसी हो जाती है। सीएम पंक, ब्रेट हार्ट जैसे रेसलर्स विवादों में होने के बावजूद डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापस आए हैं। कुछ ऐसे स्टार्स हैं, जिनकी डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी मुश्किल ही नहीं नामुमकिन लग रही है।

1. रायबैक – रायबैक ने 2016 में डब्ल्यूडब्ल्यूई को अलविदा कह दिया था। इसके बाद उन्होंने कई बार डब्ल्यूडब्ल्यूई और विंस मैकमैहन की कड़ी आलोचना की। इसी बीच रायबैक नाम के ऊपर भी उनका डब्ल्यूडब्ल्यूई के खिलाफ लंबा केस चला। उनके रिश्ते कंपनी के साथ पूरी तरह से खराब हो गए। रायबैक ने खुद कई बार बताया है कि वो शायद ही डब्ल्यूडब्ल्यूई में दोबारा जाना और काम करना पसंद करेंगे।

2. मैट रिडल – मैट रिडल ने 2018 में डब्ल्यूडब्ल्यूई ने कदम रखा था और 2023 तक वो कंपनी के साथ रहे। रिडल एक मौके पर डब्ल्यूडब्ल्यूई के अगले टॉप स्टार माने जा रहे थे। हालांकि, वो लगातार विवादों में रहे और उन्हें नशे की आदत थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने उन्हें रिहैब ऑफर किया था लेकिन उन्होंने स्वीकार नहीं किया। इसी वजह से रिडल को निकाल दिया।

3. मैंडी रोज– मैंडी रोज को डब्ल्यूडब्ल्यूई ने 2022 में रिलीज करने का कड़ा फैसला किया था। इसके पहले वो एनएक्सटी की सबसे बड़ी सुपरस्टार्स में से एक थीं और उनका ऐतिहासिक विमेंस चैंपियनशिप रन देखने को मिला था। हालांकि, मैंडी ने अपना प्रीमियम मेंबरशिप प्लान जारी कर दिया था, जो डब्ल्यूडब्ल्यूई को पसंद नहीं आया।

बेरोजगारों को ठगने के आरोप में वित्त कंपनी के खिलाफ शिकायत

आदिलाबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बेरोजगार लोगों ने पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई कि जादव कृष्णा नामक व्यक्ति ने बुधवार को डिजिटल माइक्रो फाइनेंस की आड़ में प्रत्येक व्यक्ति से 20,000 रुपये एकत्र करके उन्हें धोखा दिया। कई बेरोजगार उम्मीदवारों ने कृष्णा पर आदिलाबाद और उत्नूर मंडल केंद्र स्थित वित्तीय कंपनी के कार्यालयों में विभिन्न नौकरियों का वादा करके पैसे ऐंठने का आरोप लगाया है। उन्होंने एसपी से उसके गलत कामों की जाँच करके उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की माँग की है। उन्होंने बताया कि कृष्णा ने लगभग 300 बेरोजगारों को ठगा है। कुछ पीड़ित तब हैरान रह गए जब दोनों दफ्तरों पर ताला लगा हुआ था। उन्होंने वित्तीय कंपनी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वे पुलिस से कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करने की मांग कर रहे थे।

सीएमआरएफ चेक का दुरुपयोग करने के आरोप में 2 गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के तहत स्वीकृत राशि का दुरुपयोग करने, सरकार और गरीब लाभार्थियों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति मेट्टुगुडा के जोगुला नरेश कुमार और नलगोंडा में एमपीडीओ कार्यालय में एक कार्यालय अधीनस्थ बी वेंकटेश थे। खम्मम से के वामशी और पेद्दापल्ली जिले से पी ओंकार फरार हैं।

पुलिस के अनुसार, मुख्य संदिग्ध नरेश कुमार ने पूर्व मंत्री के कार्यालय में काम करते हुए सीएमआरएफ चेकों तक अपनी पहुँच का दुरुपयोग किया था। उसने 230 स्वीकृत लेकिन वितरित न किए गए चेकों को अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने बताया कि नरेश ने 19 ऐसे चेकों की पहचान की जो आवेदकों को जारी किए गए थे, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

फिर नरेश ने अपने साथियों की मदद से जुबली हिल्स स्थित मिलते-जुलते नामों वाले कई बैंक खातों में जाली जानकारियों का इस्तेमाल करके ये पैसे जमा कर दिए। गबन की गई कुल रकम लगभग 8.7 लाख रुपये आंकी गई है। बैंक अधिकारियों की शिकायत के बाद, जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। फरार लोगों की तलाश जारी है।

परियोजना मुद्दे पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों की बैठक

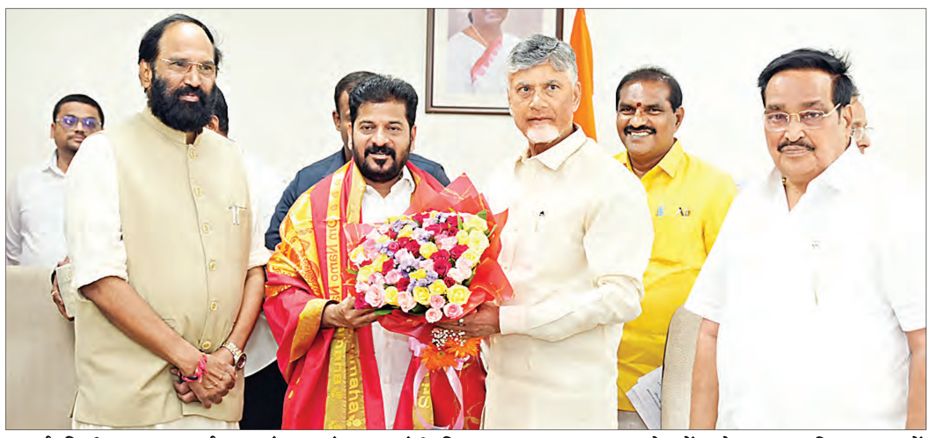

नई दिल्ली, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों ने आज दोनों तेलुगु राज्यों के बीच जल मुद्दों पर चर्चा के लिए बैठक की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और उनके तेलंगाना समकक्ष रेवंत रेड्डी ने दिल्ली के श्रमशक्ति भवन में केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल की उपस्थिति में बैठक की। आंध्र प्रदेश ने गोदावरी बनकाचेरला परियोजना लिंकेज के लिए एकल-बिंदु एजेंडा प्रस्तावित किया, जबकि तेलंगाना ने 13 विषयों का प्रस्ताव रखा। केंद्र सरकार ने दोनों राज्यों के प्रस्तावों को एजेंडे में शामिल किया। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के जल संसाधन मंत्री निम्माला रामानायडू और एन. उत्तम कुमार रेड्डी, दोनों राज्यों के मुख्य सचिव, जल संसाधन विभागों के सचिव और इंजीनियर बैठक में शामिल हुए। बैठक से पहले, दोनों मुख्यमंत्रियों ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने बैठक में उठाए जाने वाले मुद्दों और दिए जाने वाले तकनीकी उत्तरों पर चर्चा की। मुख्यमंत्रियों ने अपने आधिकारिक आवासों पर मुख्य सचिवों और सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। आंध्र प्रदेश, जिसने गोदावरी-बनकाचारला परियोजना लिंकेज के लिए एकल-बिंदु एजेंडा प्रस्तावित किया था, ने एक रिपोर्ट के रूप में परियोजना के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया कि समुद्र में बर्बाद होने वाले पानी का उपयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर, गोदावरी में सौ वर्षों के औसत प्रवाह के आँकड़ों का उल्लेख किया गया। इसमें कहा गया कि हर साल 3,000 टीएमसी पानी समुद्र में छोड़ा जाता है। इसमें बताया गया कि बनकाचारला परियोजना के माध्यम से अधिकतम 200 टीएमसी पानी पहुँचाया जाएगा। इसमें कहा गया कि इस परियोजना से अपस्ट्रीम राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा। इसमें कहा गया कि पिछले 11 वर्षों से तेलंगाना में बनी किसी भी परियोजना पर कोई आपत्ति नहीं है। इसमें तेलंगाना और केंद्र सरकार से एक डाउनस्ट्रीम राज्य के रूप में अपने कार्यों को समझने का अनुरोध किया गया। बैठक के बाद बोलते हुए, आंध्र प्रदेश के मंत्री निम्माला रामानायडू ने कहा कि तीन महत्वपूर्ण मुद्दों पर निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के जलाशयों और उनके निकास द्वारों पर टेलीमेट्री लगाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने श्रीशैलम परियोजना पर विशेषज्ञों द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार तुरंत सुरक्षा उपाय करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि कृष्णा बोर्ड अमरावती में और गोदावरी बोर्ड तेलंगाना में होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पोलावरम और बनकचारला परियोजनाओं पर तेलंगाना द्वारा उठाए गए तकनीकी मुद्दों पर एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अगले सोमवार तक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने गोदावरी कृष्णा जल मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि समिति में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तकनीकी और प्रशासनिक विभागों से संबंधित विशेषज्ञ भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री के अनुरोध के बावजूद आरएफसीएल ने तेलंगाना को यूरिया आवंटन में की कटौती

पेद्दापल्ली, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) ने तेलंगाना को यूरिया का आवंटन कम कर दिया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को दिए गए ज्ञापन के बावजूद, आरएफसीएल को आवंटन बढ़ाने के संबंध में केंद्र सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला है। उर्वरक विभाग को इस संबंध में आदेश जारी करने हैं। वनकालम सीज़न की खेती की प्रक्रिया में तेजी आने के साथ यूरिया का उपयोग बढ़ गया है। इसलिए, किसान राज्य सरकार पर उर्वरक की आपूर्ति के लिए दबाव बढ़ा रहे हैं। राज्य भर में यूरिया के लिए किसानों द्वारा कतारों में खड़े होने और विरोध प्रदर्शन करने की घटनाएँ सामने आ रही हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल 1.14 लाख टन यूरिया की आपूर्ति कम की गई है।

पिछले साल अप्रैल से जुलाई तक 1.14 लाख टन से ज़्यादा यूरिया की आपूर्ति की गई थी। हालाँकि, इस साल अब तक लगभग 10,000 टन की मामूली मात्रा ही आपूर्ति की जा सकी है। इसके अलावा, जुलाई महीने का कोटा भी 60,000 टन से घटाकर 30,000 टन कर दिया गया था। इसमें से भी अब तक केवल 10,000 टन की आपूर्ति हुई है। राष्ट्रीय उर्वरक कोटे के तहत कृष्णापट्नम से राज्य को %,000 टन यूरिया की आपूर्ति की गई। अगर अगले एक पखवाड़े में यूरिया की आपूर्ति नहीं हुई तो मुश्किल हालात पैदा हो सकते हैं। इस महीने के अंत तक कम से कम 60,000 से 80,000 टन यूरिया की ज़रूरत होगी। आवंटन में कमी की वजह उत्पादन में कमी बताई जा रही है। इस साल दो महीने तक प्लांट बंद रहने के कारण यूरिया उत्पादन ठप पड़ा है।

पेड्डापल्ली के सांसद जी. वामशिकृष्णा, जिन्होंने हाल ही में आरएफसीएल का दौरा किया था, ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर तेलंगाना को यूरिया का आवंटन कम करके उसके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया। सांसद ने मंगलवार को उर्वरक विभाग के सचिव रजत कुमार मिश्रा को एक ज्ञापन देकर तेलंगाना को यूरिया का आवंटन बढ़ाने का अनुरोध किया। वामशिकृष्णा ने एक बयान में बताया कि सचिव ने तेलंगाना को 2.7 लाख टन यूरिया की आपूर्ति के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

जीएचएमसी पीआरओ ने महापौर से शिष्टाचार मुलाकात

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) का कार्यभार संभालने वाले दशरतम ने सीपीआरओ मोहम्मद मुर्तुजा साथ जीएचएमसी मुख्यालय स्थित महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी से उनके कक्ष में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर, महापौर ने उन्हें बधाई दी और जीएचएमसी के विकास कार्यों और जनसेवा कार्यक्रमों को और अधिक प्रमुखता से लोगों के ध्यान में लाने के लिए कार्य करने का निर्देश दिया।

आईआईटी-हैदराबाद ने भारी पेलोड ड्रोन किया विकसित

संगारेड्डी, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय शहरों में ट्रैफिक जाम में एम्बुलेंस का फंसना जल्द ही अतीत की बात हो जाएगी, क्योंकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-हैदराबाद (आईआईटी-एच) के अन्वेषकों ने एक एयर एम्बुलेंस विकसित की है, जो सड़क दुर्घटना के पीड़ितों और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को कम से कम समय में अस्पताल पहुंचा सकती है। आईआईटी-एच में टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब ऑन ऑटोनॉमस नेविगेशन फाउंडेशन (टीआईएचएएन) ने अब एक भारी पेलोड ड्रोन विकसित किया है जिसका उपयोग एम्बुलेंस के रूप में किया जा सकता है। एम्बुलेंस एक स्वायत्त वाहन होगा जो बिना किसी मानवीय सहायता के एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंच सकेगा। यह 200 किलोग्राम तक का भार ले जा सकता है। इसका उपयोग हवाई मालवाहक वाहन और महानगरों में हवाई टैक्सी के रूप में भी किया जा सकता है।

ड्रोन का उपयोग बाढ़, अग्नि दुर्घटनाओं और यहां तक कि युद्ध के दौरान प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव कार्यों में भी किया जा सकता है। इनोवेटर्स ने ड्रोन का नाम पल्यंका रखा है, जो संस्कृत शब्द है और पालकी

का पर्याय है। हब के कार्यकारी अधिकारी डॉ. संतोष रेड्डी ने बताया कि चूंकि प्राचीन काल में पल्यंका का इस्तेमाल रानियों को ले जाने के लिए किया जाता था, इसलिए उन्होंने संस्कृत से एक ऐसा नाम चुना जो प्राचीन भारतीय संस्कृति को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि तिहान के तकनीकी अधिकारी डॉ. श्याम नारायण ने यह नाम सुझाया था। सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों या गंभीर रूप से बीमार लोगों को समय पर स्थानांतरित करना जीवन बचाने के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए तिहान-आईआईटी-एच के अन्वेषकों ने भारी पेलोड वाले ड्रोन विकसित करने का निर्णय लिया, जिनका उपयोग एम्बुलेंस के रूप में किया जा सकता है।

डॉ. संतोष रेड्डी ने कहा कि ये ड्रोन पहाड़ी इलाकों में भी उपयोगी हो सकते हैं जहाँ सड़कें न होने के कारण आवाजाही मुश्किल होती है। उन्होंने कहा कि बाढ़, आग प्रभावित क्षेत्रों या दूरदराज के इलाकों में फंसे लोगों को ड्रोन की मदद से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वे ज़रूरतमंद लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए इसे पहाड़ी इलाकों में पायलट परियोजना के रूप में शुरू करने के लिए तैयार हैं।

एफटीसीसीआई अध्यक्ष रचकोंडा रवि कुमार चुने गए

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फेडरेशन एफटीसीसीआई ने वर्ष 2025-2026 के लिए अपने नए नेतृत्व की घोषणा की। प्रसिद्ध टेक्नोक्रेट और उद्योगपति रचकोंडा रवि कुमार अध्यक्ष चुने गए, और फिनटेक पेशेवर और उद्यमी के.के. माहेश्वरी वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने।

एफटीसीसीआई 3,000 से अधिक प्रत्यक्ष सदस्यों और 160 संघों का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे 25,000 से अधिक व्यवसायों का अप्रत्यक्ष सदस्य आधार बनता है। रवि कुमार वर्तमान में ज़ेटाटेक टेक्नोलॉजीज़ प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। वह तेलंगाना इंडस्ट्रियल हेल्थ क्लिनिक लिमिटेड में एक स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी कार्यरत हैं। राज्य और राष्ट्रीय स्तर के शटल बैडमिंटन खिलाड़ी रवि कुमार, खेल और फिटनेस को सक्रिय रूप से बढ़ावा देते रहते हैं। के.के. माहेश्वरी, सीआईएल सिक्योरिटीज़ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं, जो एक बीएसई-सूचीबद्ध, विविध वित्तीय सेवा कंपनी है।

यह फर्म एनएसई, बीएसई और एमसीएक्स की सदस्य है और मर्चेंट बैंकर, रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट, तथा डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स के रूप में सेवाएँ प्रदान करती है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बालापुर के आरसीआई रोड पर एक सड़क दुर्घटना में 30 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। शाहीन नगर निवासी शेख खलील बाइक से जा रहे थे, तभी आरसीआई रोड पर एक अर्थमूवर ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी।

खलील गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस आई और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। बालापुर पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि मिट्टी हटाने वाले वाहन का चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

जल संकट के लिए केटीआर ने कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार

कृष्णा और गोदावरी जल प्रवाह का उपयोग करने में दिया विफलता का हवाला

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना को ग्रामीण और शहरी, दोनों इलाकों में भीषण जल संकट की ओर धकेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गोदावरी और कृष्णा नदियों से पानी उठाए बिना, कांग्रेस सरकार लोगों को पीने और सिंचाई के पानी के लिए परेशान कर रही है। रामा राव ने एक्स से बात करते हुए कहा कि कृष्णा और गोदावरी नदियों में भारी जल प्रवाह के बावजूद, राज्य सरकार अपनी घोर लापरवाही के कारण एक भी बूँद पानी का उपयोग करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि जलाशय और बोरवेल सूख रहे हैं, खेत वीरान पड़े हैं, और यहाँ तक कि सरकार पीने के पानी की ज़रूरतों को भी नज़रअंदाज़ कर रही है। उन्होंने कहा, "गाँवों में सिंचाई के लिए पानी नहीं है और शहरों में पीने का पानी नहीं है।"

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना को छोड़ने और बिना किसी योजना के कालेश्वरम परियोजना के द्वार खोलने के लिए रेवंत रेड्डी सरकार की आलोचना की। बिगड़ते हालात का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि अकेले हैदराबाद में ही पीने के पानी की ज़रूरत पूरी करने के लिए रोज़ाना 8,000 टैंकरों की ज़रूरत पड़ रही है, और कई इलाकों में तो दो दिन तक इंतज़ार करना पड़ रहा है। कांग्रेस शासन को तेलंगाना की जनता के लिए अभिशाप बताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा संकट न सिर्फ प्रशासनिक विफलता, बल्कि ख़तरनाक उपेक्षा को भी दर्शाता है।

एचसीए अध्यक्ष और अन्य को 6 दिन की सीआईडी हिरासत

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी अदालत ने बुधवार को एचसीए के अध्यक्ष जगन मोहन राव और अन्य को अपराध जांच विभाग को छह दिन की पुलिस हिरासत में सौंप दिया। सीआईडी ने जगन मोहन राव, एचसीए के कोषाध्यक्ष जेएस श्रीनिवास राव, एचसीए के सीईओ सुनील कांते, श्री चक्र क्रिकेट क्लब के महासचिव राजेंद्र यादव और श्री चक्र क्रिकेट क्लब की अध्यक्ष जी कविता की हिरासत की मांग करते हुए अदालत में याचिका दायर की थी। इन पांचों को सीआईडी ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया था।

सीआईडी के अनुसार, जगन मोहन और अन्य द्वारा धन के कथित दुरुपयोग को लेकर तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन के महासचिव धरम गुरवा रेड्डी की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया था। जगन मोहन राव ने जी कविता और राजेंद्र यादव के साथ मिलकर श्री चक्र क्रिकेट क्लब, जिसे पहले गौलीपुरा क्रिकेट क्लब (जीसीसी) के नाम से जाना जाता था, के जाली दस्तावेज़ बनाए और जीसीसी के अध्यक्ष सी कृष्ण यादव के जाली हस्ताक्षर किए। उनके जाली दस्तावेज़ों को असली के रूप में इस्तेमाल किया गया, जिससे जगन मोहन को

एचसीए में अध्यक्ष के रूप में बेईमानी से प्रवेश मिल गया। सीआईडी तेलंगाना की अतिरिक्त डीजीपी चारु सिन्हा ने पाँचों संदिग्धों की गिरफ्तारी की समय बताया था।

तेलंगाना में -0.93 प्रतिशत अपस्फीति दर्ज

विशेषज्ञों ने आर्थिक मंदी की दी चेतावनी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्लभ और चिंताजनक आर्थिक घटनाक्रम में, तेलंगाना आधिकारिक तौर पर अपस्फीति के दौर में प्रवेश कर गया है और जून 2025 तक पिछले वर्ष की तुलना में नकारात्मक मुद्रास्फीति दर्ज करने वाला भारत का एकमात्र प्रमुख राज्य बन गया है। 2014 में अपने गठन के बाद से राज्य ने पहली बार अपस्फीति दर्ज की है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार , राज्य की समग्र मुद्रास्फीति -0.93 प्रतिशत रही, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में -1.54 प्रतिशत और शहरी केंद्रों में -0.45 प्रतिशत मुद्रास्फीति देखी गई, जो व्यापक आधार पर मूल्य में गिरावट का संकेत है।

यह राष्ट्रीय औसत मुद्रास्फीति दर 2.1 प्रतिशत के बिल्कुल विपरीत है, जो तेलंगाना की स्थिति की विशिष्टता और गंभीरता को दर्शाता है। कांग्रेस सरकार इस प्रवृत्ति को नीतिगत सफलता या आर्थिक समझदारी के संकेत के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रही है, फिर भी आर्थिक विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार इस पर चिंता जता रहे हैं। नियंत्रित मुद्रास्फीति के विपरीत, अपस्फीति आमतौर पर आर्थिक संकुचन का संकेत है, जो उपभोक्ता माँग में गिरावट, निवेश में ठहराव, राजस्व प्रवाह में गिरावट और समग्र आर्थिक गतिरोध से प्रेरित होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, उपभोक्ता मांग में गिरावट सभी क्षेत्रों में मुख्य समस्या बनी हुई है। खुदरा से लेकर कृषि तक, कम क्रय शक्ति आर्थिक गतिविधियों का दम घोंट रही है।

कम कीमतों का मतलब जीएसटी संग्रह में कमी है, जिसका अंततः राज्य की सार्वजनिक सेवाओं और कल्याणकारी योजनाओं के वित्तपोषण की क्षमता पर असर पड़ेगा। ऋतु भरोसा योजना के भुगतान में देरी, ठेकेदारों के लंबित बिलों का बोझ बढ़ना और बिजली का बकाया 12,000 करोड़ रुपये से अधिक होने से राजकोषीय दबाव स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

अपस्फीति का असर किसानों पर खास तौर पर पड़ रहा है, जो अब अपनी लागत से भी कम दाम पर अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं। खराब खरीद, एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) भुगतान में देरी और बढ़ते संकटग्रस्त प्रवास के कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में है। इस बीच, उद्योगपति विस्तार योजनाओं को रोक रहे हैं, तथा व्यावसायिक निवेश रुक रहा है, क्योंकि गिरती कीमतें और कमजोर मांग पूंजी पर खराब रिटर्न का संकेत दे रही हैं।

अर्थशास्त्रियों ने कहा, 'तेलंगाना को मध्यम और स्वस्थ मुद्रास्फीति की ज़रूरत है, लेकिन कीमतों में भारी गिरावट की नहीं।' अगर अपस्फीति का चक्र जारी रहा, तो इससे राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) और प्रति व्यक्ति आय पर भी असर पड़ सकता है। जब तक मांग में सुधार नहीं होता और सार्वजनिक निवेश में तेज़ी नहीं आती, तेलंगाना पर लंबे समय तक आर्थिक मंदी का खतरा बना रहेगा।

आलू के चिप्स बनाने वाले गोदाम में आग लगी

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जगदगिरिगुट्टा के पापिरेड्डी नगर स्थित एक आलू चिप्स बनाने वाली कंपनी के गोदाम में बुधवार को भीषण आग लग गई। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। हालांकि आग लगने का वास्तविक कारण पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस को संदेह है कि शॉर्ट सर्किट के कारण यह आग लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आग तड़के सूर्या एंटरप्राइजेज कंपनी के गोदाम में लगी। गोदाम में प्लास्टिक, फाइबर और अन्य ज्वलनशील पदार्थ मौजूद होने के कारण क्षेत्र में घना धुआं फैल गया, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुँचे। आग पर पूरी तरह काबू पाने के लिए दो दमकल गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। जगद्गिरिगुट्टा पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

निज़ामपेट के थुरका चेरुवु में अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात निजामपेट के थुरका चेरुवु में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ पाया गया। पुलिस ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह आत्महत्या थी या दुर्घटना। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों ने झील में तैरता हुआ शव देखा और पुलिस को सूचना दी। बाचुपल्ली पुलिस ने विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शव को झील से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया। अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और व्यक्ति की पहचान के प्रयास जारी हैं। स्थानीय पुलिस थानों में हाल ही में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का सत्यापन किया जा रहा है।

मोटरसाइकिल चुराने की कोशिश कर रहा व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को उपनगर मेडचल के अथवेल्ली में एक व्यक्ति को कथित तौर पर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी करने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना दोपहर में उस समय घटी जब संदिग्ध व्यक्ति सड़क किनारे खड़ी गाड़ी के पुर्जे हटाता हुआ पाया गया। स्थानीय लोगों ने उसे देखा और उससे पूछताछ की, लेकिन जब उसके जवाब अप्रासंगिक निकले तो उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस को बुलाया, जिसने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध को पकड़ लिया।

पूर्व आईएएस अधिकारी आरपी सिंह को सीसीएस ने लिया हिरासत में

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आईएएस अधिकारी आरपी सिंह को बुधवार को एक मामले के सिलसिले में केंद्रीय अपराध स्टेशन के अधिकारियों ने हिरासत में लिया। जानकारी के अनुसार, मामला रायदुर्गम क्षेत्र के खाजागुडा में स्थित एक जमीन से संबंधित है, जिसके स्वामित्व पर आरपी सिंह और उनकी पत्नी हरविंदर सिंह ने दावा किया था। यह ज़मीन पहले एक व्यावसायिक परिसर के लिए हुए समझौते के तहत एक निर्माण कंपनी को दी गई थी। बाद में, कंपनी को पता चला कि ज़मीन का कुछ हिस्सा उनकी बेटी के नाम पर था। हालाँकि, बाद में यह दान-पत्र रद्द कर दिया गया।

कंपनी ने 2023 में रायदुर्गम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि पूर्व आईएएस अधिकारी ने इस मामले को छुपाकर विकास के लिए दे दिया। मामला सीसीएस को स्थानांतरित कर दिया गया। तब तक इस व्यावसायिक परिसर में 700 से ज़्यादा ग्राहक निवेश कर चुके थे। ऋण न मिलने के कारण, व्यावसायिक परिसर का निर्माण पूरा नहीं हो सका। सीसीएस पुलिस ने मामला दर्ज कर सिंह को हिरासत में ले लिया है।

लंबित वादों को लेकर सिंगरेनी श्रमिकों के लिए बीआरएस शुरू करेगी राज्यव्यापी संघर्ष

हैदराबाद, 16 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोग्गु गनी कार्मिक संघम (टीबीजीकेएस) ने बीआरएस के समर्थन से कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आंदोलन को तेज करने का फैसला किया है, जिसमें चुनाव के दौरान सिंगरेनी श्रमिकों से किए गए वादों को लागू करने की मांग की गई है। टीबीजीकेएस ने सरकार द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किए जाने तक ज़मीनी स्तर पर निरंतर विरोध और अभियान चलाने का संकल्प लिया है। बीआरएस क्षेत्र के पार्टी विधायकों, प्रभारियों और पूर्व मंत्रियों के साथ मिलकर काम करेगा। तेलंगाना भवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने टीबीजीकेएस के प्रयासों को पार्टी का पूरा समर्थन दिया। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता कोप्पुला ईश्वर को संघम का पार्टी प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में, सिंगरेनी कोयला क्षेत्र में जल्द ही एक विशाल बैठक आयोजित की जाएगी।

रामा राव ने टीबीजीकेएस नेताओं से आग्रह किया कि वे सिंगरेनी श्रमिकों के साथ सिंगरेनी और राज्य में अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सुरक्षा के लिए पिछली बीआरएस सरकार के दशक भर के प्रयासों के बारे में बात करें। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समाज के अन्य वर्गों की तरह मज़दूरों के साथ भी विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि मज़दूर कांग्रेस और भाजपा सरकारों द्वारा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के निजीकरण के प्रयासों का विरोध करें। उन्होंने किसी भी अन्याय का सामना कर रहे मज़दूरों को क़ानूनी सहायता का आश्वासन दिया, और पार्टी की क़ानूनी शाखा को प्रभावित कर्मचारियों की मदद करने का ज़िम्मा सौंपा गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.